नई दिल्ली
शनिवार
26 सितंबर 2026
वर्षः 13, अंकः 23
पृष्ठः 08, मूल्य 2 रु0

E-mail
story@sadbhawna.today
sadbhavnatoday@gmail.com
web: www.sadbhawna.today

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

सद्भावना टुडे

आवाज़ अधिकार की

कांग्रेस ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के...पेज-05

DELHIN/2014/58158

दिल्ली ने हासिल किया 70 लाख पौधरोपण का लक्ष्य पेज-02

एक नजर

सुप्रीम कोर्ट ने संभल के शाही मस्जिद विवाद पर आदेश सुरक्षित रखा

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने यूपी में संभल के शाही जामा मस्जिद मामले में शुक्रवार को सुनवाई करते हुए फैसला सुरक्षित रख लिया। जस्टिस पीएस नरसिम्हा की अध्यक्षता वाली बेंच ने सुनवाई की। इससे पहले कोर्ट ने 22 अगस्त को इस मामले में यथास्थिति बनाए रखने का आदेश दिया था। मस्जिद कमेटी ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के फैसले को चुनौती दी है। उच्च न्यायालय ने संभल की दीवानी अदालत की ओर से मस्जिद के सर्वेक्षण के आदेश को सही ठहराया था। उच्च न्यायालय ने 19 मई को अपने आदेश में कहा था कि संभल के शाही जामा मस्जिद का मामला प्लेसेस ऑफ वर्शिप एक्ट के दायरे में नहीं आता है। याचिकाकर्ता की ओर से वरिष्ठ वकील हुफैजा अहमदी ने कहा था कि उच्च न्यायालय का ये निष्कर्ष गलत है कि संभल के शाही जामा मस्जिद का मामला प्लेसेज ऑफ वर्शिप एक्ट के दायरे में नहीं आता। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने अहमदी से पूछा था कि क्या इस मामले को प्लेसज ऑफ वर्शिप एक्ट से जुड़े मामलों के साथ टैग कर दिया जाए। सुनवाई के दौरान हिन्दू पक्ष के वकील विष्णु शंकर जैन ने कहा था कि ये मामला प्लेसेज ऑफ वर्शिप एक्ट के दायरे में नहीं आता। उन्होंने कहा कि ये परिसर एएसआई के अधीन आता है, ऐसे में ये प्लेसेज ऑफ वर्शिप एक्ट के तहत नहीं आएगा। मामले में उच्चतम न्यायालय की ओर से जुलाई महीने में मध्यस्थता की कोशिश की गई थी, लेकिन दोनों पक्ष इसके लिए तैयार नहीं हुए।

वित्त वर्ष 2025-26 में एफडीआई 94.53 अरब डॉलर के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर: गोयल

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को कहा कि भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) वित्त वर्ष 2025-26 में 94.53 अरब डॉलर के अब तक के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया है, जबकि वित्त वर्ष 2014-26 के दौरान कुल संचयी एफडीआई प्रवाह 843 अरब डॉलर रहा है। गोयल ने 'मेक इन इंडिया' प्रोग्राम की 12वीं वर्षगांठ के मौके पर कहा कि एफडीआई के साथ-साथ देश में मैन्युफैक्चरिंग यानी विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए सरकार की ओर से किए गए सुधारों का असर दिख रहा है। भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश ने वित्त वर्ष 2025-26 में नया रिकॉर्ड बनाया है। आज उस सोच की 12वीं सालगिरह है, जो इस साधारण विश्वास पर आधारित है कि 'भारत दुनिया के लिए मैन्युफैक्चरिंग कर सकता है'। उन्होंने बताया कि 31 मार्च तक उत्पादन से जुड़े प्रोत्साहन (पीएलआई) योजनाओं के चलते 2.40 लाख करोड़ रुपये का वास्तविक निवेश हुआ। इस दौरान 23.8 लाख करोड़ रुपये का उत्पादन-बिक्री हुई और 15.2 लाख करोड़ रुपये का निर्यात दर्ज किया गया। इसके साथ ही इन योजनाओं से 14.6 लाख से अधिक प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार पैदा हुए हैं। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि इलेक्ट्रॉनिक्स एवं दूरसंचार, दवा, चिकित्सा उपकरण, वाहन, आईटी हार्डवेयर और विशेष इस्पात जैसे क्षेत्रों को पीएलआई योजनाओं से काफी लाभ भी हुआ है। गोयल ने कहा कि ये आंकड़े एक उत्साहजनक तस्वीर पेश करते हैं। गोयल ने आगे कहा कि यह हमें याद दिलाता है कि जब कोई देश अपनी क्षमताओं पर भरोसा करता है और सरकार लगातार सुधारों और ठोस कदमों से उस भरोसे को मज़बूत करती है, तो क्या कुछ हासिल किया जा सकता है।

निवेश का केंद्र बनकर देश का विकास इंजन बनने की दिशा में बढ़ रहा उत्तर प्रदेश: शाह

केंद्रीय गृह मंत्री इंडिया एक्सपो मार्ट में यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो के चौथे संस्करण का उद्घाटन किया

ग्रेटर नोएडा,एजेंसी। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि उत्तर प्रदेश में कभी अपराध की इंडस्ट्री चलती थी, शहर-शहर वाहन चोरी के कुटीर उद्योग लगते थे और अवैध कट्टे बनाए जाते थे, लेकिन आज उसी उत्तर प्रदेश में कट्टा उद्योग की जगह डिफेंस कॉरिडोर, वाहन चोरी की जगह वाहन निर्माण और चेन स्नैचिंग की जगह मेडिकल डिवाइस पार्क बन रहा है।

उन्होने कहा कि यह परिवर्तन डबल इंजन की सरकार में आया है और उत्तर प्रदेश देश-दुनिया के निवेश का प्रमुख केंद्र बन रहा है। केंद्रीय गृह मंत्री गुरुवार को ग्रेटर नोएडा स्थित इंडिया एक्सपो मार्ट में यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो (यूपीआईटीएस) के चौथे संस्करण के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। श्री शाह ने कहा कि वर्ष 2013 में उत्तर प्रदेश का हाल यह था कि लखनऊ में औद्योगिक निवेश सम्मेलन कराने की स्थिति नहीं थी। अधिकारियों ने कानून-व्यवस्था का हवाला देते हुए दिल्ली में आयोजन किया था। आज वही उत्तर प्रदेश निवेश का केंद्र बनकर देश का विकास इंजन बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। निवेश के लिए कानून-व्यवस्था, अनुकूल औद्योगिक नीति, सक्रिय सरकार और उद्योगों को सुविधा देने की आवश्यक है और उत्तर प्रदेश में ये सभी स्थितियां मौजूद हैं। इसी का परिणाम है कि प्रदेश ने वन ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने का लक्ष्य तय किया है। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश के झांसी, चित्रकूट, लखनऊ, आगरा, अलीगढ़ और कानपुर में डिफेंस कॉरिडोर के छह नोड विकसित किए जा रहे हैं। इन क्षेत्रों में रक्षा उपकरणों के निर्माण के लिए निवेश आ रहा है। देश का रक्षा उत्पादन अब करीब 1.78 लाख करोड़ रुपये को पार कर चुका है और 2013-14 की तुलना में रक्षा उत्पादों के निर्यात में 56 गुना वृद्धि हुई है। आज भारत के रक्षा उत्पाद करीब 80 देशों को निर्यात किए जा रहे हैं, जिसमें उत्तर प्रदेश का भी महत्वपूर्ण योगदान है। उत्तर प्रदेश सरकार ने डिफेंस कॉरिडोर के साथ इन्फ्रास्ट्रक्चर और अनुकूल नीतियों के जरिए निवेश को सुगम बनाने का काम किया है। अमेठी में निर्मित एके-203 राइफल और उत्तर प्रदेश में बन रहे रक्षा उत्पाद देश की नई औद्योगिक क्षमता को दर्शाते हैं। श्री शाह ने कहा कि उत्तर प्रदेश के युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ाने में वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट (ओडीओपी) की महत्वपूर्ण भूमिका है। परंपरागत उद्योगों और हस्तशिल्प को बढ़ावा देकर स्थानीय उत्पादों को बाजार उपलब्ध कराया गया है। कभी रोजगार के लिए दूसरे राज्यों में जाने वाले प्रदेश के युवाओं को आज अपने ही राज्य में रोजगार और उद्यम के अवसर मिल रहे हैं। भदोही का कालीन, फिरोजाबाद का कांच, सहारनपुर की काष्ठ कला, कन्नौज का इत्र और बनारस की रेशमी साड़ी ने देश-दुनिया में पहचान बनाई है। उन्होंने विश्वास जताया कि यूपी के पारंपरिक उत्पादों के साथ वाराणसी की मलाईयो, तिरंगा बर्फी, आगरा के पेठा, मथुरा के पेड़ा और मेरठ की गजक जैसे उत्पादों को भी व्यापक बाजार मिलेगा। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो के चौथे संस्करण में देश-दुनिया से आए खरीदारों और उद्यमियों की भागीदारी प्रदेश में निवेश, उत्पादन और बिक्री की संभावनाओं को बढ़ाएगी। पहले संस्करण में राष्ट्रपति, दूसरे में उपराष्ट्रपति और तीसरे संस्करण में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति रही, जबकि चौथे संस्करण के उद्घाटन में शामिल होकर उन्हें प्रसन्नता हो रही है। 2025 के ट्रेड शो में पांच लाख से अधिक लोगों ने हिस्सा लिया था और 2,400 से अधिक एमओयू हुए थे। इस वर्ष के आयोजन से पिछले सभी रिकॉर्ड टूटने की उम्मीद है। केंद्रीय गृह मंत्री ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और प्रदेश सरकार को ट्रेड शो के आयोजन की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश इसी प्रकार विकास की दिशा में आगे बढ़ता रहेगा।

SIR में 'वीआईपी' मतदाता श्रेणी को लेकर चुनाव आयोग पर सवाल, खेड़ा ने ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग की

नई दिल्ली। कांग्रेस मीडिया विभाग के अध्यक्ष पवन खेड़ा ने शुक्रवार को एसआईआर के दौरान 'वीआईपी' मतदाताओं के लिए अलग व्यवस्था बनाए जाने का आरोप लगाते हुए मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर सवाल उठाए और उनके इस्तीफे की मांग की। उन्होंने दावा किया कि देशभर में एसआईआर के जरिए 13 करोड़ से अधिक लोगों को मताधिकार से वंचित किया गया है और दिल्ली में चुनाव आयोग ने आम मतदाताओं तथा 'वीआईपी' मतदाताओं के लिए अलग-अलग व्यवस्था बनाई है।

पार्टी मुख्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में खेड़ा ने कहा कि एक वेबसाइट की रिपोर्ट में एसआईआर से जुड़े अधिकारियों को 'वीआईपी' मतदाताओं की पहचान करने के निर्देश दिए जाने और एक अखबार की रिपोर्ट में बीएलओ ऐप में 'मार्क वीआईपी' सुविधा जोड़े जाने की बात सामने आई है। उन्होंने कहा कि बीएलओ ऐप में यह सुविधा 30 जुलाई को जोड़ी गई थी और इसके जरिए बूथ लेवल अधिकारी सत्यापन के दौरान किसी मतदाता को 'वीआईपी' के रूप में चिह्नित कर सकते हैं। इसके बाद प्रविष्टि की जांच एईआरओ, ईआरओ और दिल्ली के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के कार्यालय के स्तर पर की जाती है। चुनाव आयोग के मार्च 2023 के मैनुअल में सांसदों, विधायकों, घोषित पदों पर बैठे लोगों तथा कला, संस्कृति, पत्रकारिता, खेल, न्यायपालिका और लोक सेवाओं से जुड़े कुछ लोगों को 'मार्क्ड इलेक्टर्स' के रूप में चिह्नित करने का प्रावधान बताया गया है। खेड़ा ने आरोप लगाया कि ज्ञानेश कुमार ने अन्य दोनों चुनाव आयुक्तों की आपत्तियों को नजरअंदाज किया और चुनाव आयोग को अकेले संचालित किया। उन्होंने आयोग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि अब मुख्य चुनाव आयुक्त को अपनी जिम्मेदारी से हट जाना चाहिए। उल्लेखनीय है कि एक अंग्रेजी अखबार ने 25 सितंबर को प्रकाशित अपनी रिपोर्ट में बताया कि चुनाव आयोग के बूथ लेवल अधिकारियों के लिए इस्तेमाल होने वाले बीएलओ ऐप में 'मार्क वीआईपी' नाम का नया फीचर जोड़ा गया है। दिल्ली के मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय के अधिकारियों के अनुसार, यह फीचर 30 जुलाई को ऐप में जोड़ा गया था।

रिपोर्ट के मुताबिक, एसआईआर के दौरान कुछ मतदाताओं को 'वीआईपी' के तौर पर चिह्नित करने की सुविधा इसमें उपलब्ध है। इससे पहले एक अन्य अंग्रेजी अखबार ने 23 सितंबर की अपनी रिपोर्ट में बताया था कि चुनाव आयोग के तीन में से दो चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने पिछले 10 महीनों में आयोग के फैसलों और आदेशों को लेकर कम से कम 14 बार लिखित आपत्ति दर्ज की थी। रिपोर्ट में नए मतदाताओं के पंजीकरण, मतदाता सूची से नाम हटाने, मतदाता डेटाबेस के केंद्रीकरण और एसआईआर से जुड़े अन्य मुद्दों पर आपत्तियों का उल्लेख किया गया था।

'मेक इन इंडिया' के 12 सालः मोदी ने उत्पादन, निवेश और निर्यात बढ़ाने पर दिया जोर

नई दिल्ली,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को 'मेक इन इंडिया' पहल के 12 साल पूरे होने पर अलग-अलग सेक्टरों में आए स्पष्ट बदलावों का उल्लेख करते हुए कहा कि इस पहल से देश के आर्थिक बदलावों के मुख्य संकेतकों के तौर पर घरेलू उत्पादन, निवेश और निर्यात बढे हैं। मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'देश में अधिक उत्पादन।

देश में अधिक निवेश। हर सेक्टर में स्पष्ट बदलाव!' एक अन्य पोस्ट में प्रधानमंत्री ने एक वीडियो साझा किया है जिसमें 'मेक इन इंडिया' की उपलब्धियों की झलक दिखाई गई है। इसके साथ उन्होंने लिखा है कि मेक इन इंडिया से बुनियादी ढांचे, उद्यम और नवाचार तैयार हो रहे हैं जो देश की तरक्की और समृद्धि में योगदान दे रहे हैं। सितंबर 2014 में शुरू की गई 'मेक इन इंडिया' पहल का मकसद देश को वैश्विक विनिर्माण केंद्र के तौर पर बढ़ावा देना, घरेलू और विदेशी निवेश को आकर्षित करना, नवाचार को बढ़ावा देना और रोजगार पैदा करना था। इसके तहत सरकार ने इलेक्ट्रॉनिक्स, वाहन, रक्षा, फार्मास्यूटिकल्स और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे सेक्टर में विनिर्माण क्षमता को मजबूत करने की कोशिश की है। साथ ही घरेलू उद्योग को वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला से और ज्यादा मजबूती से जोड़ा है। घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देने और निवेश आकर्षित करने के लिए कुछ खास सेक्टर के लिए उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजनाओं जैसे नीतिगत उपाय भी शुरू किए गए हैं।

सुप्रीम कोर्ट में मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ याचिका, एसआईटी जांच की मांग

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय में एक याचिका दायर कर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ आपराधिक कार्यवाही करने की मांग की गई है। याचिका में कहा गया है कि विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर ज्ञानेश कुमार ने अपने संवैधानिक दायित्वों का निर्वहन नहीं किया। याचिका में कहा गया है कि एसआईआर के दौरान लिए गए फैसले और सॉफ्टवेयर में किये गए बदलाव को लेकर दो चुनाव आयुक्तों की कोई सहमति नहीं ली गई। वकील शैलेंद्र मणि त्रिपाठी ने दायर याचिका में कहा है कि विशेष गहन पुनरीक्षण से संबंधित निर्वाचन आयोग के सभी फैसलों को गैरकानूनी करार दिया जाए और फॉर्म 6 को मूल स्वरुप में ही बहाल किया जाए। याचिका में मांग की गई है कि एसआईआर के दौरान करीब 13 करोड़ मतदाताओं का नाम काटे जाने की एसआईटी से जांच कराई जाए। याचिका में मांग की गई है कि ज्ञानेश कुमार के खिलाफ आपराधिक कार्यवाही शुरु की जाए।

सवाल लोकतंत्र के लिए जरूरी, लेकिन विकास के लिए हों, व्यवधान के लिए नहीं: उपराष्ट्रपति

नई दिल्ली,एजेंसी। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने शुक्रवार को युवाओं से समाज और देश के प्रति जिम्मेदारी की भावना के साथ सवाल करने, स्वतंत्र रूप से सोचने और तार्किक निर्णय लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सवाल पूछना लोकतंत्र का जरूरी स्तंभ है, लेकिन सवाल विकास के लिए होने चाहिए, व्यवधान पैदा करने के लिए नहीं।

दिल्ली विश्वविद्यालय के श्री राम कॉलेज ऑफ कॉमर्स (एसआरसीसी) में तीसरे अरुण जेटली स्मृति वाद-विवाद के पुरस्कार समारोह को संबोधित करते हुए राधाकृष्णन ने कहा, 'सवाल पूछे बिना लोकतंत्र नहीं हो सकता, लेकिन जहां जरूरी हो, वहां सवाल पूछे जाने चाहिए, व्यवधान पैदा करने के लिए नहीं बल्कि विकास के लिए। उन्होंने छात्रों से स्वतंत्र निर्णय लेने का आग्रह करते हुए कहा कि किसी का समर्थन करने से पहले यह सवाल किया जाना चाहिए कि उससे समाज और देश को लाभ होगा या नहीं। उन्होंने कहा कि यदि यह सोच विकसित हो जाए तो भारत 2047 से पहले ही विकसित देश बन जाएगा।

दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलाधिपति राधाकृष्णन ने एसआरसीसी के 100 वर्ष पूरे होने पर बधाई देते हुए कहा कि एक सदी केवल समय का माप नहीं है, बल्कि यह चरित्र का भी माप है। संस्थान तब टिकाऊ बनते हैं जब वे अपने मूल्यों से जुड़े रहते हुए लगातार खुद को नया रूप देते हैं और बदलते समय के अनुरूप भविष्य के लिए तैयार होते हैं। उपराष्ट्रपति ने अरुण जेटली को एसआरसीसी के प्रतिष्ठित पूर्व छात्र, राजनेता, संगठनकर्ता और कुशल वक्ता के रूप में याद किया। उन्होंने कहा कि जेटली में कानूनी समझ, राजनीतिक दृष्टि, आर्थिक सोच और प्रभावी संवाद क्षमता का दुर्लभ संयोजन था। उन्होंने जीएसटी, दिवाला एवं दिवालियापन संहिता, कर एवं राजकोषीय सुधारों तथा वित्तीय समावेशन सहित विभिन्न क्षेत्रों में जेटली के योगदान का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र असहमति से बचने से मजबूत नहीं होता, बल्कि जब असहमति का सामना तर्क, साक्ष्य और संवाद के जरिए किया जाता है तब लोकतंत्र मजबूत होता है। लोकतांत्रिक विमर्श के लिए अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, विरोधी विचारों का सम्मान, साक्ष्य आधारित तर्क और संसदीय आचरण जरूरी हैं।

गृह मंत्रालय ने मणिपुर, अरुणाचल और नगालैंड के विभिन्न क्षेत्रों में अफस्पा की अवधि छह महीने बढ़ायी

नई दिल्ली,एजेंसी। गृह मंत्रालय ने पूर्वोत्तर के तीन राज्यों मणिपुर, अरूणाचल प्रदेश और नागालैंड में हिंसा की घटनाओं को देखते हुए सशस्त्र बल विशेष अधिकार अधिनियम (अफस्पा) को आगामी एक अक्टूबर से छह महीने बढ़ाकर 'अशांत क्षेत्र' घोषित किया है। गृह मंत्रालय ने गुरुवार को तीनों राज्यों के लिए इस संबंध में अलग-अलग अधिसूचना जारी की है। यह निर्णय इन राज्यों में कानून व्यवस्था की स्थिति की समीक्षा के बाद लिया गया है। मणिपुर के लिए जारी अधिसूचना में कहा गया है कि राज्य में घाटी के जिलों के 13 विशेष पुलिस थाना क्षेत्रों को अफस्पा से बाहर रखा गया है। इम्फाल, लैंफेल, सिटी, सिंगजामेई, पटसोई, वांगोई, पोरोम्पैट, हेइंगांग, इरिलबुंग, थौबल, बिष्णुपुर, नांबोल और काकचिंग थाना क्षेत्रों को अफस्पा से बाहर रखा गया है।

इन क्षेत्रों में सामान्य नागरिक पुलिस व्यवस्था जारी रहेगी। राज्य में वर्ष 2023 में दो समुदायों के बीच जातीय हिंसा के बाद से विभिन्न क्षेत्रों में अफस्पा के प्रावधान लागू हैं। पहले से लागू अफस्पा की अवधि 30 सितम्बर को समाप्त हो रही है। अरुणाचल प्रदेश के लिए जारी अधिसूचना में कहा गया है कि राज्य के तिरप, चांगलांग एवं लांगडिंग जिलों तथा असम की सीमा से लगे नामसेई जिले के नामसेई , महादेवपुर एवं चौखम पुलिस थानों के क्षेत्र में आने वाले इलाकों में अफस्फा के प्रावधान आगामी एक अक्टूबर से छह महीने के लिए बढ़ा दिये गये हैं। नागालैंड में दिमापुर, जेनउलैंड, चुमुकेदिमा, मोन, दीमापुर, नोकलाक, शेख, पेरेन और मेलुरी जिलों तथा कोहिमा जिले में खुझामा, कोहिमा-उत्तर, कोहिमा-दक्षिण, जुब्जा और केजोचा पुलिस थाना क्षेत्र, मोकोकचुंग जिले में मांगकोलेंबा, मोकोकचुंग-द्व, लोंगथो, तुली, लोंगचेम और अनाकी 'सी' पुलिस थाना क्षेत्र, लोंगलेंग जिले में यांगलोक पुलिस थाना क्षेत्र, वोखा जिले में भंडारी, चांमपांग और रालान पुलिस थाना क्षेत्र तथा जुन्हेबोटो जिले में घटाशी, पुघोबोटो, सताखा, सुरूहुतो, जुन्हेबोटो और अघुनाटो पुलिस थाना क्षेत्र में अफस्पा के प्रावधान एक अक्टूबर से छह महीने के लिए बढ़ाये गये हैं।

डिजिटल मीडिया के इस्तेमाल पर राष्ट्रीय नीति बनाने की जरूरत

न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा के दौरान आयोजित एक कार्यक्रम में जारी रिपोर्ट में कहा

नई दिल्ली,एजेंसी। बच्चों को ऑनलाइन दुनिया के बढ़ते खतरों से बचाने के लिए डिजिटल मीडिया के इस्तेमाल पर राष्ट्रीय नीति बनाने की जरूरत बताई गई है। सेंटर फॉर लीगल एक्शन एंड बिहेवियर चेंज (सी-लैब) की रिपोर्ट 'प्रिवेंशन बाय डिजाइन: फ्रॉम वॉलंटरी सेल्फ-रेगुलेशन टू अ स्टेट ड्यूटी ऑफ केयर' में स्कूलों में स्मार्टफोन के इस्तेमाल पर स्पष्ट पाबंदी लगाने और बच्चों के लिए उम्र के आधार पर ऑनलाइन प्लेटफॉर्म तक पहुंच तय करने की सिफारिश की गई है।

न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा के दौरान आयोजित एक कार्यक्रम में जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि बच्चों की ऑनलाइन सुरक्षा की जिम्मेदारी डिजिटल प्लेटफॉर्म की होनी चाहिए। नियमों का पालन कराने और उल्लंघन पर कार्रवाई की कानूनी जिम्मेदारी बच्चों या उनके माता-पिता पर डालने के बजाय प्लेटफॉर्म पर तय की जानी चाहिए। रिपोर्ट को एथेना इन्फोनॉमिक्स और जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन (जेआरसी) के कार्यक्रम 'रिस्पॉन्सिबल एआई एंड सेफ डिजिटल स्पेसेस फॉर चिल्ड्रेन' में जारी किया गया।

रिपोर्ट में 40 से अधिक देशों में बच्चों के डिजिटल मीडिया इस्तेमाल से जुड़े उम्र आधारित कानूनों और नीतियों तथा 110 देशों में स्कूलों में मोबाइल फोन के इस्तेमाल से जुड़ी नीतियों का अध्ययन किया गया है। अध्ययन में स्कूलों में स्मार्टफोन पर स्पष्ट राष्ट्रीय नीति की जरूरत पर जोर दिया गया है।

रिपोर्ट के मुताबिक, 110 देशों में से 52 देशों ने स्कूलों में स्मार्टफोन इस्तेमाल पर राष्ट्रीय कानून के जरिये रोक लगाई है, जबकि 31 देशों ने राष्ट्रीय दिशानिर्देश जारी किए हैं। केवल नौ देशों ने इस मामले में फैसला स्कूलों पर छोड़ रखा है। रिपोर्ट में प्राथमिक और निचली माध्यमिक कक्षाओं के विद्यार्थियों को स्कूल के समय स्मार्टफोन इस्तेमाल करने की अनुमति नहीं देने की सिफारिश की गई है। रिपोर्ट जारी होने के मौके पर जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन के संस्थापक भुवन ऋभु ने कहा कि डिजिटल दुनिया के विस्तार के साथ बच्चों को होने वाले नुकसान का दायरा भी बढ़ा है, लेकिन उससे बचाव की व्यवस्थाएं उसी गति से विकसित नहीं हुई हैं। उन्होंने ऑनलाइन बच्चों की सुरक्षा के लिए अंतरराष्ट्रीय कानूनी व्यवस्था की जरूरत बताई। ऋभु ने कहा कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को ऐसे समझौते करने की अनुमति नहीं दी जा सकती, जिनसे बच्चों के अधिकार और सुरक्षा प्रभावित हों। उनके मुताबिक, डिजिटल प्लेटफॉर्म इतने बड़े स्तर पर काम करते हैं कि कार्रवाई के लिए लाखों बच्चों के नुकसान का इंतजार नहीं किया जा सकता।

दिल्ली ने हासिल किया 70 लाख पौधरोपण का लक्ष्य

सैफुल्लाह सिद्दीकी, वरिष्ठ पत्रकार

नई दिल्ली। पर्यावरण संरक्षण और राजधानी को अधिक हरा-भरा, स्वच्छ एवं स्वस्थ बनाने की दिशा में दिल्ली सरकार ने बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए 'मिशन ग्रीन दिल्ली' के तहत 70 लाख पौधरोपण का लक्ष्य पूरा कर लिया है। शुक्रवार को इसकी जानकारी देते हुए मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि यह उपलब्धि केवल संख्या पूरी करने तक सीमित नहीं है, बल्कि दिल्ली के हरित क्षेत्र को बढ़ाने, पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने और स्वच्छ हवा के लिए निरंतर प्रयासों का परिणाम है। दिल्ली को ऐसा शहर बनाना सरकार का लक्ष्य है, जहां विकास और पर्यावरण संरक्षण साथ-साथ आगे बढ़ें।

मुख्यमंत्री ने जानकारी दी कि मेगा प्लांटेशन ड्राइव-2026 की शुरुआत इस वर्ष 7 जुलाई को वन महोत्सव के अवसर पर केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने की थी। केंद्र सरकार के सहयोग और मार्गदर्शन में इस अभियान को हमारी सरकार ने करीबी निगरानी में दिल्लीभर में आगे बढ़ाया गया। इस अभियान में दिल्ली की हरित एजेंसियों और विभिन्न सरकारी विभागों के साथ-साथ स्थानीय निकायों, सार्वजनिक संस्थानों, गैर-सरकारी संगठनों, स्कूलों, कॉलेजों, आरडब्ल्यूए और दिल्ली के नागरिकों ने सक्रिय भागीदारी की। पूरे सरकारी तंत्र और समाज की सामूहिक भागीदारी ने 'मिशन ग्रीन दिल्ली' को सरकारी कार्यक्रम से आगे बढ़ाकर जनआंदोलन का स्वरूप दिया।

दिल्ली की पारिस्थितिकी के लिए महत्वपूर्ण मध्य रिज, डीडीए रिज और दक्षिण रिज क्षेत्रों में विशेष रूप से पौधरोपण किया गया। इन रिज क्षेत्रों में कुल 24,94,505 पौधरोपण किए गए। प्राकृतिक हरित क्षेत्रों को मजबूत करना दिल्ली की दीर्घकालिक पर्यावरणीय रणनीति का महत्वपूर्ण हिस्सा है। इससे पारिस्थितिकी तंत्र के पुर्नथापन, जैव विविधता के संरक्षण और पर्यावरणीय सुधार को मजबूती मिलने की उम्मीद है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 70 लाख पौधरोपण का लक्ष्य हासिल होना यह दिखाता है कि जब सरकार और नागरिक साझेदार के रूप में काम करते हैं तो बड़े पर्यावरणीय लक्ष्य भी हासिल किए जा सकते हैं। प्रत्येक लगाया गया पौधा स्वच्छ हवा, अधिक हरियाली और बच्चों के स्वस्थ भविष्य में निवेश है। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार का प्रयास केवल पौधे लगाने तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इस हरित संपदा के संरक्षण और संवर्धन पर भी समान रूप से ध्यान दिया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने यह भी जानकारी दी कि 'मिशन ग्रीन दिल्ली' में आम नागरिकों की भागीदारी को विशेष महत्व दिया गया। पब्लिक स्लॉट बुकिंग सुविधा के माध्यम से 1,89,116 बुकिंग की गईं, जिनमें 1,47,095 नागरिकों ने भाग लेकर 3,56,986 पौधे लगाए। इससे पर्यावरण संरक्षण में लोगों की प्रत्यक्ष भागीदारी को बढ़ावा मिला। इसी तरह 'वृक्षरथ'पहल के माध्यम से पौधों को सीधे कॉलोनियों और समुदायों तक पहुंचाया गया। इसके तहत 74,747 पौधे वितरित किए गए और 21,394 पौधरोपण किए गए। इसके अतिरिक्त सरकारी नर्सरियों के माध्यम से नागरिकों, संस्थाओं, संगठनों और समुदायों को 7,61,827 पौधे वितरित किए गए। उन्होंने इस अभियान में भागीदारी करने वाले नागरिकों के साथ-साथ हरित एजेंसियों, गैर-सरकारी संगठनों, स्कूलों, कॉलेजों, आरडब्ल्यूए, दिल्ली पुलिस, न्यायपालिका तथा अन्य सरकारी और सार्वजनिक संस्थानों के योगदान की सराहना की है। रेखा गुप्ता ने कहा कि 70 लाख पौधों का लक्ष्य पूरा होना अभियान का अंत नहीं, बल्कि दिल्ली को अधिक हरा-भरा, जलवायु के लिहाज से अधिक सक्षम और स्वस्थ बनाने के सतत प्रयास की शुरुआत है। दिल्ली में लगाए गए प्रत्येक पौधे को बचाना और उसे विकसित करना उतना ही महत्वपूर्ण है, जितना उसका पौधरोपण। सरकार ने सभी नागरिकों से अपील की है कि जिन लोगों ने पौधे लगाए हैं या पौधे प्राप्त किए हैं, वे उनकी नियमित देखभाल करें और उन्हें पेड़ बनने तक संरक्षित करें। पर्यावरण मंत्री सरदार मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि स्वच्छ हवा और स्वस्थ पर्यावरण बेहतर गुणवत्ता वाले जीवन की बुनियादी आवश्यकता हैं। 'मिशन ग्रीन दिल्ली' वायु प्रदूषण से निपटने और दिल्ली के पर्यावरण में सुधार की व्यापक रणनीति का महत्वपूर्ण हिस्सा है। नागरिकों, आरडब्ल्यूए, विद्यार्थियों, गैर-सरकारी संगठनों और विभिन्न संस्थानों की भागीदारी ने इस अभियान को वास्तविक जनभागीदारी का स्वरूप दिया है। अब सरकार का अगला ध्यान लगाए गए पौधों के जीवित रहने, संरक्षण और संवर्धन पर रहेगा, ताकि आने वाले वर्षों में इनसे मिलने वाले पर्यावरणीय लाभ को स्थायी बनाया जा सके।

एमसीडी ने हाई कोर्ट को बताया- सत्य निकेतन में इमारत गिरने के बाद पांच अधिकारी सस्पेंड किए

शाहनवाज सैफ, सद्भावना टुडे

नई दिल्ली। सत्य निकेतन में पेइंग गेस्ट बिल्डिंग के गिरने के बाद पांच दिल्ली नगर निगम के पांच वरिष्ठ अधिकारियों को निलंबित किया गया है। इसके अलावा 543 संपत्तियों को गिराया गया है और 178 संपत्तियों को सील कर दिया गया है। इस मामले की सुनवाई के दौरान दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) ने दिल्ली उच्च न्यायालय को ये सूचना दी। चीफ जस्टिस डीके उपाध्याय की अध्यक्षता वाली बेंच ने दिल्ली सरकार से पूछा कि पीजी को रेगुलेट करने संबंधी कानून का पालन कैसे किया जा रहा है। मामले की अगली सुनवाई 14 अक्टूबर को होगी। दिल्ली नगर निगम ने उच्च न्यायालय में दाखिल हलफनामा में कहा है कि इस हादसे के बाद 543 संपत्तियों को गिराया गया है और 178 संपत्तियों को सील किया गया है और 354 पीजी को कारण बताओ नोटिस जारी किया है।

नगर निगम ने कहा है कि संबंधित जोन के वरिष्ठ अधिकारियों को काम में लापरवाही के लिए निलंबित कर दिया गया है। इनमें डिप्टी कमिश्नर, जोन इंजीनियर भी शामिल हैं। दिल्ली नगर निगम ने कहा हि दिल्ली में केवल 512 पीजी ही मास्टर प्लान के मुताबिक चल रहे हैं। इसके पहले 16 सितंबर को उच्च न्यायालय ने कहा था कि सत्य निकेतन में पेइंग गेस्ट बिल्डिंग के गिरने की घटना घोर लापरवाही और आपराधिक आचरण का नतीजा थी। 7 सितंबर को उच्च न्यायालय ने दिल्ली नगर निगम को निर्देश दिया था कि वो दक्षिणी दिल्ली के सत्य निकेतन इलाके में एक बिल्डिंग के अचानक भरभराकर गिरने के मामले की उच्च-स्तरीय जांच करे। कोर्ट ने दिल्ली सरकार क निर्देश दिया था कि वो इस हादसे में फंसे छात्रों को बचाने के काम में तेजी लाए। उच्च न्यायालय ने दिल्ली सरकार को चेतावनी देते हुए कहा था कि राज्य सरकार इस मामले की जिम्मेदारी से बच नहीं सकती।

उच्च न्यायालय ने दिल्ली नगर निगम को उच्च स्तरीय जांच का आदेश देते हुए कहा था कि इस हादसे की जिम्मेदारी तय की जाए। कोर्ट ने कहा था कि इसके लिए जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ क्या किया गया ये कोर्ट को सूचित करें।

उच्च न्यायालय ने इस बात पर अफसोस जताया था कि हर दो साल के बाद दिल्ली में ऐसी घटनाएं हो रही हैं। आखिर दिल्ली सरकार ऐसे हादसों को रोकने के लिए क्या कर रही है। बता दें कि जिस 'हॉस्टल डेज़ बॉयज़ पीजी' में हादसा हुआ वो दिल्ली यूनिवर्सिटी के साउथ कैंपस के नजदीक है और वो स्टूडेंट हब है। इस पीजी में बेसमेंट के अलावा पांच मंजिलें थीं। ये हादसा 6 सितंबर को दोपहर डेढ़ बजे हुआ जिसके बाद मलबे में करीब कई छात्र दब गए।

दिल्ली पुलिस बैंक कर्मचारी यूनियन को प्रदर्शन के लिए स्थान आवंटित करे : उच्च न्यायालय

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को पुलिस से कहा कि वह 'यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस दिल्ली स्टेट' को अगले हफ्ते यहां शांतिपूर्ण धरना देने के लिए कोई जगह उपलब्ध कराए। न्यायमूर्ति अमित महाजन ने पुलिस प्रशासन से कहा कि वह किसी दूसरी जगह पर शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन की इजाजत की मांग वाली यूनियन की अर्जी पर फैसला करे।

इससे पहले पुलिस के वकील प्रीतिश सभरवाल ने उच्च न्यायालय से कहा था कि जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन की इजाजत देने से 'कानून-व्यवस्था की स्थिति' पैदा हो सकती है। उच्च न्यायालय ने मौखिक रूप से कहा, ''उन्हें कुछ दीजिए। वे कह रहे हैं कि उन्हें कोई दूसरी जगह दी जाए। इसके लिए उन्हें अदालत नहीं आना चाहिए। न्यायमूर्ति महाजन ने पुलिस विभाग से कहा कि वह शांतिपूर्ण विरोध-प्रदर्शन के लिए कोई वैकल्पिक जगह देने के बारे में सोमवार तक फैसला करे और याचिकाकर्ता को इसकी जानकारी दे। अपनी याचिका में, 'यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस दिल्ली स्टेट' ने उच्च न्यायालय से अनुरोध किया है कि वह केंद्र और दिल्ली पुलिस को उन्हें 28-30 सितंबर को जंतर-मंतर या शहर में किसी अन्य जगह पर शांतिपूर्ण धरना करने की अनुमति देने का निर्देश दे। याचिकाकर्ता ने कहा कि यह 'बैंकिंग उद्योग' में कर्मचारी संघों का एक मुख्य संगठन है, जो सेवा शर्तों पर बातचीत करने में ज़्यादातर बैंक कर्मचारियों और अधिकारियों का प्रतिनिधित्व करता है।

भाजपा नेताओं ने दी पंडित दीनदयाल उपाध्याय को श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेताओं ने शुक्रवार को भारतीय जनसंघ और भारतीय जनता पार्टी के वैचारिक विकास में उनके योगदान को याद किया। उन्होंने 'एकात्म मानव' के उनके दर्शन और 'अंत्योदय' के सिद्धांत का भी उल्लेख किया। केंद्रीय राज्य मंत्री और दिल्ली भाजपा के अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा, 'आज पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जन्मजयंती है। अगर किसी नेता ने भारतीय जनसंघ और बाद में भारतीय जनता पार्टी को वैचारिक दिशा देने का काम किया, तो वे वही थे। उन्होंने 1951 से 1968 तक भारतीय जनसंघ के महासचिव के रूप में काम किया और बाद में इसके अध्यक्ष भी बने।'

हर्ष मल्होत्रा ने कहा, 'उन्होंने जो 'एकात्म मानव' दर्शन दिया आज हमारी भाजपा का मूल्य विचार वही है और एनडीए की जो सरकारें चलती हैं, उसका भी मूल्य विचार यही है कि जो समाज के अंदर सबसे गरीब-पीड़ित शोषित हैं, उसका उत्थान करना। आज पीएम मोदी ने उनके दर्शन

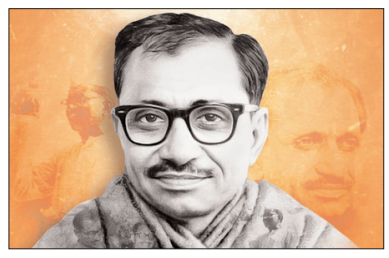

को आत्मसात करते हुए जो मोदी की सरकार की 200 से अधिक गरीबकल्याण, जनकल्याण की जो योजनाएं हैं, उसके पीछे का मूल्य पंडित दीनदयाल उपाध्याय के जो दर्शन है-एकात्म मानववाद और अंत्योदय का है।

उन्होंने कहा कि पीएम मोदी की नीतियों के कारण से पिछले 12 वर्षों में और पंडित दीनदयाल उपाध्याय के दर्शन के कारण से 25 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर आए हैं। पंडित दीनदयाल उपाध्याय के दर्शन के कारण ही भाजपा आज विश्व का सबसे बड़ा राजनीतिक दल है। हम आज उनको स्मरण करके उनकी जयंती मना रहे हैं। भाजपा सांसद मनोज तिवारी ने कहा कि 25 सितंबर पार्टी के लिए एक महत्वपूर्ण दिन है, क्योंकि आज के ही दिन पंडित दीनदयाल उपाध्याय का जन्म हुआ था। उनका जन्म ब्रज क्षेत्र में हुआ और जिस तरह ब्रज क्षेत्र के भगवान कृष्ण का पूरी दुनिया में बोलबाला हुआ, उसी तरह पंडित दीनदयाल उपाध्याय के विचारों की आज पूरी दुनिया समीक्षा भी कर रही है और उस पर ही चलने का प्रयास कर रही है। आने वाले समय में उनके विचार इतने प्रभावी है कि उसमें वैश्विक आतंकवाद का समापन है, ग्लोबल वार्मिंग भी उसमें छुपी हुई है और जब तक अंत्योदय की भावना प्रत्येक देश के अंदर नहीं आएगी तब तक गरीबी समाप्त नहीं हो सकती है। मनोज तिवारी ने कहा कि पीएम मोदी हमेशा कहते हैं कि हम जो भी कर रहे हैं पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के दिखाई रास्ते पर कर रहे हैं। दिल्ली के मंत्री आशीष सूद ने दीनदयाल उपाध्याय को भाजपा कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणास्रोत बताया। सूद ने कहा, 'पंडित दीन दयाल उपाध्याय जी इस (भाजपा) पार्टी में काम करने वाले करोड़ों कार्यकर्ताओं के आदर्श पुरुष हैं।

हाई कोर्ट ने मेटा को प्रधानमंत्री से जुड़ी महिलाओं की एआई तस्वीरें हटाने का आदेश दिया

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने मेटा को एक महिला के खिलाफ सोशल मीडिया में पोस्ट किए गए आपत्तिजनक कंटेंट को 24 घंटे के भीतर हटाने का निर्देश दिया है, जिसमें उसकी फोटो को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ मॉर्फ किया गया है। जस्टिस गिरीश कथपलिया की बेंच ने कॉक्रोच जनता पार्टी (सीजेपी) नेताओं सौरव दास, अभिजीत दिपके, आशुतोष रांका और रत्ना सिंह पर कंटेंट सर्कुलेट करने का आरोप लगाने वाली महिला की याचिका पर नोटिस जारी किया है। सुनवाई के दौरान उच्च न्यायालय ने कहा कि न यह केवल एक महिला का मामला है बल्कि यह देश के प्रधानमंत्री की छवि से भी जुड़ा है। इस पर निश्चित तौर पर कार्रवाई होनी चाहिए। कोर्ट यह सुनिश्चित करेगा कि दिल्ली पुलिस इस मामले में पूरी तरह संवेदनशील रहे। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता के वकील उमेश शर्मा ने कोर्ट को बताया कि सीजेपी प्रदर्शन के दौरान महिला का फोटो मार्फ करके इंटरनेट के जरिये सोशल मीडिया पर वायरल किया गया लेकिन दिल्ली पुलिस ने एफआईआर लिखने के अलावा कोई और कार्रवाई नहीं की। याचिका में कहा गया है कि सीजेपी नेताओं ने एआई के जरिये सम्बन्धित महिला का आपत्तिजनक फोटो बनाकर अपलोड किया। इस फोटो को अपलोड करने के पहले याचिकाकर्ता की ओर से कोई अनुमति नहीं ली गई। याचिकाकर्ता ने अपनी शिकायत दिल्ली पुलिस के साइबर सेल से भी की लेकिन साइबर सेल उनकी वह फोटो हटवा तक नहीं सका। ऐसा करना याचिकाकर्ता की गरिमा और निजता का उल्लंघन है। कोर्ट ने दिल्ली पुलिस से इस मामले में एक सप्ताह के भीतर स्टेटस रिपोर्ट तलब की है। मामले की अगली सुनवाई 14 अक्टूबर को होगी।

दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) ने दिल्लीभर में चलाया शहरव्यापी प्रवर्तन अभियान, 38 ध्वस्तीकरण कार्रवाई

शबाना बेगम, सद्भावना टुडे

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) द्वारा खतरनाक भवनों, अनधिकृत निर्माण तथा मास्टर प्लान ऑफ दिल्ली (एमपीडी) और भवन उपनियमों के उल्लंघन के विरुद्ध शहरव्यापी प्रवर्तन अभियान लगातार जारी है। निगम के सभी 12 जोन में भवन मानदंडों का अनुपालन सुनिश्चित करने और जनसुरक्षा के दृष्टिगत सख्त प्रवर्तन कार्रवाई की जा रही है। शुक्रवार को चलाए गए सघन प्रवर्तन अभियान के दौरान सभी 12 जोन में कुल 38 ध्वस्तीकरण कार्रवाई की गईं। इसके अलावा 6 संपत्तियों को सील किया गया, जबकि भवन मानदंडों के उल्लंघन के संबंध में 5 ध्वस्तीकरण आदेश जारी किए गए। निगम द्वारा अपने क्षेत्राधिकार में लगातार निगरानी रखते हुए चिन्हित उल्लंघनों के विरुद्ध निर्धारित नियमों एवं विनियमों के अनुसार कार्रवाई की गई। एमसीडी के अनुसार, एक दिन

पहले भी व्यापक प्रवर्तन अभियान चलाया गया था। इस दौरान एमपीडी एवं भवन उपनियमों के उल्लंघन से संबंधित मामलों में 30 संपत्तियों का ध्वस्तीकरण किया गया तथा 7 संपत्तियों को सील किया गया था।

इन क्षेत्रों में हुई प्रमुख कार्रवाई

आज के प्रवर्तन अभियान के दौरान मानकपुरा, इंद्रपुरी, कीर्ति नगर, मॉडल बस्ती, करकोला, रोशनपुरा, शकूरपुर, जगतपुरी और जीडी कॉलोनी सहित दिल्ली के विभिन्न क्षेत्रों में प्रमुख ध्वस्तीकरण कार्रवाई की गई। संबंधित फील्ड टीमों द्वारा लागू प्रावधानों और निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार ये कार्रवाई की गईं। एमसीडी ने दोहराया कि निगम के क्षेत्राधिकार में अनधिकृत निर्माण एवं भवन मानदंडों का उल्लंघन स्वीकार नहीं किया जाएगा। निगम ने फील्ड अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में कड़ी निगरानी बनाए रखें तथा एमपीडी, भवन उपनियमों और अन्य संबंधित नियमों के लागू प्रावधानों के अनुसार उल्लंघनों के विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करें। निगम के सभी 12 जोन में यह प्रवर्तन अभियान लगातार जारी रहेगा। अनधिकृत निर्माण, खतरनाक भवनों तथा जनसुरक्षा के लिए संभावित जोखिम उत्पन्न करने वाले अन्य उल्लंघनों के विरुद्ध निरंतर निगरानी रखते हुए आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

नीट पेपर लीक मामले के सभी आरोपितों की न्यायिक हिरासत 30 सितंबर तक बढ़ी

नई दिल्ली। पेपर लीक मामले की सुनवाई करने वाली राऊज एवेन्यू फास्ट ट्रैक कोर्ट ने शुक्रवार को सभी आरोपितों की न्यायिक हिरासत 30 सितंबर तक बढ़ा दी है। स्पेशल जज अजय गुप्ता ने दो आरोपितों पर आरोप तय करने की दलीलें सुनी। मामले की अगली सुनवाई 30 सितंबर को होगी।

सुनवाई के दौरान मनीषा संजय वाघमारे और शुभम खैरनार के वकीलों ने आरोप तय करने पर दलीलें रखी। सुनवाई के दौरान इस मामले के सभी आरोपित वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिय पेश हुए। इसके पहले कोर्ट ने 16 सितंबर को आरोपित डॉ. मनोज शिरुरे के इनकम टैक्स रिटर्न फाइल करने के लिए बैंक स्टेटमेंट निकलवाने के लिए हस्ताक्षर करने की अनुमति दी थी। राऊज एवेन्यू कोर्ट ने 22 अगस्त को धनंजय लोखंडे की अरेस्ट मेमो देने की मांग करने वाली अर्जी खारिज कर दी थी। इसके पहले 14 अगस्त को सीबीआई को इस मामले की आगे और जांच करने की अनुमति दे दी थी। 12 अगस्त को कोर्ट ने सीबीआई की ओर से 13 आरोपितों के खिलाफ दाखिल चार्जशीट पर संज्ञान लिया था। सीबीआई ने जिन लोगों को आरोपित बनाया है, उनमें यश यादव, मांगीलाल बिवाल, दिनेश बिवाल, विकास बिवाल, शुभम खैरनार, धनंजय लोखंडे, प्रहलाद कुलकर्णी, तेजस हर्षद कुमार, डॉ. मनोज शिरुरे, शिवराज रघुनाथ मोटेगांवकर, मनीषा वाघमारे, मनीषा मंधारे और मनीषा संजय हवलदार शामिल हैं। ये सभी आरोपित अभी न्यायिक हिरासत में हैं। सीबीआई ने आरोपितों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 315(5), 318(4), 61(2), 238, 303(2), भ्रष्टाचार निरोधक कानून की धारा 13(2) और 13(1)(ए) और पब्लिक एग्जामिनेशन (प्रिवेंशन ऑफ अनफेयर मीन्स) एक्ट की धारा 10 ,धारा 3, 4, 5 और 11 के तहत एफआईआर दर्ज की थी। चार्जशीट पर सुनवाई के दौरान सीबीआई की ओर से कहा गया था कि इस मामले में 12 मई को एफआईआर दर्ज की गई थी, जिसके तुरंत बाद 72 अफसरों और आठ साइबर फोरेंसिक विशेषज्ञों की मदद से जांच शुरु की गई।

बृजभूषण शरण सिंह की मुश्किल बढ़ी, महिला पहलवानों ने यौन उत्पीड़न मामले में राउज एवेन्यू कोर्ट के फैसले को चुनौती दी

नई दिल्ली। भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह को यौन उत्पीड़न मामले में दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने बीते 3 अगस्त को बरी कर दिया था। बृजभूषण शरण सिंह पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाने वाली महिला पहलवानों ने राउज एवेन्यू कोर्ट के फैसले को सेशन कोर्ट में चुनौती दी है। कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष के खिलाफ चार महिला पहलवानों ने सेशन कोर्ट में अपील की है। मामले में सह-आरोपी विनोद तोमर के बरी होने के आदेश को भी चुनौती दी गई है। महिला पहलवानों की अपील पर राउज एवेन्यू कोर्ट शनिवार को सुनवाई कर सकती है। याचिका में कहा गया है कि मजिस्ट्रेट कोर्ट का आदेश कानून की नजर में टिकाऊ नहीं है और सबूतों का गलत व चुनिंदा तरीके से आकलन किया गया है। अपील में आरोप लगाया गया कि आदेश अनुमान और अटकलों पर आधारित है और स्थापित कानूनी सिद्धांतों को सही तरीके से लागू नहीं किया गया। महिला पहलवानों का कहना है कि आदेश में पीड़िता के व्यवहार को लेकर पुरानी रूढ़िवादी सोच को आधार बनाया गया है। राउज एवेन्यू कोर्ट के फैसले को महिला पहलवानों द्वारा दी गई चुनौती बृजभूषण शरण सिंह की मुश्किलें फिर से बढ़ा सकती है। कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष हमेशा से महिला पहलवानों द्वारा अपने ऊपर लगाए गए यौन उत्पीड़न के आरोपों को गलत बताते रहे हैं।

'एक ने गन निकाली, बाकी दो ने चाकू, फिर बारी-बारी से की दरिंदगी', कालकाजी गैंगरेप पीड़िता ने पुलिस को बताई सच्चाई

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के कालकाजी इलाके में हुई गैंगरेप की घटना के बाद पीड़िता ने पुलिस के सामने बयान दर्ज कराया है। दिल्ली पुलिस से जुड़े सूत्रों के अनुसार, पीड़िता ने पुलिस को बताया है कि वह जन्मदिन के दिन दोस्त के साथ मंदिर में पूजा के लिए निकली थी। दर्शन के बाद रास्ते में एक पार्क में तीन लोगों ने उन्हें पकड़ा और गैंगरेप किया। पुलिस सूत्रों के अनुसार, पीड़िता ने अपने बयान में कहा कि वह जन्मदिन के अवसर पर कालकाजी मंदिर में पूजा करने के लिए निकली थी और इसकी जानकारी उसने अपनी बहन को दी थी। शाम को मंदिर में पूजा पाठ के बाद वह अपने दोस्त के साथ लौटी और कालकाजी मेट्रो स्टेशन के बाहर से खाने के लिए चिप्स और पानी की बोतल खरीदी। बाद में वे दोनों इस्कॉन मंदिर जाना चाहते थे, लेकिन उसके पहले खाने-पीने के लिए एक पार्क में चले गए। यहीं तीन लोगों ने खुद को पुलिसकर्मी बताकर उन्हें पकड़ा। सूत्रों ने बताया कि अपने बयान में पीड़िता ने कहा है कि पार्क में तीन युवक इसके दोस्त के एक तरफ ले गए, जबकि उसे झाड़ियों की ओर ले जाकर तीनों ने बारी-बारी से दुष्कर्म किया। सूत्रों के अनुसार, पीड़िता ने पुलिस को बताया कि आपस में बातचीत के दौरान एक लड़के ने कहा, 'आसिफ भाई, गन निकाल।' जिस लड़के को आसिफ कहकर बुलाया गया, उसने बैंगनी रंग की शर्ट पहन रखी थी और वह तीनों में सबसे ज्यादा मजबूत शरीर वाला था। आसिफ ने काले रंग की बंदूक निकाली और कुछ देर बाद उसे वापस अपनी जेब में रख लिया। आरोप है कि इसके बाद दोनों लड़कों ने चाकू निकाल लिए और उसे एक सुनसान जगह पर ले गए। आसिफ ने उसके सारे कपड़े उतार दिए और लाल रंग की बेंच पर लिटा दिया। इसके बाद उसने दूसरे लड़के से कहा, 'हेमू, इधर नजर रखना, कोई इस तरफ न आए।' आसिफ ने गर्दन पर चाकू रखकर उसके साथ जबरदस्ती की। उसे बहुत दर्द हो रहा था और वह रो रही थी। इसके बाद आसिफ ने हेमू से कहा, 'हेमू, तुम आओ, मैं दीपु के पास जा रहा हूं।' इसके बाद हेमू उसे पास की दूसरी बेंच पर ले गया।

ज्ञानेश कुमार की गिरफ्तारी और पद से हटाने की मांग को लेकर कांग्रेस का प्रदर्शन, कार्यकर्ता हिरासत में

सद्भावना टुडे, वरिष्ठ संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव के नेतृत्व में शुक्रवार को हजारों कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ प्रदर्शन किया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने निर्वाचन आयोग और भाजपा के खिलाफ नारे लगाते हुए प्रदेश कांग्रेस कार्यालय राजीव भवन से निर्वाचन सदन की ओर कूच किया। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को आगे बढ़ने से रोकते हुए कई कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया और उन्हें आई.पी. एस्टेट थाने ले जाया गया। बाद में उन्हें छोड़ दिया गया। कांग्रेस ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने और उनकी गिरफ्तारी की मांग की। पार्टी ने एसआईआर सहित चुनावी प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं, मतदाता सूची में बदलाव तथा चुनाव प्रक्रिया से जुड़े निर्णयों की व्यापक और स्वतंत्र समीक्षा की भी मांग की। हिरासत में बस से जाते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने कहा, 'मैं मोदी सरकार को आगाह करना चाहता हूं, हम कांग्रेस की सेना, राहुल गांधी के सिपाही हैं। किसी से डरने वाले नहीं हैं और न रुकने वाले हैं। पुलिस एक को गिरफ्तार करेगी, हजारों कांग्रेस कार्यकर्ता उनके सामने खड़े मिलेंगे।'

उन्होंने कहा कि कांग्रेस का विरोध तब तक जारी रहेगा,

जब तक ज्ञानेश कुमार को उनके पद से हटाकर गिरफ्तार नहीं किया जाता। उनके अनुसार कांग्रेस लोकतंत्र को कमजोर करने वाली किसी भी कार्रवाई को स्वीकार नहीं करेगी। देवेन्द्र यादव ने आरोप लगाया कि भाजपा के इशारे पर चुनाव आयोग मतदाता सूची में गलत तरीके से नाम काटने और जोड़ने का काम कर रहा है तथा एसआईआर प्रक्रिया में पारदर्शिता समाप्त हो गई है। उन्होंने चुनावी प्रक्रिया में कथित 'वोट चोरी' को लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए गंभीर विषय बताया। प्रदर्शन में दिल्ली कांग्रेस के प्रभारी काजी निजामुद्दीन, सचिव प्रभारी दानिश अबरार, पूर्व सांसद रमेश कुमार एवं उदित राज, अखिल भारतीय महिला कांग्रेस अध्यक्ष अल्का लांबा, दिल्ली सरकार के पूर्व मंत्री हारून यूसुफ, मंगत राम सिंघल, डॉ. नरेंद्र नाथ, प्रदेश महासचिव संगठन एवं पूर्व विधायक अनिल भारद्वाज, पूर्व विधायक मुकेश शर्मा, भीष्म शर्मा, विपिन शर्मा, सुरेंद्र कुमार, आसिफ मोहम्मद खान, विजय लोचव, अब्दुल रहमान, जितेन्द्र कुमार कोचर सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे। देवेन्द्र यादव ने आगे आरोप लगाया कि चुनाव आयोग के भीतर मतभेदों के कारण पिछले 10 महीनों में निर्वाचन आयुक्तों ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त द्वारा लिए गए कुछ निर्णयों पर औपचारिक आपत्तियां दर्ज कराई हैं। उन्होंने एसआईआर प्रक्रिया, मतदाता सूची में नाम जोड़ने-हटाने और निर्वाचन आयोग की आईटी प्रणाली को दिल्ली में केंद्रीकृत किए जाने से संबंधित मुद्दों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी पहले भी मतदाता सूची और चुनावी प्रक्रिया को लेकर सवाल उठाते रहे हैं। देवेन्द्र यादव के अनुसार, कांग्रेस का आरोप है कि चुनावी तंत्र का इस्तेमाल सत्तारूढ़ भाजपा को अनुचित लाभ पहुंचाने के लिए किया जा रहा है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने एसआईआर प्रक्रिया को लेकर भी सवाल उठाते हुए कहा कि मतदाता सूची में कथित अनियमितताओं की निष्पक्ष जांच जरूरी है। उन्होंने दावा किया कि मतदाता सूची में ऐसे नाम भी शामिल हो सकते हैं जो पात्रता के मानदंडों को पूरा नहीं करते या एक से अधिक स्थानों पर दर्ज हैं। कांग्रेस ने इन आरोपों की व्यापक समीक्षा और पारदर्शी प्रक्रिया की मांग की है। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस नेताओं ने निर्वाचन आयोग की कार्यप्रणाली और मतदाता सूची से जुड़े मुद्दों पर अपना विरोध दर्ज कराया तथा कहा कि पार्टी इन मांगों को लेकर अपना आंदोलन जारी रखेगी।

एक नजर

दुकान का विवाद बना खूनी संघर्ष, गोलीबारी और तोड़फोड़ से लोगों में दहशत

फरीदाबाद,एजेंसी। फरीदाबाद में संजय कॉलोनी सेक्टर-23 में दुकान के बाहर स्टैंड बोर्ड और अन्य सामान रखने को लेकर गुरुवार रात दो पक्ष आमने-सामने हो गए। कहासुनी के बाद विवाद इतना बढ़ गया कि दुकानदार पक्ष ने कथित तौर पर 40-45 लोगों को मौके पर बुला लिया। आरोप है कि बड़ी संख्या में लोग गली में पहुंचे और दोनों पक्षों में मारपीट शुरू हो गई। इसी दौरान गोलियां चलने से इलाके में अफरातफरी मच गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हमलावरों ने एक मकान के गेट और बाहर खड़ी तीन कारों के शीशे लाठी-डंडों से तोड़ दिए। मकान की तरफ ईंट-पत्थर भी फेंके गए। गोलियों की आवाज सुनकर आसपास के लोग घरों में दुबक गए। घटना की सूचना मिलते ही मुजेसर थाना पुलिस के साथ क्राइम ब्रांच की टीम मौके पर पहुंची। मामले की सूचना मिलते ही शुक्रवार को एनआईटी से भाजपा विधायक सतीश फागना ने मौके पर जाकर मुआयना किया और लोगों को विश्वास दिलाया कि उन्हें न्याय मिलेगा और आरोपियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी क्योंकि किसी को भी कानून हाथ में लेने का अधिकार नहीं है। स्थानीय लोगों ने बताया कि गली में कुछ समय पहले ही एक नई दुकान खुली है। बृहस्पतिवार रात दुकानदार दुकान के बाहर स्टैंड बोर्ड और अन्य सामान रख रहा था। गली में सामान रखने को लेकर कुछ लोगों ने आपत्ति जताई। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों में कहासुनी हो गई। आरोप है कि विवाद के बाद दुकानदार ने अपने परिचितों को मौके पर बुला लिया। देखते ही देखते बड़ी संख्या में लोग गली में पहुंच गए और विवाद मारपीट में बदल गया। आरोप है कि इसी दौरान कुछ लोगों ने फायरिंग शुरू कर दी। फायरिंग के बीच पथराव और तोड़फ़ोड़ भी की गई। तीन कारों के शीशे टूटने के साथ मकान के गेट को भी नुकसान पहुंचा। हालांकि, गोलीबारी में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए हैं।

अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति का उदय ही पंडित दीनदयाल जी का रहा लक्ष्य : सर्वप्रिय त्यागी

गुरुग्राम। भारतीय जनसंघ के पूर्व अध्यक्ष एवं अंत्योदय के प्रणेता पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी की जयंती पर शुक्रवार को भाजपा जिला कार्यालय गुरु कमल में उनका स्मरण किया गया। जिलाध्यक्ष सर्वप्रिय त्यागी ने पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के साथ पंडित जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया। अपने संबोधन में सर्वप्रिय त्यागी ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी का संपूर्ण जीवन राष्ट्र सेवा और समाज के वंचित तबके के उत्थान के लिए समर्पित रहा। उन्होंने कहा कि पंडित जी ने अंत्योदय का जो दर्शन देश को दिया, उसका सीधा अर्थ है समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति का उदय। जब तक समाज के सबसे पिछड़े और गरीब व्यक्ति तक विकास की मुख्यधारा का लाभ नहीं पहुंचता, तब तक राष्ट्र की उन्नति अधूरी है। भाजपा जिलाध्यक्ष ने देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और हरियाणा सरकार की नीतियों की सराहना करते हुए कहा कि आज केंद्र और राज्य की भाजपा सरकारें पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के अंत्योदय के सिद्धांत को ही मूलमंत्र मानकर काम कर रही हैं। चाहे वह मुफ्त राशन योजना हो, आयुष्मान भारत योजना हो, या अंत्योदय परिवार सुरक्षा योजना-हर कदम गरीब को सशक्त बनाने के लिए उठाया जा रहा है। सरकार की योजनाओं का सीधा लाभ बिना किसी भेदभाव के सीधे अंतिम पात्र व्यक्ति तक पहुंच रहा है। सर्वप्रिय त्यागी ने उपस्थित कार्यकर्ताओं का आह्वान करते हुए कहा कि पंडित जी को सच्ची श्रद्धांजलि यही होगी कि हम सब मिलकर उनके विचारों को अपने जीवन में उतारें। हर कार्यकर्ता अपने-अपने बूथ स्तर पर जाकर गरीब और जरूरतमंद परिवारों से संपर्क साधे और सरकार की कल्याणकारी योजनाओं को उन तक पहुंचाने में सेतु का कार्य करे।

बॉक्सर प्रथम सिंह की मौत का रहस्य गहराया, जांच के लिए बनी एसआईटी में बदलाव

गाजियाबाद। महागुनपुरम सोसायटी की 14वीं मंजिल से गिरकर बाक्सर प्रथम सिंह की मौत के मामले में पुलिस अभी तक यह तय नहीं कर सकी है कि मौत हत्या थी या आत्महत्या। जांच में हो रही लगातार देरी से मृतक के स्वजन नाराज हैं। मृतक की मां का कहना है कि पुलिस ने उनका बयान तक नहीं लिया है। डीसीपी ने मामले में जांच के लिए गठित एसआईटी में अब बदलाव करते हुए तीन नए दारोगाओं को शामिल किया गया है। पूर्व में शामिल दो दारोगा हटा दिए गए हैं। मामले में शीघ्र जांच पूरी करने के निर्देश दिए गए हैं। 13 अगस्त को हुई प्रथम की मौत के मामले में उसकी मां नीतू रानी ने कविनगर थाने में युवती रितिका, उसके पिता ललित प्रजापति और भाई जतिन प्रजापति के खिलाफ कविनगर थाने में हत्या की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। स्वजन का आरोप है कि प्रथम सिंह को मारपीट के बाद 14वीं मंजिल से फेंका गया है। एसआईटी प्रथम सिंह और आरोपित पक्ष के मोबाइल फोन व अन्य डिजिटल उपकरणों की जांच करा रही है। सोसायटी के सीसीटीवी फुटेज भी कब्जे में लिए गए हैं। नई टीम ने युवती के लैपटाप का चार्जर लिया है। क्योंकि फोरेंसिक जांच में लैपटाप के लिए चार्जर की जरूरत है। प्रथम की मां का नीतू रानी का आरोप है कि उनके बेटे की मौत को 40 दिन से ज्यादा हो गए हैं। इसके बावजूद पुलिस जांच में ढिलाई बरत रही है। उनके बयान तक नहीं लिए गए हैं।

नुक्कड़ नाटक में जीवंत रूप में दिखी रानी पद्मावती की वीरगाथा

गुरुग्राम,एजेंसी। गुरुग्राम विश्वविद्यालय और राष्ट्र सेविका समिति के संयुक्त तत्वावधान में शुक्रवार को रानी पद्मावती जौहर दिवस पर सांस्कृतिक जागरुकता का अनोखा संगम देखने को मिला। विश्वविद्यालय के सेक्टर-51 परिसर स्थित कला एवं संस्कृति अध्ययन विभाग में नुक्कड़ नाटक प्रतियोगिता रील्स टू रूट्स आयोजित किया गया।

कार्यक्रम का आयोजन कुलपति डॉ. संजय कौशिक के मार्गदर्शन में हुआ। प्रतियोगिता में गुरुग्राम यूनिवर्सिटी, द्रोणाचार्य गवर्नमेंट कॉलेज, गवर्नमेंट कॉलेज सेक्टर-52, केआईआईटी कॉलेज और ग्लोबल इंस्टीट्यूट सहित कई कॉलेजों के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। आयोजन का मुख्य उद्देश्य आधुनिक रील्स की दुनिया में खोए युवाओं को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोडना था। छात्रों ने रानी पद्मावती के अदम्य साहस, स्वाभिमान और जौहर की ऐतिहासिक गाथा को नुक्कड़ नाटक के माध्यम से जीवंत कर दिया। मंच पर इतिहास और वर्तमान पीढ़ी के बीच सेतु बनाते हुए प्रभावशाली प्रस्तुतियां दी गईं, जिसने दर्शकों को भावुक कर दिया। कार्यक्रम में हरियाणा डेयरी विकास के चेयरमैन राम अवतार गर्ग मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में संस्कार भारती के क्षेत्रीय संगठन मंत्री विजय कुमार, प्रो. पवन सिंह, कुलसचिव डॉ. संजय अरोड़ा, राष्ट्र सेविका समिति की प्रांत कार्यवाहिका डॉ. अंजलि जैन, प्रांत सह कार्यवाहिका प्रतिमा मनचंदा और डॉ. राकेश योगी मौजूद रहे। विशिष्ट अतिथि विजय कुमार ने कहा कि यह केवल प्रतियोगिता नहीं, बल्कि सांस्कृतिक जागरूकता का अभियान है। नुक्कड़ नाटक जैसी विधा समाज तक सीधा संदेश पहुंचाती है। इस आयोजन ने छात्रों में राष्ट्रभक्ति और सांस्कृतिक चेतना का संचार किया है। मुख्य अतिथि राम अवतार गर्ग ने कहा कि रानी पद्मावती जैसी वीरांगनाओं की गाथा को मंच पर जीवंत देखकर गर्व का अनुभव हुआ। युवा पीढ़ी को ऐसे कार्यक्रमों से जोड़ते रहना चाहिए। कुलसचिव डॉ. संजय अरोड़ा ने कहा कि रानी पद्मावती का बलिदान सिखाता है कि स्वाभिमान और संस्कृति की रक्षा हर युग में सर्वोपरि है। विश्वविद्यालय ऐसे कार्यक्रमों के माध्यम से छात्रों में राष्ट्रीय गौरव का संचार करने के लिए प्रतिबद्ध है। कार्यक्रम को सफल बनाने में राष्ट्र सेविका समिति की राखी जिंदल, सुनीता जायसवाल, सुधा गुप्ता और महानगर कार्यकारिणी का विशेष योगदान रहा। अंत में विजेता टीमों को पुरस्कार और प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया।

नोएडा के अलग-अलग स्थानों पर दो महिलाओं समेत चार ने की आत्महत्या

नोएडा। उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्धनगर नोएडा के विभिन्न जगहों पर रहने वाली दो महिलाओं समेत चार लोगों ने मानसिक तनाव के चलते आत्महत्या कर लिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। थाना सेक्टर 39 क्षेत्र के छलेरा गांव में रहने वाली एक महिला अंकिता उपाध्याय (30) पत्नी अमित कुमार पांडे शुक्रवार सुबह अपने घर पर मानसिक तनाव के चलते पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर लिया है। थाना प्रभारी डीपी शुक्ला ने बताया कि मृतका ने कोई सुसाइड नोट नहीं लिखा है। उन्होंने बताया कि उसके मायके वालों को घटना की सूचना दे दी गई है। अगर वे इस मामले में कोई शिकायत करेंगे तो पुलिस घटना की रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच करेगी।

थाना प्रभारी ने बताया कि एक अन्य मामले में भूड़ा कॉलोनी में रहने वाले युवक भारत सिंह (23) पुत्र रमेश प्रजापति ने शुक्रवार सुबह अपने घर पर पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर लिया है। उन्होंने बताया कि मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। थाना फेस-दो के प्रभारी निरीक्षक राघवेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि थाना क्षेत्र के सेक्टर 83 मे रहने वाली विनीता (30) पत्नी धर्मेंद्र ने आज सुबह अपने घर पर जहरीला पदार्थ खा लिया। उसे उपचार के लिए नोएडा के जिला अस्पताल में भर्ती करवाया गया। बिगड़ती हालत को देखते हुए डॉक्टर ने उसको उपचार के लिए दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में रेफर किया है। थाना फेस-वन के प्रभारी निरीक्षक धर्मेंद्र कुमार शुक्ला ने बताया कि सुनीता (17) पुत्री हरिचंद मूल निवासी ग्राम दुबहड़ जनपद बलिया अपने पिता के साथ हरौला गांव में रहती थी।

गुरुग्रामः एशियन गेम्स में कांस्य पदक जीतकर लौटी सुचिका तरियाल का सम्मान

गुरुग्राम। जापान के आइची-नागोया में आयोजित 20वें एशियन गेम्स-2026 में मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स (एमएमए) की महिला 60 किलोग्राम स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर लौटी सुचिका तरियाल का शुक्रवार को स्वागत व सम्मान किया गया। भारत के लिए इस खेल में पहला एशियन गेम्स पदक हासिल करने वाली गुरुग्राम खेल विभाग की जूनियर प्रशिक्षक सुचिका का नेहरू स्टेडियम में अधिकारियों ने स्वागत किया। सम्मान समारोह में गुरुग्राम के विधायक मुकेश शर्मा ने सुचिका तरियाल को सम्मानित करते हुए उनकी उपलब्धि को देश और प्रदेश के लिए गौरव का विषय बताया। उन्होंने कहा कि सुचिका ने अपनी मेहनत, लगन, अनुशासन और संघर्ष के दम पर अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत का गौरव बढ़ाया है। उनका यह पदक विशेष रूप से इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि एमएमए में यह भारत का एशियन गेम्स का पहला पदक है। मुकेश शर्मा ने कहा कि खेल के मैदान में सफलता केवल प्रतिभा से नहीं मिलती, बल्कि इसके पीछे वर्षों की मेहनत, निरंतर अभ्यास, अनुशासन और कठिन परिस्थितियों से लडने् का जज्बा होता है। सुचिका तरियाल ने अपनी उपलब्धि से यह साबित किया है कि यदि लक्ष्य स्पष्ट हो और मेहनत ईमानदारी से की जाए तो गुरुग्राम और हरियाणा की प्रतिभाएं दुनिया के सबसे बड़े खेल मंचों पर भी देश का नाम रोशन कर सकती हैं।उन्होंने कहा कि सुचिका की यह सफलता गुरुग्राम के अन्य खिलाडियों के लिए भी प्रेरणा का स्त्रोत बनेगी।

मुकेश शर्मा ने कहा कि हरियाणा सरकार ने खेल और खिलाडियों को प्रोत्साहित करने के लिए लगातार सुविधाओं और खेल ढांचे को मजबूत करने की दिशा में काम किया है। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में सरकार द्वारा खिलाडियों को बेहतर प्रशिक्षण, खेल सुविधाएं, प्रोत्साहन और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा के लिए आवश्यक वातावरण उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार की खेल नीति का उद्देश्य केवल पदक जीतने वाले खिलाडियों तक सीमित नहीं है, बल्कि गांव और शहरों में छिपी प्रतिभाओं को पहचानकर उन्हें आगे बढने् का अवसर देना भी है। उन्होंने कहा कि सुचिका तरियाल जैसी उपलब्धियां इस बात का उदाहरण हैं कि हरियाणा की प्रतिभाएं सही अवसर और सुविधाएं मिलने पर देश का नाम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रोशन कर सकती हैं।

यूपी सरकार ने लॉन्च किया 'वन डिस्ट्रिक्ट वन कुज़ीन' का आधिकारिक पोर्टल

अशोक कुमार, सद्भावना टुडे

नोएडा। उत्तर प्रदेश की समृद्ध पाक विरासत को देश-दुनिया तक पहुंचाने और स्थानीय स्वाद को वैश्विक पहचान दिलाने की दिशा में यूपी सरकार ने शुक्रवार को एक महत्वपूर्ण पहल की है। 'वन डिस्ट्रिक्ट वन कुज़ीन' (ओडीओसी) के आधिकारिक डिजिटल पोर्टल 222.श्स्नश्ष-ह्वश्च.द्वठ्ठ का शुभारंभ किया गया। यह पोर्टल प्रदेश के सभी 75 जनपदों की विशिष्ट पाक परंपराओं, स्थानीय व्यंजनों, खाद्य उत्पादों और इससे जुड़े उद्यमियों को एक साझा डिजिटल मंच उपलब्ध कराएगा। उत्तर प्रदेश सूचना विभाग ने शुक्रवार को जारी एक प्रेस विज्ञप्ति मे बताया कि योगी सरकार की 'स्थानीय से वैश्विक' की सोच के अनुरूप तैयार किए गए इस प्लेटफॉर्म का उद्देश्य उत्तर प्रदेश की खान-पान की विविधता को केवल सांस्कृतिक पहचान तक सीमित न रखते हुए उसे पर्यटन, उद्यमिता, रोजगार, खाद्य प्रसंस्करण, ब्रांडिंग और बाजार विस्तार से जोड़ना है। इससे प्रदेश के स्थानीय खाद्य उद्यमियों, फूड वेंडर्स, खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों और निर्यातकों को नए बाजारों तक पहुंच बनाने में मदद मिलेगी।

योगी सरकार की महत्वाकांक्षी वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट पहल ने प्रदेश के स्थानीय उत्पादों को देश और दुनिया में पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसी अनुभव को आगे बढ़ाते हुए ओडीओसी के माध्यम से अब प्रदेश की पारंपरिक पाक विरासत को भी व्यवस्थित पहचान और बाजार उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है। उत्तर प्रदेश में हर क्षेत्र की अपनी विशिष्ट खान-पान परंपरा है। ब्रज, अवध, बुंदेलखंड, पूर्वांचल, रुहेलखंड और पश्चिमी उत्तर प्रदेश की पाक विविधता प्रदेश की सांस्कृतिक समृद्धि को दर्शाती है। ओडीओसी इन स्थानीय स्वादों को डिजिटल माध्यम से व्यापक दर्शक वर्ग तक पहुंचाने का काम करेगा। ओडीओसी पोर्टल पर प्रदेश के विभिन्न जनपदों की विशिष्ट पाक परंपराओं और व्यंजनों से संबंधित जानकारी उपलब्ध कराई गई है। नागरिकों के साथ-साथ देश-विदेश से आने वाले पर्यटक, खाद्य प्रेमी, खरीदार और कारोबारी भी इस मंच के माध्यम से उत्तर प्रदेश के अलग-अलग क्षेत्रों के पारंपरिक स्वाद से परिचित हो सकेंगे। पोर्टल पर

डिस्ट्रिक्ट कुज़ीन, स्टेकहोल्डर डायरेक्टरी, स्कीम्स एंड पॉलिसीज, इवेंट्स, गैलरी, वीडियो, सक्सेस स्टोरीज, प्रोडक्ट वीडियो और प्रोडक्ट डीएसआर जैसे विभिन्न सेक्शन उपलब्ध हैं। इसके माध्यम से ओडीओसी से जुड़े उद्यमियों और अन्य हितधारकों को एकीकृत डिजिटल मंच प्रदान किया गया है। यूपी सरकार का जोर प्रदेश की पारंपरिक क्षमताओं को आधुनिक बाजार की जरूरतों से जोड़ने पर है। इसी क्रम में ओडीओसी के तहत पारंपरिक व्यंजनों और खाद्य उत्पादों के ब्रांडिंग, पैकेजिंग, गुणवत्ता, मूल्यवर्धन और बाजार विस्तार पर ध्यान दिया जा रहा है। पाक गतिविधियों से जोड़ने से स्थानीय स्तर पर खाद्य उद्यमिता को बढ़ावा मिलने के साथ रोजगार के नए अवसर भी सृजित होने की संभावना है। वहीं पर्यटकों के लिए भी स्थानीय व्यंजन प्रदेश के पर्यटन अनुभव का महत्वपूर्ण हिस्सा बन सकते हैं। उत्तर प्रदेश की पाक परंपरा यहां के इतिहास, संस्कृति, कृषि, स्थानीय संसाधनों और सामाजिक परंपराओं से गहराई से जुड़ी है। ओडीओसी इसी विरासत को आधुनिक डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से नई पीढ़ी और वैश्विक दर्शकों तक पहुंचाने का प्रयास है।पोर्टल पर उपलब्ध सफलता की कहानियां, उत्पाद संबंधी वीडियो और विभिन्न गतिविधियों की जानकारी स्थानीय खाद्य उद्यमियों को प्रेरित करने के साथ संभावित खरीदारों और निवेशकों के लिए भी उपयोगी साबित हो सकती है।

नूंह में 'आंगन मिलन सेवा' कार्यक्रम में उत्कृष्ट कार्य करने वाली आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सम्मानित

नूंह,एजेंसी। महिला एवं बाल विकास विभाग, नूंह की ओर से नौवें राष्ट्रीय पोषण माह के तहत 'सेवा संकल्प अभियान' के अंतर्गत शुक्रवार को जिला स्तरीय 'आंगन मिलन सेवा' कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम जिला कार्यक्रम अधिकारी सीमा प्रसाद के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ, जिसमें जिले के विभिन्न खंडों से करीब 300 आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, सुपरवाइजर, सामाजिक कार्यकर्ता एवं लाभार्थी महिलाएं शामिल हुईं। कार्यक्रम का उद्देश्य केंद्र एवं राज्य सरकार की महिलाओं, बच्चों और परिवारों के कल्याण से जुड़ी योजनाओं की जानकारी जमीनी स्तर तक पहुंचाना तथा आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के उत्कृष्ट कार्यों को प्रोत्साहित करना रहा। इस दौरान लाभार्थी महिलाओं को विभागीय योजनाओं की जानकारी दी गई। साथ ही पोषण माह के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के लिए मोटे अनाज की रेसिपी, सलाद मेकिंग और रंगोली प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गईं।

कार्यक्रम में पोषण ट्रैकर पर उत्कृष्ट कार्य करने वाली आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को सम्मानित किया गया। विभिन्न खंडों में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली कार्यकर्ताओं में फिरोजपुर झिरका से रुकसीना, नगीना से सीमा जैन, नूंह-1 से दर्शन देवी, तावडू से परमीला, पुनहाना-2 से सीमा ग्रोवर, पुनहाना-1 से मीणा तथा नूंह-2 से अंजू शामिल रहीं।

मुख्य अतिथि भाजपा महिला मंडल की अध्यक्ष गोल्डी शर्मा ने आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं की भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि वे सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने महिलाओं और बच्चों के पोषण, स्वास्थ्य एवं समग्र विकास के प्रति जागरूकता बढ़ाने पर जोर दिया। कार्यक्रम के समापन पर प्रतिभागियों ने पोषण, महिला सशक्तिकरण तथा मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य से जुड़ी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए सामूहिक प्रयास जारी रखने का संकल्प लिया।

नूंह में गांजे के साथ नशा तस्कर गिरफ्तार

नूंह। नूंह जिला पुलिस की अपराध जांच शाखा (सीआईए) ने नशा तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से एक किलो 895 ग्राम गांजा बरामद किया है। आरोपी की पहचान गांव घासेड़ा निवासी इकबाल के रूप में हुई है। इस संबंध में थाना सदर नूंह में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। बीती रात नूंह सीआईए टीम गश्त पर थी। इसी दौरान पुलिस को सूचना मिली कि गांव घासेड़ा निवासी इकबाल अड़बर बाईपास रोड पर नशीला पदार्थ बेचने के लिए खड़ा है। सूचना के आधार पर सीआईए टीम ने मौके पर पहुंचकर दबिश दी और एक युवक को हिरासत में लिया। पूछताछ के दौरान युवक ने अपनी पहचान इकबाल निवासी घासेड़ा के रूप में बताई। इसके बाद नियमानुसार राजपत्रित अधिकारी की मौजूदगी में आरोपी की तलाशी ली गई। आरोपी के हाथ में मौजूद काले रंग की पन्नी वाले बैग की तलाशी लेने पर उसमें गांजा बरामद हुआ। पुलिस के अनुसार बरामद गांजे का कुल वजन 1 किलो 895 ग्राम पाया गया।

स्कूली विद्यार्थियों को दी पॉक्सो व साइबर अपराध से बचाव की जानकारी

नूंह। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय छापेड़ा में शुक्रवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, नूंह के तत्वावधान में विधिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव नेहा गुप्ता ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की।

इस दौरान नेहा गुप्ता ने विद्यार्थियों को लैंगिक अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम (पॉक्सो एक्ट) तथा साइबर अपराधों से संबंधित कानूनी प्रावधानों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि बच्चों को इंटरनेट और सोशल मीडिया का इस्तेमाल करते समय विशेष सावधानी बरतनी चाहिए। ऑनलाइन गतिविधियों के दौरान अपनी व्यक्तिगत जानकारी किसी अनजान व्यक्ति के साथ साझा नहीं करनी चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों को साइबर अपराध से बचाव के उपाय बताते हुए कहा कि किसी भी संदिग्ध ऑनलाइन गतिविधि या साइबर अपराध की स्थिति में घबराने के बजाय इसकी

सूचना संबंधित अधिकारियों को देनी चाहिए। उन्होंने बच्चों को अपने अधिकारों एवं कानून के प्रति जागरूक रहने के लिए भी प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से आयोजित विभिन्न गतिविधियों में उत्कृष्ट सहभागिता करने वाले विद्यार्थियों को मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट नेहा गुप्ता ने प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। कार्यक्रम के समापन पर विद्यालय की प्रधानाचार्या प्रोमिला कुमारी ने मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट नेहा गुप्ता का आभार व्यक्त किया। उन्होंने उन्हें पौधा भेंट कर सम्मान एवं धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर विद्यालय का समस्त स्टाफ तथा विद्यालय प्रबंधन समिति के सदस्य मौजूद रहे।

ताऊ देवीलाल के सिद्धांतों की विचारधारा को आगे बढ़ाना ही सच्ची श्रद्धांजलिः दुष्यंत चौटाला

गुरुग्राम। भारत के पूर्व उपप्रधानमंत्री, जननायक एवं किसानों, गरीबों, महिलाओं, युवाओं तथा समाज के प्रत्येक वर्ग के अधिकारों के लिए जीवनभर संघर्ष करने वाले स्व. चौधरी देवीलाल जी की 113वीं जयंती के अवसर पर शुक्रवार को यहां ताऊ देवीलाल स्टेडियम में श्रद्धांजलि एवं जयंती समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर जननायक जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला, राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष डॉ. के.सी. बांगर, पूर्व विधायक गंगाराम, कर्नल (रिटायर्ड) एस.एस. राठी, ऋषि राज राणा, दलबीर धनकड़, जिला अध्यक्ष सुरेंद्र ठाकरान, मेघराज यादव एवं डॉ. सौरभ गुप्ता सहित पार्टी के वरिष्ठ नेताओं एवं पदाधिकारियों ने ताऊ देवीलाल जी को श्रद्धापूर्वक नमन किया। अपने संबोधन में दुष्यंत चौटाला ने ताऊ देवीलाल जी के पदचिह्नों पर चलते हुए जनभावनाओं के अनुरूप कार्य करने तथा समाज के प्रत्येक वर्ग की आवाज को मजबूती से उठाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि ताऊ देवीलाल जी का पूरा जीवन संघर्ष, सादगी, किसान हित और जनसेवा को समर्पित रहा। उनके विचार आज भी समाज और राजनीति को दिशा देने का कार्य करते हैं। दुष्यंत चौटाला ने कहा कि ताऊ देवीलाल जी केवल एक राजनीतिक व्यक्तित्व नहीं, बल्कि जनसंघर्ष और जनसेवा की ऐसी विचारधारा थे, जिसने हरियाणा की राजनीति को नई पहचान दी। हरियाणा के एक छोटे से गांव से निकलकर उन्होंने प्रदेश की राजनीति के साथ-साथ राष्ट्रीय राजनीति में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई। उन्होंने जीवनभर किसानों, मजदूरों, युवाओं, महिलाओं, बुजुर्गों तथा समाज के हर वर्ग के सम्मान और अधिकारों के लिए संघर्ष किया। उन्होंने कहा कि आज का दिन केवल जयंती मनाने का अवसर नहीं, बल्कि ताऊ देवीलाल जी के संघर्ष, सिद्धांतों और जनसेवा के संकल्प को दोहराने का दिन है। इसी अवसर पर दुष्यंत चौटाला ने 10वें हरियाणा स्टेट गेम्स ऑफ द डेफ में भाग लेने वाले खिलाडियों एवं कोचों से मुलाकात कर उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने खिलाडियों की मेहनत, संघर्ष और जज़्बे को सराहा।

दूधमुंही बच्ची को मंदिर परिसर में पटक कर भागा व्यक्ति

गुरुग्राम,एजेंसी। स्थानीय विश्वकर्मा कॉलोनी स्थित प्रसिद्ध चुक्कनी माता मंदिर में गुरुवार देर रात एक दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है। यहां एक व्यक्ति छह महीने की मासूम बच्ची को गोद में लेकर मंदिर पहुंचा और उसे बेरहमी से जमीन पर पटककर फरार हो गया। पूरी वारदात मंदिर के मुख्य द्वार पर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। शुक्रवार दिन भर मंदिर व आसपास क्षेत्र में इस घटना की चर्चा रही। जानकारी के अनुसार गुरुवार देर रात मंदिर परिसर में अचानक एक छोटी बच्ची के जोर-जोर से रोने और तड़पने की आवाज आने लगी। आवाज सुनकर मंदिर के अंदर मौजूद महिलाएं और पुजारी बाहर आए तो उनके होश उड़ गए। फर्श पर एक नन्हीं मासूम खून से लथपथ हालत में तड़प रही थी। उसके सिर से लगातार खून बह रहा था। मंदिर संचालक ने तुरंत इसकी सूचना पुलिस को दी और आसपास के लोगों को बुलाया। स्थानीय लोगों ने बच्ची को संभाला और उसके परिजनों का पता लगाने की कोशिश की, लेकिन मौके पर कोई नहीं मिला। मंदिर के सीसीटीवी फुटेज में साफ दिख रहा है कि एक व्यक्ति बच्ची को गोद में

लेकर मंदिर परिसर में आता है। वह कुछ सेकंड इधर-उधर देखता है और फिर अचानक बच्ची को जमीन पर जोर से पटक देता है।

इसके बाद वह बिना पीछे मुड़े तेज कदमों से मंदिर से बाहर निकल जाता है। पुलिस अब इसी फुटेज के आधार पर आरोपी की पहचान करने में जुटी है। स्थानीय लोगों की मदद से बच्ची को तुरंत नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया। डॉक्टरों के अनुसार जमीन पर जोर से गिरने के कारण बच्ची के सिर में गहरी चोट आई है। उसकी हालत नाजुक बनी हुई है और उसका इलाज चल रहा है। पुलिस ने एक युवक के खिलाफ हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर लिया है और आसपास के सीसीटीवी की फुटेज खंगाली जा रही है। पुलिस यह भी पता लगा रही है कि बच्ची आरोपी की ही है या कहीं से चुराकर लाई गई थी।

नकली व बेलगाम दवाओं के खिलाफ अब अदालत का ही आसरा

अशोक भाटिया

भारत जैसे विशाल लोकतांत्रिक देश में जहां जन-कल्याण को शासन का मूलमंत्र माना जाता है, वहां स्वास्थ्य का क्षेत्र एक गंभीर संक्रमण काल से गुजर रहा है। बीमारियां जिस रफ्तार से बढ़ रही हैं, उससे कहीं अधिक तेजी से चिकित्सा के नाम पर इंसानी जिंदगियों से खिलवाड़ का एक भयावह और अनैतिक तंत्र विकसित हो चुका है। हाल ही में फार्मास्युटिकल क्षेत्र में मुनाफे की हवस और मरीजों के साथ हो रही धोखाधड़ी की गूंज देश की सबसे बड़ी अदालत में सुनाई दी है। न्याय के सर्वोच्च मंदिर ने दवा निर्माताओं, अस्पतालों और सरकारी नियामक संस्थाओं के रवैये पर जो तल्ख टिप्पणियां की हैं, उसने हमारे पूरे स्वास्थ्य तंत्र की रीढ़ को हिलाकर रख दिया है। सुप्रीम कोर्ट की पीठ द्वारा एक मामले की सुनवाई के दौरान प्रयुक्त यह वाक्य— 'यह तो सीधे तौर पर दिन-दहाड़े डकैती है '—महज एक टिप्पणी नहीं, बल्कि उस लाचार भारतीय नागरिक की सामूहिक चीख का प्रतिनिधित्व करता है, जो बीमारी से पहले इलाज के खर्च और उसमें होने वाली जालसाजी से मर जाता है।

न्यायालय के समक्ष जो तथ्य उभरकर सामने आए हैं, वे किसी भी संवेदनशील समाज को स्तब्ध करने के लिए पर्याप्त हैं। खासकर कैंसर जैसी जानलेवा बीमारी से जूझ रहे मरीजों के घावों पर जिस तरह मुनाफाखोरी का नमक छिड़का जा रहा है, वह अमानवीयता की पराकाष्ठा है। अदालत के संज्ञान में लाया गया कि कैंसर की एक आवश्यक जीवन रक्षक दवा, जिसकी कीमत निर्माता कंपनी द्वारा रिटेलर के लिए महज ?2,700 तय की जाती है, उस पर अधिकतम खुदरा मूल्य पूरे ?27,000 छाप दिया जाता है। यानी कि लागत और थोक मूल्य से ठीक दस गुना अधिक दाम पर उस दवा को बेचे जाने की खुली छूट दे दी गई। एक पीड़ित परिवार और सामाजिक कार्यकर्ताओं द्वारा दायर की गई जनहित याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए माननीय न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने इस अकल्पनीय मूल्य अंतर पर गहरी नाराजगी जताई। अदालत ने सीधे शब्दों में सवाल पूछा कि मरीजों को इस तरह बेदर्दी से लूटने की इजाजत व्यवस्था कैसे दे सकती है? निर्माता कंपनियां और बड़ी-बड़ी कॉरपोरेट फार्मेसियां मिलकर मरीजों की जेब पर जो डाका डाल रही हैं, उस पर राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण और स्वास्थ्य मंत्रालय जैसी नियामक इकाइयां आंखें मूंदकर क्यों बैठी हैं? यह मामला सिर्फ निजी क्षेत्र की लूट तक सीमित नहीं है, बल्कि यह देश के खजाने और टैक्सपेयर्स के पैसे में सेंधमारी का भी एक बड़ा घोटाला साबित हो रहा है। आज केंद्र सरकार 'आयुष्मान भारत', छ्ळ।स् और छ्ळ।स् जैसी लोक-कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से गरीब और मध्यम वर्ग के इलाज का खर्च उठाती है। निजी अस्पताल इन्हीं बढ़ी हुई और मनमानी एमआरपी पर दवाएं खरीदते हैं और बाद में सरकारी खजाने से उसका शत-प्रतिशत रीइम्बर्समेंट क्लेम करते हैं। इसका सीधा अर्थ यह हुआ कि चंद दवा माफियाओं और निजी अस्पतालों की तिजोरियां भरने के लिए आम जनता के खून-पसीने की गाढ़ी कमाई को पानी की तरह बहाया जा रहा है। करदाताओं का पैसा जो देश के बुनियादी ढांचे और लोक-कल्याण में लगना चाहिए था, वह दवा कंपनियों की साठगांठ की भेंट चढ़ रहा है। सर्वोच्च न्यायालय ने इस ओर ध्यान दिलाते हुए इसे 'स्पष्ट रूप से देश और जनता के साथ एक बड़ा फ्रॉड' करार दिया है। इस संदर्भ में एक अहम सुझाव यह भी आया कि क्यों न देश की सभी जीवन रक्षक दवाओं को एक एकीकृत मूल्य-नियंत्रण के दायरे में ला दिया जाए, जिससे जेनेरिक और ब्रांडेड दवाओं का यह पूरा कृत्रिम भ्रम ही समाप्त हो जाए और दवाएं समान दाम पर उपलब्ध हो सकें।

एक तरफ जहां दवाओं के नाम पर यह संस्थागत और कानूनी लूट जारी है, वहीं दूसरी तरफ 'नकली दवाओं' का एक समानांतर और अंडरग्राउंड अंडरवर्ल्ड चल रहा है, जो सीधे मौत का व्यापार कर रहा है। हाल ही में बेंगलुरु में विशेष जांच दल और औषधि नियंत्रण विभाग द्वारा संयुक्त छापेमारी में एक बहुत बड़े अंतरराज्यीय नकली कैंसर दवा रैकेट का भंडाफोड़ हुआ है। जांच में जो तथ्य सामने आए, वे रोंगटे खड़े करने वाले हैं। वीरेश कुमार जैन नामक एक फार्मासिस्ट की मुख्य संलिप्तता वाले इस गिरोह ने करीब 90 से अधिक प्रतिष्ठित अस्पतालों और क्लीनिकों में पिछले पांच वर्षों से नकली तथा एक्सपायर्ड हो चुकी कैंसर और आईसीयू दवाओं की धड़ल्ले से आपूर्ति की। ये अपराधी एक्सपायर हो चुकी दवाओं को दोबारा प्रोसेस करते थे, उन्हें चमचमाते नए डिब्बों में पैक करते थे, नामचीन अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय फार्मा ब्रांडों के नकली होलोग्राम और लेबल लगाते थे और अस्पतालों के परचेजिंग डिपार्टमेंट को आकर्षित करने के लिए पचास प्रतिशत तक के भारी डिस्काउंट का लालच देते थे। पांच साल तक, यानी कि 1,800 से अधिक दिनों तक अस्पतालों के खरीद तंत्र ने बिना किसी लैब टेस्टिंग या प्रामाणिकता की जांच किए, सिर्फ मुनाफे के लालच में इन नकली दवाओं को खरीदा और उन लाचार मरीजों के जिस्म में कीमोथेरेपी के नाम पर जहर के रूप में उतार दिया जो अपनी जिंदगी की आखिरी उम्मीद लेकर वहां आए थे।

इस घिनौने अपराध की जद सिर्फ बेंगलुरु तक सीमित नहीं है; इसके तार कर्नाटक से लेकर हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, तमिलनाडु और महाराष्ट्र तक फैले हुए हैं। यह इस बात का स्पष्ट प्रमाण है कि नकली दवाओं का नेटवर्क देशव्यापी नेटवर्क बन चुका है। कुछ समय पूर्व नागपुर के सरकारी अस्पताल में भी एक ऐसा ही सनसनीखेज मामला सामने आया था, जहां मरीजों को दी जाने वाली गोलियों में मुख्य औषधीय साल्ट की जगह साधारण टेलकम पाउडर भरा हुआ था। जब किसी मरीज को एंटीबायोटिक या कैंसर रोधी दवाओं के नाम पर टेलकम पाउडर या चाक की गोलियां दी जाएंगी, तो उसका ठीक होना तो दूर, बीमारी और अधिक आक्रामक होकर उसकी जान ले लेगी। कानून के नजरिए से देखें तो यह धारा 302 यानी सीधे-सीधे हत्या का मामला बनता है, न कि केवल ट्रेडमार्क के उल्लंघन या मिलावट का। ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट, 1940 में कहने को तो आजीवन कारावास और जब्त माल की कीमत का तीन गुना जुर्माने जैसे सख्त कानूनी प्रावधान शामिल किए गए हैं, लेकिन व्यावहारिक धरातल पर अपराधियों को इसका कोई खौफ नजर नहीं आता। वजह साफ है—कमजोर लूपहोल्स का फायदा उठाकर अपराधी अक्सर जमानत पर बाहर आ जाते हैं और फिर से अपना वही खूनी कारोबार शुरू कर देते हैं। यही कारण है कि देश की जनता और न्यायविदों को अब इस भयावह संकट से उबरने के लिए न्यायपालिका की ओर देखना पड़ रहा है। अब जब पानी सिर से ऊपर जा चुका है, तो अदालती हस्तक्षेप ही एकमात्र उम्मीद बची है। अदालतों में दायर हालिया याचिकाओं में यह मांग बिल्कुल जायज है कि नकली और अत्यधिक महंगी दवाओं के मामलों की जांच के लिए तीन महीने की सख्त समय-सीमा तय हो और फास्ट ट्रैक कोर्ट के माध्यम से एक वर्ष के भीतर दोषियों को फांसी या उम्रकैद जैसी नजीर बनने वाली सजाएं दी जाएं। साथ ही, इस धंधे से अर्जित की गई अपराधियों और उनके परिवारों की पूरी चल-अचल संपत्ति को तुरंत कुर्क किया जाना चाहिए। दवा उद्योग को आत्ममंथन करना होगा कि जब आबकारी विभाग अपनी शराब की बोतलों पर क्यूआर कोड और ट्रैक-एंड-ट्रेस मैकेनिज्म लागू करके एक-एक बूंद का हिसाब रख सकता है, तो ड्रग्स कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया देश की जीवन रक्षक दवाओं के लिए वैसा ही अचूक और फुलप्रूफ डिजिटल बारकोडिंग सिस्टम देशव्यापी स्तर पर अनिवार्य क्यों नहीं कर पा रहा है? शीर्ष 300 ब्रांडों पर क्यूआर कोड का नियम लागू करना एक स्वागत योग्य कदम है, लेकिन इसे देश की हर छोटी-बड़ी मेडिकल वाइल और टैबलेट स्ट्रिप पर अनिवार्य करना होगा।

दवाइयों के इस दोतरफा संकट—एक तरफ कृत्रिम रूप से बढ़ाई गई बेलगाम कीमतें और दूसरी तरफ नकली दवाओं का जानलेवा जाल—ने चिकित्सा पेशे की विश्वसनीयता को भी दांव पर लगा दिया है। जब तक सरकारें राजनीतिक इच्छाशक्ति नहीं दिखाएंगी और स्वास्थ्य को कॉर्पोरेट घरानों के मुनाफे का जरिया बनने से नहीं रोकेंगी, तब तक आम आदमी को न्याय नहीं मिल सकता। फार्मा लॉबी की ताकत के आगे सरकारी अमले की कथित और रहस्यमयी चुप्पी इस बात का संकेत है कि बिना अदालती हंटर के यह तंत्र सुधरने वाला नहीं है। 2,700 की दवा को 27,000 में बेचना अगर डकैती है, तो नकली दवाएं बेचना सीधे-सीधे नरसंहार है। सर्वोच्च न्यायालय ने इस मामले की अगली सुनवाई की तारीखें तय कर सरकार से स्पष्ट जवाब मांगा है। उम्मीद की जानी चाहिए कि अदालत का यह सख्त रुख देश की नीति-नियंताओं की कुंभकर्णी नींद को तोड़ेगा। देश को अब भाषणों और आश्वासनों की नहीं, बल्कि एक ऐसे कठोर कानून और पारदर्शी मूल्य निर्धारण व्यवस्था की जरूरत है, जहां किसी भी मां, बहन या पिता को पैसे के अभाव में या नकली दवा के जहर के कारण तड़प-तड़प कर दम न तोड़ना पड़े। स्वास्थ्य हर नागरिक का मौलिक अधिकार है, और इसे मुनाफाखोरों की मंडी बनने से बचाना ही आज के समय की सबसे बड़ी राष्ट्रीय चुनौती है।

> शास्त्रों में पितरों के लिए श्रद्धा और उचित विधि से कर्म करने पर विशेष जोर दिया गया है। इसी भाव को इस उक्ति में व्यक्त किया गया है 'पितरो वाक्यमिच्छन्ति भावमिच्छन्ति देवताः' अर्थात देवताओं के लिए भाव और पितरों के लिए श्रद्धापूर्वक किया गया कर्म महत्वपूर्ण माना गया है। पितृपक्ष में अपने पूर्वजों की मृत्यु तिथि के अनुसार, श्राद्ध करना प्रमुख परंपरा है। यदि किसी पूर्वज की मृत्यु तिथि ज्ञात नहीं हो तो सर्वपितृ अमावस्या को उनके निमित्त श्राद्ध किया जा सकता है। पितृदोष की धार्मिक मान्यतापितृदोष शब्द का संबंध पितरों या पूर्वजों से माना जाता है। धार्मिक और ज्योतिषीय परंपराओं में इसकी अलग-अलग व्याख्याएं मिलती हैं। एक मान्यता के अनुसार, जिन पूर्वजों के निमित्त उचित धार्मिक कर्म नहीं हो पाते अथवा जिनकी आत्मिक शांति से संबंधित कर्म अधूरे रह जाते हैं, उनसे जुड़ी स्थिति को पितृदोष के रूप में देखा जाता है। ज्योतिषीय मान्यताओं में पितृदोष को परिवार में आने वाली कुछ परेशानियों से जोड़ा जाता है। इनमें पारिवारिक मतभेद, आर्थिक अस्थिरता, कार्यों में बाधा, संतान संबंधी चिंता और जीवन में बार-बार आने वाली कठिनाइयों का उल्लेख मिलता है। हालांकि ये धार्मिक और ज्योतिषीय मान्यताएं हैं, इन्हें वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित कारण-परिणाम संबंध के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए।

पितृपक्षः श्रद्धा, तर्पण और पितृऋण से जुड़ी सनातन परंपरा

उदय कुमार सिंह

भारतीय सनातन परंपरा में पितरों का विशेष स्थान माना गया है और पितृपक्ष पूर्वजों के स्मरण, उनके प्रति कृतज्ञता और पितृऋण से उऋण होने की भावना का विशेष काल माना गया है। इस दौरान लोग अपने दिवंगत परिजनों के निमित्त श्राद्ध, तर्पण और पिंडदान करते हैं। ब्राह्मण भोजन, दक्षिणा तथा जीव-जंतुओं को अन्न देने की भी परंपरा है। धार्मिक मान्यता है कि श्रद्धा और विधि-विधान के साथ किया गया श्राद्ध पितरों की तृप्ति और उनके आशीर्वाद का माध्यम बनता है। शास्त्रीय परंपरा में कहा गया है 'श्रद्धया इदं श्राद्धम् ', अर्थात श्रद्धा से पितरों के निमित्त किया गया कर्म ही श्राद्ध है। पितृपक्ष का मूल भाव इसी श्रद्धा में निहित है। यह केवल कर्मकांड का समय नहीं, बल्कि अपनी जड़ों, पूर्वजों और पारिवारिक संस्कारों को स्मरण करने का अवसर भी है। पितृपक्ष में क्यों किया जाता है श्राद्ध ?हिंदू धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, पितृपक्ष में पितरों का विशेष स्मरण किया जाता है। इस अवधि में पूर्वजों के निमित्त जल अर्पित करने, तिलांजलि देने और पिंडदान करने की परंपरा है। मान्यता है कि श्रद्धापूर्वक किए गए इन कर्मों से पितरों को तृप्ति और शांति मिलती है तथा परिवार को उनका आशीर्वाद प्राप्त होता है।

शास्त्रों में पितरों के लिए श्रद्धा और उचित विधि से कर्म करने पर विशेष जोर दिया गया है। इसी भाव को इस उक्ति में व्यक्त किया गया है 'पितरो वाक्यमिच्छन्ति भावमिच्छन्ति देवताः' अर्थात देवताओं के लिए भाव और पितरों के लिए श्रद्धापूर्वक किया गया कर्म महत्वपूर्ण माना गया है। पितृपक्ष में अपने पूर्वजों की मृत्यु तिथि के अनुसार, श्राद्ध करना प्रमुख परंपरा है। यदि किसी पूर्वज की मृत्यु तिथि ज्ञात नहीं हो तो सर्वपितृ अमावस्या को उनके निमित्त श्राद्ध किया जा सकता है। पितृदोष की धार्मिक मान्यतापितृदोष शब्द का संबंध पितरों या पूर्वजों से माना जाता है। धार्मिक और ज्योतिषीय परंपराओं में इसकी अलग-अलग व्याख्याएं मिलती हैं। एक मान्यता के अनुसार, जिन पूर्वजों के निमित्त उचित धार्मिक कर्म नहीं हो पाते अथवा जिनकी आत्मिक शांति से संबंधित कर्म अधूरे रह जाते हैं, उनसे जुड़ी स्थिति को पितृदोष के रूप में देखा जाता है। ज्योतिषीय मान्यताओं में पितृदोष को परिवार में आने वाली कुछ परेशानियों से जोड़ा जाता है। इनमें पारिवारिक मतभेद, आर्थिक अस्थिरता, कार्यों में बाधा, संतान संबंधी चिंता और जीवन में बार-बार आने वाली कठिनाइयों का उल्लेख मिलता है। हालांकि ये धार्मिक और ज्योतिषीय मान्यताएं हैं, इन्हें वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित कारण-परिणाम संबंध के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। इसी प्रकार कुछ ज्योतिषीय परंपराएं कालसर्प योग को भी पितृदोष से जोड़ती हैं। इस संबंध में विभिन्न ज्योतिषीय मतों में भिन्न धारणाएं हैं। आत्मा और पितृलोक की अवधारणाहिंदू दर्शन में आत्मा को नश्वर शरीर से अलग माना गया है। भगवद्गीता में शरीर परिवर्तन की तुलना पुराने वस्त्र त्यागकर नए वस्त्र धारण करने से की गई है। इसी दार्शनिक दृष्टि के आधार पर धार्मिक परंपरा में माना जाता है कि मृत्यु के बाद स्थूल शरीर का अंत होता है, जबकि आत्मा की यात्रा आगे जारी रहती है। पितृलोक की अवधारणा भी इसी धार्मिक दर्शन का हिस्सा है। विभिन्न ग्रंथों और परंपराओं में पितृलोक की स्थिति तथा वहां पितरों के निवास की अलग-अलग व्याख्या मिलती है। श्राद्धकर्म को इसी धार्मिक विश्वास से जोड़कर देखा जाता है कि पितरों तक श्रद्धा और तर्पण का भाव पहुंचता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, मनुष्य का स्थूल शरीर नष्ट होने के बाद सूक्ष्म अस्तित्व बना रहता है। श्राद्ध, तर्पण और पिंडदान को उस सूक्ष्म अस्तित्व की तृप्ति तथा उसके कल्याण से जोड़ा गया है। श्राद्ध के कितने प्रकार विभिन्न धर्मग्रंथों में श्राद्ध के अलग-अलग प्रकार बताए गए हैं। मत्स्य पुराण में नित्य, नैमित्तिक और काम्य श्राद्ध का उल्लेख मिलता है, जबकि यमस्मृति में वृद्धि और पार्वण श्राद्ध सहित पांच प्रकार बताए गए हैं। नित्य श्राद्धः प्रतिदिन किए जाने वाले श्राद्ध को नित्य श्राद्ध कहा जाता है। इसमें विश्वदेव की स्थापना नहीं की जाती और केवल जल से भी यह कर्म संपन्न करने का विधान बताया गया है। नैमित्तिक या एकोद्दिष्ट श्राद्धः किसी विशेष व्यक्ति को निमित्त बनाकर किया जाने वाला श्राद्ध नैमित्तिक कहलाता है। मृत्यु के बाद दशाह, एकादशाह आदि कर्म इसी श्रेणी में रखे जाते हैं।

काम्य श्राद्धः किसी विशेष कामना की पूर्ति के उद्देश्य से किया जाने वाला श्राद्ध काम्य श्राद्ध कहलाता है।

वृद्धि श्राद्धः पुत्र जन्म, विवाह, गृहप्रवेश जैसे मांगलिक अवसरों पर पितरों की प्रसन्नता के लिए किया जाने वाला श्राद्ध वृद्धि श्राद्ध कहलाता है। इसे नान्दी या नान्दीमुख श्राद्ध भी कहा जाता है।

पार्वण श्राद्धः किसी पर्व, अमावस्या या पितृपक्ष जैसी विशेष तिथि पर किया जाने वाला श्राद्ध पार्वण श्राद्ध कहलाता है। इसमें विश्वदेव की स्थापना का भी विधान बताया गया है।

इसके अलावा सपिण्डन, गोष्ठी, शुद्ध्यर्थ, कर्मांग, यात्रार्थ और पुष्ट्यर्थ श्राद्ध का भी उल्लेख मिलता है। सपिण्डन में प्रेत पिंड का पितृ पिंडों के साथ सम्मेलन कराया जाता है। समूह में किए जाने वाले श्राद्ध को गोष्ठी श्राद्ध कहा जाता है। धर्मसिंधु में श्राद्ध के 96 अवसरों का उल्लेख मिलता है। इनमें अमावस्या, संक्रांति, मन्वादि और अन्य विशेष तिथियों तथा योगों के साथ पितृपक्ष, अष्टका, अन्वष्टका आदि को शामिल किया गया है। पुराणोक्त श्राद्ध कर्मपुराणों और विभिन्न धार्मिक परंपराओं में एकोद्दिष्ट श्राद्ध, पार्वण श्राद्ध, नागबलि, नारायणबलि, त्रिपिण्डी श्राद्ध और महालय श्राद्ध का उल्लेख मिलता है। इनके विधान संप्रदाय और कुल-परंपरा के अनुसार अलग-अलग हो सकते हैं। इसीलिए धार्मिक आचार में कुल परंपरा के अनुसार श्राद्धकर्म करने पर विशेष जोर दिया जाता है। विशेष कर्मकांड के लिए योग्य आचार्य या पुरोहित के मार्गदर्शन का पालन करना उचित माना जाता है। गयाजी में पिंडदान का विशेष महत्वश्राद्ध और पिंडदान की चर्चा गयाजी के बिना अधूरी मानी जाती है। बिहार का गयाजी क्षेत्र हिंदू धर्म में प्रमुख पितृतीर्थों में शामिल है। यहां विष्णुपद मंदिर, फल्गु नदी और बोधगया सहित अनेक स्थानों पर पिंडदान और तर्पण की परंपरा है। धार्मिक मान्यता के अनुसार विष्णुपद मंदिर में भगवान विष्णु के चरणचिह्न हैं। श्रद्धालु यहां अपने पितरों के निमित्त पूजा और पिंडदान करते हैं। फल्गु नदी से भी पितृकर्म की प्राचीन परंपरा जुड़ी हुई है। मान्यता है कि भगवान राम ने माता सीता के साथ यहां अपने पिता राजा दशरथ का पिंडदान किया था। इसी पौराणिक परंपरा के कारण गयाजी में पिंडदान को विशेष महत्व प्राप्त हुआ। गयाजी के नाम से जुड़ी पौराणिक कथा भी अत्यंत प्रसिद्ध है। मान्यता है कि असुर गयासुर के शरीर पर भगवान विष्णु का चरण पड़ा और इसी घटना से गयाजी क्षेत्र की पवित्रता जुड़ी हुई है। आज भी देश के विभिन्न हिस्सों से लोग पितरों के निमित्त पिंडदान करने गयाजी पहुंचते हैं। मोक्ष की भूमि गयाजी में विश्व प्रसिद्ध पितृपक्ष मेला 25 सितंबर से शुरू होगा। 10 अक्टूबर तक चलने वाले इस मेले में देश-विदेश से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचकर पितरों के निमित्त श्राद्ध, तर्पण और पिंडदान करेंगे। सामान्य श्रद्धालुओं के लिए पितृपक्ष मेला 16 दिनों का होगा, जबकि त्रैपाक्षिक श्राद्ध करने वाले श्रद्धालुओं के लिए धार्मिक अनुष्ठान 11 अक्टूबर तक जारी रहेगा। अलग-अलग तिथियों पर निर्धारित हैं पिंडदान के कर्मकांड 25 सितंबर को अनन्त चतुर्दशी के दिन पुनपुन में पिंडदान और गयापाल तीर्थपुरोहित की पांव पूजा का विधान है। 26 सितंबर को फल्गु स्नान, श्राद्ध और पांव पूजा होगी। 27 सितंबर को ब्रह्मकुंड में जौ के चूर्ण से पिंडदान के साथ प्रेतशिला, रामशिला और रामकुंड में श्राद्ध तथा काकबली में पिंडदान किया जाएगा। 28 सितंबर को पंचतीर्थ श्राद्ध के तहत उत्तरमानस, उदीची, कनखल, दक्षिणमानस और जिह्वालोल में कर्मकांड होगा। 29 सितंबर को सरस्वती स्नान, पंचरत्न दान, मातंगवापी और धर्मारण्य कूप में श्राद्ध तथा बोधगया में बोधितरू दर्शन का विधान है। 30 सितंबर को ब्रह्मसरोवर और काकबली श्राद्ध के साथ आम्रसिंचन में पिंडदान किया जाएगा।

विचार

चुनाव आयोग पर उठते सवाल और लोकतंत्र की कसौटी

डॉ. अरविंद नाथ तिवारी

भारत में चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन का माध्यम नहीं बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था की विश्वसनीयता का सबसे महत्वपूर्ण आधार हैं। इसलिए जब निर्वाचन आयोग जैसी संवैधानिक संस्था के कामकाज पर सवाल उठते हैं तो उसका राजनीतिक विवाद बनना स्वाभाविक है। सितंबर 2026 में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और निर्वाचन आयोग के दो अन्य आयुक्तों के बीच कथित मतभेदों की खबरों ने इसी बहस को तेज कर दिया है। एक अखबार में प्रकाशित रिपोर्ट के अनुसार निर्वाचन आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने पिछले करीब दस महीनों में आयोग के कुछ निर्णयों पर कम-से-कम 14 बार आपत्तियां दर्ज कीं, इनमें मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर और मतदाता डाटा के केंद्रीकरण जैसे विषय शामिल बताए गए हैं। दूसरी ओर चुनाव आयोग ने कहा है कि आंतरिक विमर्श में अलग-अलग राय आना सामान्य प्रक्रिया है और एसआईआर सहित आयोग के अंतिम निर्णय सर्वसम्मति से लिए गए। यहीं से राजनीतिक सवाल पैदा होता है। विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने इन रिपोर्टों को अपने पुराने 'वोट चोरी' के आरोपों से जोड़ते हुए मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग की है। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनावी प्रक्रिया की विश्वसनीयता प्रभावित हुई है और ज्ञानेश कुमार को पद छोड़कर कथित गड़बड़ियों की जानकारी सामने लानी चाहिए। ये राहुल गांधी और विपक्ष के राजनीतिक आरोप हैं; इन्हें अभी स्थापित तथ्य के रूप में नहीं देखा जा सकता। निश्चित रूप से यह ऐसा विषय है जिसकी स्वतंत्र और पारदर्शी जांच होनी चाहिए। तीन सदस्यीय आयोग में दो सदस्यों द्वारा बार-बार लिखित आपत्ति दर्ज किए जाने की खबर को केवल राजनीतिक बयान कहकर खारिज करना भी उचित नहीं होगा लेकिन दूसरी ओर, आंतरिक असहमति अपने-आप में चुनावी धांधली या 'वोट चोरी' का प्रमाण भी नहीं है। आयोग का कहना है कि अंतिम निर्णय सर्वसम्मति से हुए। इसलिए असली सवाल यह होना चाहिए कि उन आपत्तियों का विषय क्या था, निर्णय लेने की प्रक्रिया क्या रही और क्या उससे किसी पात्र मतदाता का अधिकार प्रभावित हुआ।

राहुल गांधी ने एंटी-इनकंबेंसी समाप्त होने पर भी सवाल उठाया है। लेकिन चुनावी राजनीति में किसी सरकार की लगातार जीत या हार को केवल चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली से जोड़ना राजनीतिक और सामाजिक परिस्थितियों की जटिलता को सरल बना देना होगा। मसलन, 2026 के तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में भाजपा को केवल एक सीट मिली, जबकि अलग-अलग दलों ने शेष सीटें जीतीं। इसी तरह 2026 के कर्नाटक उपचुनावों में कांग्रेस ने बागलकोट और दावणगेरे दक्षिण सीटें जीतीं। इससे कम-से-कम इतना स्पष्ट है कि अलग-अलग राज्यों में मतदाताओं का व्यवहार एक जैसा नहीं है। इसलिए 'यदि चुनाव में गड़बड़ी है तो अमुक राज्य में विपक्ष क्यों जीता'- यह सवाल राजनीतिक बहस में उठाया जा सकता है लेकिन इससे अकेले किसी आरोप का खंडन या प्रमाण नहीं होता। चुनाव की निष्पक्षता का परीक्षण दस्तावेजों, मतदाता सूची, मतदान प्रक्रिया, बूथ स्तर के आंकड़ों और कानूनी जांच से होना चाहिए। यह प्रश्न भी संविधान और कानून के दायरे में देखा जाना चाहिए। मुख्य चुनाव आयुक्त कोई सामान्य सरकारी अधिकारी नहीं हैं। चुनाव आयोग संविधान के अनुच्छेद 324 के तहत स्थापित संवैधानिक संस्था है और मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने की प्रक्रिया सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश जैसी संवैधानिक सुरक्षा से जुड़ी है। इसलिए किसी राजनीतिक दल या सांगठनिक संगठन द्वारा इस्तीफे की मांग करना अभिव्यक्ति और लोकतांत्रिक विरोध का हिस्सा हो सकता है लेकिन केवल राजनीतिक दबाव के आधार पर संवैधानिक पदाधिकारी को हटाना अलग विषय है। आरोपों की गंभीरता का परीक्षण संसद, न्यायपालिका और निर्धारित संवैधानिक प्रक्रिया के माध्यम से होना चाहिए। लोकतंत्र में आंदोलन स्वयं अराजकता नहीं है। शांतिपूर्ण प्रदर्शन, जनसभा, धरना और सरकार या संवैधानिक संस्थाओं से जवाब मांगना लोकतांत्रिक अधिकारों का हिस्सा हैं। लेकिन किसी भी आंदोलन की वैधता उसकी शांतिपूर्ण प्रकृति और कानून के पालन से जुड़ी होती है। यदि विरोध हिंसा, सरकारी संपत्ति को नुकसान, जबरन बंद या नागरिकों के अधिकारों के उल्लंघन में बदलता है तो स्थिति अलग होगी। लोकतंत्र की सुरक्षा किसी एक दल या व्यक्ति की जिम्मेदारी नहीं है। चुनाव आयोग, राजनीतिक दल, न्यायपालिका, संसद, मीडिया और नागरिक समाज-सभी की भूमिका है। चुनाव आयोग से पारदर्शिता की मांग उतना ही आवश्यक है जितना बिना प्रमाण गंभीर आरोपों को अंतिम सत्य मानने से बचना। आज आवश्यकता 'कौन सही और कौन गलत' घोषित करने से अधिक सवालों के दस्तावेजी जवाब पाने की है। यदि मतदाता सूची में गड़बड़ी के आरोप हैं तो आंकड़े सार्वजनिक हों। यदि आयोग के भीतर असहमति हुई है तो उसके रिकॉर्ड और कानूनी आधार स्पष्ट हों। यदि एसआईआर से पात्र मतदाता प्रभावित हुए हैं तो शिकायत और अपील की प्रक्रिया पारदर्शी हो और यदि आरोप निराधार हैं तो चुनाव आयोग को भी तथ्यों के साथ उनका खंडन करना चाहिए।

एक नजर

मुजफ्फरपुर में अनंत चतुर्दशी को विधि-विधान से की गई भगवान विष्णु की पूजा

मुज़फ्फरपुर,एजेंसी। शहर सहित पूरे जिले में आज अनंत चतुर्दशी का महापर्व बेहद श्रद्धा, उल्लास और पारंपरिक गरिमा के साथ मनाया जा रहा है। इस पावन अवसर पर सुबह से ही स्थानीय मंदिरों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखी जा रही है। विशेष रूप से महिलाओं में इस पर्व को लेकर अभूतपूर्व उत्साह नजर आ रहा है। काफी संख्या में महिलाएं विशेष प्रसाद और पवित्र अनंत धागा लेकर मंदिरों में पहुंच रही हैं। वे पूरी श्रद्धा के साथ भगवान विष्णु की आराधना कर रही हैं और मुख्य पुजारियों के माध्यम से वैदिक मंत्रोच्चार के बीच अपने प्रसाद और धागे का पाठ करवाकर विधि-विधान से पूजा-अर्चना संपन्न करा रही हैं। स्थानीय मंदिर के पुजारी सुनील कुमार तिवारी ने इस पर्व के विशेष महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि अनंत चतुर्दशी का दिन धार्मिक दृष्टिकोण से अत्यंत विशेष और कल्याणकारी माना जाता है। आज के दिन पूर्ण विधि-विधान से विशेष पूजा-पाठ का आयोजन कराया जा रहा है। मंदिर परिसर में उपस्थित सभी श्रद्धालुओं और विशेषकर व्रत रखने वाली महिलाओं को अनंत पूजा की पौराणिक कथा सुनाई जा रही है। उन्होंने कहा कि इस महापर्व में महिलाएं बहुत ही बढ़-चढ़कर हिस्सा लेती हैं। पुजारी जी ने यह भी जानकारी दी कि मंदिरों में पूजा-अर्चना और कथा श्रवण का यह क्रम सुबह से शुरू होकर देर शाम तक निरंतर चलता रहेगा। इस पावन समय पर व्रत करने वाली महिलाएं पूजा-पाठ को लेकर शुद्धता और साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखती हैं, जिससे पूरा माहौल भक्तिमय हो गया है। यह पवित्र पर्व प्रतिवर्ष भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्दशी तिथि को मनाया जाता है। इस दिन जगत के पालनहार भगवान श्री विष्णु की पूजा की जाती है। इस दिन चौदह गांठों वाला पवित्र 'अनंत सूत्र' पुरुष अपने दाहिने हाथ में तथा महिलाएं बाएं हाथ में बांधती हैं। इसके साथ ही, यह दिन दस दिवसीय भव्य गणेशोत्सव का अंतिम दिन भी माना जाता है, जिसमें गणेश जी की मूर्तियों का विसर्जन किया जाता है। इस व्रत की प्रसिद्ध कथा कौंडिल्य ऋषि और उनकी पत्नी सुशीला के जीवन से जुड़ी हुई है। ऐसी धार्मिक मान्यताएं हैं कि इस पर्व के बाद हाथ में जो धागा बांधा जाता है, उसमें साक्षात भगवान विष्णु का आशीर्वाद होता है।

जनसुराज कार्यकर्ताओं की सक्रियता से ही फतह होगा चुनावी दुर्ग : डॉ. अनुज

नवादा। जनसुराज पार्टी के जिला कार्यालय सभागार में शुक्रवार को जिला अध्यक्ष त्रिवेणी सिंह की अध्यक्षता में कार्यकर्ताओं की बैठक हुई। बैठक में पटना स्नातक विधान परिषद निर्वाचन क्षेत्र से पार्टी समर्थित प्रत्याशी डॉ. अनुज सिंह को विजयी बनाने का संकल्प लिया गया। बैठक का संचालन पार्टी के वरिष्ठ नेता अजय कुमार ने किया। इस दौरान बड़ी संख्या में मौजूद कार्यकर्ताओं ने दोनों हाथ उठाकर डॉ. अनुज सिंह को भारी मतों से विजयी बनाने के लिए दिन-रात एक करने का संकल्प लिया। बैठक को संबोधित करते हुए पटना स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के प्रत्याशी डॉ. अनुज सिंह ने कहा कि किसी भी चुनाव में संगठन की मजबूती और कार्यकर्ताओं की सक्रियता सबसे महत्वपूर्ण होती है। यदि पार्टी के कार्यकर्ता आपसी सामंजस्य और समन्वय बनाकर चुनाव को अपना काम समझकर पूरी निष्ठा से जुट जाएं, तो निश्चित रूप से सफलता हासिल की जा सकती है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से बूथ और पंचायत स्तर तक मतदाताओं से संपर्क स्थापित करने तथा पार्टी के विचारों और कार्यक्रमों को लोगों तक पहुंचाने की अपील की।

डॉ. अनुज सिंह ने कहा कि जनसुराज की राज्य से लेकर जिला और प्रखंड स्तर तक मजबूत कमेटियां गठित हैं। संगठन की यह ताकत तभी परिणाम में बदल सकती है, जब पार्टी के नेता और कार्यकर्ता पूरी सक्रियता के साथ मैदान में उतरेंगे। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता किसी भी राजनीतिक संगठन की रीढ़ होते हैं। कार्यकर्ताओं से अधिक भरोसेमंद साथी कोई नहीं हो सकता। इसलिए चुनाव में उनकी भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि पटना स्नातक निर्वाचन क्षेत्र का चुनाव केवल एक प्रत्याशी की जीत का सवाल नहीं है, बल्कि बिहार के बेहतर भविष्य और नव निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से दिन-रात मेहनत कर चुनाव अभियान को मजबूत करने का आह्वान किया। डॉ. अनुज सिंह ने कहा कि जनसुराज के सर्वमान्य नेता प्रशांत किशोर के नेतृत्व में बिहार में नई राजनीतिक सोच को मजबूत करने की आवश्यकता है। इसके लिए कार्यकर्ताओं को पूरी एकजुटता के साथ काम करना होगा। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं की मेहनत, समर्पण और सक्रियता के बल पर चुनावी दुर्ग को फतह किया जा सकता है। बैठक में पार्टी के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने एकजुट होकर डॉ. अनुज सिंह को विजयी बनाने का संकल्प दोहराया। कार्यकर्ताओं ने कहा कि चुनाव तक लगातार जनसंपर्क अभियान चलाकर स्नातक मतदाताओं से संपर्क किया जाएगा और पार्टी के संदेश को अधिक से अधिक मतदाताओं तक पहुंचाया जाएगा।

तुलसिया हॉल्ट पर युवती से मारपीट का पुराना वीडियो वायरल, पांच आरोपित चिह्नित

किशनगंज। जिले में दिघलबैंक थाना क्षेत्र के तुलसिया हॉल्ट रेलवे स्टेशन पर युवती को घेरकर मारपीट और डांटने का पुराना वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद किशनगंज पुलिस ने त्वरित कार्रवाई शुरू कर दी है। शुक्रवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, एसपी के व्हाट्सएप पर 24/25 सितंबर की देर रात करीब 12:30 बजे वीडियो प्राप्त हुआ। तकनीकी जांच में वीडियो करीब चार-पांच महीने पुराना और तुलसिया हॉल्ट का पाया गया। मामले में एसआईटी गठित कर रात से ही छापेमारी शुरू कर दी गई। पुलिस के अनुसार, वीडियो में करीब आठ-नौ युवक युवती को घेरे नजर आ रहे हैं, जबकि चार-पांच युवक उसके साथ डांट-फटकार और मारपीट करते दिखाई दे रहे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार ने पुलिस टीम के साथ घटनास्थल का भौतिक निरीक्षण किया और तकनीकी साक्ष्य व मानवीय सूचना के आधार पर आरोपितों की पहचान शुरू कराई। जांच के दौरान पुलिस ने पांच युवकों की पहचान अफसर उर्फ हती, जुबेर खान, मिजान उर्फ सलमान, कामिल और शहजाद के रूप में की है। पुलिस के अनुसार, इनमें अफसर गुजरात, जुबेर हरियाणा, मिजान उर्फ सलमान कर्नाटक और कामिल पंजाब में है। उनकी गिरफ्तारी के लिए संबंधित स्थानों पर छापेमारी की जा रही है। शहजाद समेत अन्य आरोपितों का भी सत्यापन जारी है।

कांग्रेस ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर निकाला विरोध मार्च

पटना,एजेंसी। बिहार प्रदेश कांग्रेस कमिटी द्वारा शुक्रवार को आर ब्लॉक, चाणक्य होटल से राज्य निर्वाचन आयोग कार्यालय तक प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम के नेतृत्व में विरोध प्रदर्शन एवं मार्च का आयोजन किया। आर ब्लॉक चौराहे से शुरू होकर यह विरोध मार्च आगे बढ़ा जिसे पुलिस ने अटल पथ के निकट एमएलसी क्वार्टर के पास बैरिकेटिंग कर रोकने की कोशिश की। इस पर भी कांग्रेस के नेता जब नहीं रुके तो पुलिस ने वाटर कैनन खोल दिया। उसके बाद प्रदर्शन और नारेबाजी और जोर से होने लगी।

विरोध मार्च का नेतृत्व कर रहे प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम ने कहा कि हमारे नेता और देश के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने मजबूती से चुनाव आयोग के कथित गोरखधंधे को बिहार विधानसभा चुनाव से पूर्व वोटर अधिकार यात्रा के माध्यम से उजागर किया था लेकिन केंद्र की सरकार और चुनाव आयोग ने इसे नकारा था। लेकिन अब मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार की गलतियों को उन्हीं के सहयोगी दो अन्य चुनाव आयुक्तों ने उजागर करने की हिम्मत हमारे नेता राहुल गांधी के चेतावनी के बाद की है। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग के बैठकों में दर्ज आपत्तियों को नजरअंदाज करते हुए मुख्य चुनाव आयुक्त ने सत्ता के संरक्षण में लोकतंत्र को कमजोर करने की कवायद की है, इसलिए अविलंब उन्हें इस्तीफा देकर देश से माफी मांगनी चाहिए। विभिन्न राज्यों के विधानसभा चुनाव से पूर्व, बिहार में किए गए मनमाने एसआईआर की तरह ही लाभ लेने के उद्देश्य से वोटर्स मैपिंग की गई और भाजपा को अलोकतांत्रिक तरीके से चुनावी लाभ दिया गया जिसके कारण वहां भाजपा की जीत हुई। उन्होंने कहा कि देश में चुनाव आयोग संवैधानिक संस्था है और भाजपा सरकार ने संविधान में संशोधन करके ऐसी व्यवस्था बना दी है कि वोट चोरी करने वाली चुनाव आयोग के मुख्य चुनाव आयुक्त को आजीवन जेल नहीं होगी जो यह साबित करता है कि बड़े पैमाने पर यह गोरखधंधा चल रहा था।

हमारे नेता के बार बार वोटर लिस्ट का इलेक्ट्रॉनिक डाटा मांगने के बाद भी नहीं उपलब्ध कराना और सीसीटीवी फुटेज देने से कि जाने वाली मनाही अब जाकर उजागर होने लगी है। चुनाव आयोग की जिम्मेदारी बनती है कि चुनाव प्रक्रिया निष्पक्ष और स्वच्छ तरीके से हो लेकिन जब चुनाव आयोग के मुख्य चुनाव आयुक्त ही मनमानी कर चुनाव परिणामों को बदलने की कवायद करेंगे तो फिर देश में लोकतंत्र की हत्या हो जाएगी, इसलिए ऐसे अनैतिक मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को इस्तीफा देना ही होगा वरना कांग्रेस और उग्र प्रदर्शन करने को बाध्य होगी। साथ ही प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम ने कहा कि एसआईआर और मनमानी ढंग से चुनाव कराने के कारण मुख्य चुनाव आयुक्त के रूप में ज्ञानेश कुमार ने जितनी भी चुनाव को संचालित किया है उन राज्यों में पुन: चुनाव होने चाहिए, इसमें बिहार भी शामिल है। चुनाव आयोग अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन एकतरफा और अनैतिक तरीके से कर रही है जो कि लोकतंत्र के लिए खतरा है। प्रदर्शन और विरोध मार्च में इस अवसर पर सांसद पप्पू यादव, अनुशासन समिति के अध्यक्ष कपिलदेव प्रसाद यादव, पूर्व मंत्री कृपानाथ पाठक, विधायक मनोज विश्वास, मीडिया विभाग के चेयरमैन राजेश राठौड़, पूर्व विधायक प्रतिमा कुमारी दास, बंटी चौधरी, ऋषि मिश्रा, डा संजय यादव, पंकज यादव मिन्नत रहमानी, स्नेहाशीष वर्द्धन पाण्डेय, कुमार आशीष,कमल कमलेश, राजीव मेहता, चन्द्रप्रकाश सिंह, डा कुमारी सोनी,प्रेमचन्द सिंह, डा अमन कुमार, उमैर खान, अफरोज खान जितेन्द्र नाथ पटेल,,मंजीत आनन्द साहू ,अनुराग चंदन, रीता सिंह, मृणाल अनामय, संजय पाण्डेय, अरूण पाठक, हीरा सिंह बग्गा, मनीष यादव, पूनम यादव, कुमारी अनिता, बिटटू यादव, सत्येन्द्र कुमार, राहुल भारद्वाज, अनुकूल राज सहित अन्य उपस्थित थें।

बारिश में भी नहीं थमा 'वन्दे मातरम्' का स्वर, राष्ट्रगीत के साथ गूंजा सीवान

सीवान। बारिश की फुहार भी देशभक्ति के जज्बे को नहीं रोक सकी। शुक्रवार को पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती के अवसर पर विद्या भारती के तत्वावधान में आयोजित 'नमामि भारतम्' कार्यक्रम के तहत सीवान शहर में ढाई दर्जन से अधिक स्थानों पर राष्ट्रगीत 'वन्दे मातरम्' का सामूहिक गायन हुआ। पूर्वाह्न 11 बजे विभिन्न स्थानों पर एक साथ लोगों ने राष्ट्रगीत का गायन कर राष्ट्रीय एकता, राष्ट्रभक्ति और सांस्कृतिक चेतना का संदेश दिया। सुबह से ही मौसम खराब रहने और बारिश होने के बावजूद कार्यक्रम में विद्यार्थियों, अभिभावकों, शिक्षकों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और आम नागरिकों ने उत्साह के साथ भाग लिया। निर्धारित समय पर अलग-अलग आयोजन स्थलों पर जैसे ही 'वन्दे मातरम्' का स्वर गूंजा, पूरा वातावरण देशभक्ति से ओतप्रोत हो गया। कई स्थानों पर बारिश के बीच भी लोग कार्यक्रम स्थल पर डटे रहे।

विद्या भारती, बिहार के कार्यकारिणी सदस्य डॉ. शरद चौधरी ने कहा कि 'वन्दे मातरम्' केवल एक राष्ट्रगीत नहीं, बल्कि भारत की राष्ट्रीय चेतना, मातृभूमि के प्रति श्रद्धा और एकता का भाव जगाने वाला स्वर है। बारिश के बावजूद जिस उत्साह के साथ विद्यार्थियों और आम नागरिकों ने इसमें भाग लिया, वह समाज की राष्ट्रभावना को दर्शाता है। 'नमामि भारतम्' जैसे आयोजन नई पीढ़ी को भारतीय संस्कृति और राष्ट्र के प्रति अपने दायित्व से जोड़ने का माध्यम हैं।

प्रोफेसर रविंद्र नाथ पाठक ने कहा कि देशभर में एक ही समय पर करोड़ों लोगों द्वारा 'वन्दे मातरम्' का सामूहिक गायन अपने आप में एक ऐतिहासिक अवसर है। सीवान में भी प्रतिकूल मौसम के बावजूद बड़ी संख्या में लोगों की सहभागिता यह बताती है कि राष्ट्रभावना के सामने मौसम की बाधा भी छोटी पड़ जाती है। ऐसे आयोजन समाज में एकता, अनुशासन और सांस्कृतिक गौरव की भावना को मजबूत करते हैं। विद्या भारती, बिहार के मीडिया समन्वयक नवीन सिंह परमार ने बताया कि 'नमामि भारतम्' के माध्यम से देशभर में एक ही समय पर राष्ट्रगीत का सामूहिक गायन किया गया।

इसका उद्देश्य राष्ट्रीय एकता, अखंडता और भारतीय सांस्कृतिक चेतना को जन-जन तक पहुंचाना है। उन्होंने बताया कि सीवान शहर में भी कार्यक्रम को लेकर लोगों में काफी उत्साह रहा और प्रतिकूल मौसम के बावजूद बड़ी संख्या में लोगों की सहभागिता हुई।

एक अक्टूबर से तीन महीने के लिए बंद होगा विक्रमशिला सेतु, 12 बड़े जहाज मुफ्त में लगाएंगे बेड़ा

भागलपुर। पूर्वांचल को सीमांचल और उत्तर बिहार से जोड़ने वाली लाइफलाइन गंगा नदी पर बना विक्रमशिला सेतु आगामी 1 अक्टूबर 2026 से अगले तीन महीनों (90 दिनों) के लिए पूरी तरह बंद होने जा रहा है। इस अवधि में पुल पर सभी प्रकार के वाहनों की आवाजाही पर पूर्ण विराम रहेगा। उल्लेखनीय है कि, 26 मई 2026 की देर रात इस ऐतिहासिक पुल का एक हिस्सा अचानक टूटकर गंगा नदी में समा गया था, जिसके बाद बॉर्डर रोड संगठन द्वारा आपातकालीन स्थिति में एक बेली ब्रिज का निर्माण कर यातायात बहाल किया गया था। अब इसी क्षतिग्रस्त हिस्से पर स्थायी स्टील ट्रस ब्रिज के निर्माण की विधिवत शुरुआत होने जा रही है।

बिहार सरकार के सड़क निर्माण विभाग के मंत्री इंजीनियर कुमार शैलेंद्र के अनुसार, लगभग 99 करोड़ रुपये की लागत से इस पुल का कायाकल्प और स्थायी पुनर्स्थापन कार्य किया जाएगा। 30 सितंबर की रात से ही पुल पर बैरिकेडिंग कर चारों बेली ब्रिज को हटाने का काम शुरू कर दिया जाएगा। प्रशासन ने दावा किया है कि तय समय-सीमा यानी 3 महीने के भीतर इस निर्माण कार्य को पूरा कर नया चमचमाता पुल जनता को समर्पित कर दिया जाएगा। पुल बंद होने से लाखों लोगों और स्थानीय कारोबारियों को होने वाली भारी असुविधा को देखते हुए जिला प्रशासन और बिहार सरकार ने पुख्ता वैकल्पिक जलमार्ग की तैयारी की है। गंगा पार करने के लिए प्रशासन की ओर से 12 बड़े जहाजों का बेड़ा उतारा जाएगा, जो 24 घंटे बिल्कुल मुफ्त सेवा देंगे। आपातकालीन और इमरजेंसी मेडिकल सेवाओं के लिए ये जहाज रात-दिन तत्पर रहेंगे ताकि किसी मरीज या राहगीर को कोई परेशानी न हो। जलमार्ग के अलावा जिन यात्रियों को भारी वाहनों अथवा सड़क मार्ग से ही सफर तय करना है, उनके लिए मुंगेर-मिर्जाचौकी फोरलेन परियोजना के तहत मुंगेर से भागलपुर के बीच नवनिर्मित टू-लेन मार्ग को चालू कर दिया गया है। इससे लोग भागलपुर से उत्तर बिहार जाने के लिए मुंगेर पुल का इस्तेमाल कर वैकल्पिक रास्ते से सफर पूरा कर सकेंगे। बिहार पुल निर्माण निगम और जिला प्रशासन ने आम जनता से अपील की है कि वे इस कायाकल्प कार्य में सहयोग करें।

बिहार में अगले दो दिन बारिश और वज्रपात का अलर्ट, कोसी बराज पर बढ़ी सतर्कता

पटना,एजेंसी। बिहार के ज्यादातर जिलों में मौसम का मिजाज बिगड़ा हुआ है। मौसम विभाग की रिपोर्ट के अनुसार अगले दो दिनों तक प्रदेश में बारिश के साथ तेज हवा और मेघगर्जन की गतिविधियां जारी रहेंगी। शुक्रवार को पटना समेत 20 जिलों में कहीं भारी तो कहीं मध्यम दर्जे की वर्षा होने की संभावना जताई गई है। बारिश के कारण उत्तर बिहार में गर्मी से लोगों को काफी हद तक निजात मिली है। नेपाल में गुरुवार से रविवार तक भारी बारिश की चेतावनी के बीच भारत-नेपाल सीमा से सटे कोसी बराज और सुनसरी क्षेत्र में प्रशासन ने सतर्कता बढ़ा दी है। आज जिन जिलों के लिए बारिश की चेतावनी जारी की गई है उनमें राजधानी पटना भी शामिल है। इसके अलावे प्रदेश के पश्चिम चंपारण, पूर्वी चंपारण, गोपालगंज, सीवान, सारण, बक्सर, भोजपुर, कैमूर, रोहतास, अरवल, औरंगाबाद, जहानाबाद नालंदा, गया, पूर्णिया, नवादा, शेखपुरा, लखीसराय और बेगूसराय जिलों के लिए बारिश के साथ तेज हवा और वज्रपात का अलर्ट दिया गया है। लोगों को सतर्क रहने और मौसम की गतिविधियों के अनुसार दिनचर्या तय करने की सलाह दी गई है। राज्य के अन्य जिलों में मौसम सामान्य रहने के आसार जताए गए हैं।

पूर्णिया में आगामी तीन दिन बहुत भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है। मौसम विज्ञान विभाग के सहायक वैज्ञानिक राकेश कुमार ने बताया कि 25 और 26 सितंबर को भारी बारिश के साथ गरज-चमक और

आकाशीय बिजली की संभावना है। 28 सितंबर तक गरज के साथ छींटे पड़ने की संभावना है। कल गुरुवार को भी राज्य के कई जिलों में आंधी और गरज तड़क के साथ बारिश हुई जिससे नुकसान भी हुआ। पूर्णिया में तेज आंधी से 50 घरों के छप्पड़ उड़ गए। समस्तीपुर में बारिश का दर्दनाक मंजर देखने को मिला। एक सरकारी स्कूल में पुराना पेड़ गिर गया जिसमें दबकर तीन छात्राओं की मौत हो गई। बांका में दीवार गिरने से एक महिला की जान चली गई। कोसी बराज कंट्रोल रूम के अनुसार गुरुवार सुबह आठ बजे बराज से 1,09,795 क्यूसेक पानी का डिस्चार्ज दर्ज किया गया। दोपहर 12 बजे यह बढ़कर 1,40,260 क्यूसेक और दोपहर तीन बजे 1,71,410 क्यूसेक हो गया। शाम चार बजे बराज से 1,77,390 क्यूसेक पानी का डिस्चार्ज दर्ज किया गया। बराह क्षेत्र में सुबह आठ बजे 99,500 क्यूसेक, दोपहर 12 बजे 1,15,850 क्यूसेक, तीन बजे 1,09,400 क्यूसेक और शाम चार बजे 1,06,250 क्यूसेक डिस्चार्ज दर्ज किया गया। वहीं कोसी पश्चिमी मुख्य नहर में सिंचाई के लिए 3,800 क्यूसेक पानी छोड़ा गया। मुख्य अभियंता वीरपुर ई. संजीव शैलेश ने बताया कि किसी भी परिस्थिति से निपटने के लिए कोसी

राघोपुर तटबंध पर कटाव का खतरा बरकरार, विक्रमशिला सेतु की सुरक्षा पर मंडराई चिंता

भागलपुर,एजेंसी। भागलपुर के राघोपुर तटबंध के डाउन स्ट्रीम में गंगा नदी का भीषण कटाव थमने का नाम नहीं ले रहा है, जिससे आसपास के ग्रामीण इलाकों के साथ-साथ अब विक्रमशिला सेतु की सुरक्षा को लेकर भी बड़ी चिंता खड़ी हो गई है। गंगा नदी लगातार तटबंध के किनारे भारी दबाव बना रही है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए जल संसाधन विभाग की टीम पूरी तरह अलर्ट मोड पर है और बड़े जहाजों की मदद से नदी में मेगा जियो बैग डालने का बचाव कार्य युद्ध स्तर पर जारी है। स्थानीय विशेषज्ञों और आशंकाओं के मुताबिक, राघोपुर तटबंध के डाउन स्ट्रीम में जिस रफ्तार से नदी का कटाव आगे बढ़ रहा है, उससे गंगा की मुख्य धारा और उसका जलस्तर का दबाव नवगछिया की दिशा से मुड़कर सीधे विक्रमशिला सेतु की ओर बढ़ सकता है। अगर ऐसा हुआ तो सेतु के पायों और एप्रोच रोड के आसपास नदी का बहाव बेहद गंभीर स्थिति पैदा कर सकता है।

तकनीकी जानकारों का कहना है कि सेतु पर वास्तविक खतरे का सटीक आकलन विभागीय और तकनीकी जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। फिलहाल, प्रशासन लगातार निगरानी बनाए हुए है। इस बीच, तटबंध की सुरक्षा व्यवस्था और प्रशासनिक तैयारियों को लेकर राजनीतिक बयानबाजी भी तेज हो गई है। बिहपुर विधानसभा क्षेत्र से वीआईपी की पूर्व प्रत्याशी रहीं अपर्णा कुमारी ने सरकार और स्थानीय जनप्रतिनिधियों पर गंभीर सवाल

खड़े किए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि विक्रमशिला सेतु के अप स्ट्रीम और डाउन स्ट्रीम में समय रहते गाइड बांध का निर्माण कराया जाना चाहिए था, जिसमें घोर लापरवाही बरती गई। अपर्णा कुमारी ने पथ निर्माण मंत्री और क्षेत्रीय विधायक कुमार शैलेंद्र पर निशाना साधते हुए उनके इस्तीफे की मांग की है। उन्होंने याद दिलाया कि कुछ दिन पहले मंत्री ने बयान दिया था कि यदि राघोपुर बांध कटता है तो वह अपने पद से इस्तीफा दे देंगे। अपर्णा कुमारी ने कहा कि चूंकि बांध पर अभी भी खतरा पूरी तरह मंडरा रहा है और कटाव जारी है, इसलिए मंत्री को अपने वादे के मुताबिक तुरंत इस्तीफा दे देना चाहिए। नदी की तेज धारा के कारण कटाव रोधी कार्य में काफी चुनौतियाँ आ रही हैं। जल संसाधन विभाग के इंजीनियर और मजदूर दिन-रात स्थिति को नियंत्रित करने में जुटे हैं। कमजोर हिस्सों को सुरक्षित करने के लिए मेगा जियो बैग्स का सहारा लिया जा रहा है, लेकिन गंगा की लहरों का आक्रामक रुख स्थानीय ग्रामीणों और जिला प्रशासन की धड़कनें बढ़ाए हुए है। अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या समय रहते इस कटाव को रोककर विक्रमशिला सेतु और राघोपुर बांध को मुकम्मल तौर पर सुरक्षित किया जा सकेगा?

ग्रामीण क्षेत्रों में पैर पसार रहा 'सूखा नशा', बर्बाद हो रहा युवाओं का भविष्य

भागलपुर। जिले के शहरी इलाकों के बाद अब ग्रामीण क्षेत्रों में सूखे नशे (स्मैक, ड्रग्स और प्रतिबंधित कफ सिरप) का अवैध कारोबार तेजी से अपने पैर पसार रहा है। इस जानलेवा लत की चपेट में सबसे ज्यादा युवा वर्ग और छात्र आ रहे हैं, जिससे न सिर्फ उनका भविष्य अंधकार में डूब रहा है, बल्कि स्थानीय परिवारों और समाज में भी चिंता और खौफ का माहौल है।

ग्रामीणों का आरोप है कि सुदूर गांवों में नशे के सौदागर सक्रिय हैं, जो चोरी-छिपे युवाओं तक इसकी खेप पहुंचा रहे हैं। शुरुआत महज 'शौक' या दोस्तों के दबाव में होती है, जो धीरे-धीरे एक गंभीर और जानलेवा लत का रूप ले लेती है। नशे के इस जाल में फंसकर कई होनहार युवा अपनी पढ़ाई और रोजगार बीच में ही छोड़ चुके हैं। स्थिति यह है कि लत को पूरा करने के लिए युवा अपराध की राह भी पकड़ रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में छोटी-मोटी चोरियों और आपसी विवादों की घटनाओं में अचानक बढ़ोतरी हुई है, जिसका सीधा कनेक्शन इस नशे के कारोबार से जोड़ा जा रहा है। नशे की यह बढ़ती समस्या केवल लत लगाने वाले व्यक्ति तक सीमित नहीं है। इसका सीधा और दर्दनाक असर पूरे परिवार के आर्थिक और मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ रहा है। कई माता-पिता अपने बच्चों की इस हालत को देखकर बेबस हैं। स्थानीय प्रबुद्ध नागरिकों और अभिभावकों का कहना है कि अगर समय रहते इस नेटवर्क को नहीं तोड़ा गया, तो आने वाली पूरी पीढ़ी बर्बाद हो जाएगी।प्रशासन और समाज को मिलकर उठानी होगी। जिम्मेदारी स्थानीय लोगों ने जिला प्रशासन, मद्यनिषेध विभाग और स्थानीय पुलिस से ग्रामीण इलाकों में विशेष छापेमारी अभियान चलाने और नशे के सौदागरों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई करने की मांग की है। इसके साथ ही, समाज के बुद्धिजीवियों का मानना है कि केवल पुलिसिया कार्रवाई से इसे पूरी तरह खत्म नहीं किया जा सकता। इसके लिए अभिभावकों को भी जागरूक होना होगा और अपने बच्चों की बदलती आदतों व संगति पर नजर रखनी होगी। गांवों में जागरूकता अभियान चलाकर युवाओं को इस दलदल से बाहर निकालने के लिए सामूहिक प्रयास की सख्त जरूरत है। वहीं जिले के ग्रामीण इलाकों में पैर पसार रहे सूखे नशे के अवैध कारोबार को जड़ से उखाड़ने के लिए भागलपुर पुलिस प्रशासन ने अपनी कार्रवाई तेज कर दी है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर पूरे जिले में 'स्वस्थ युवा, स्वस्थ भागलपुर' विशेष महाअभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत पुलिस की टीमें सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों और कस्बों में गुप्त सूचनाओं के आधार पर लगातार छापेमारी कर बड़ी खेप पकड़ रही हैं। हाल ही में भागलपुर पुलिस को नशे के नेटवर्क पर चोट करने में कई बड़ी सफलताएं मिली हैं। नवगछिया अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सायम रजा के नेतृत्व में पुलिस ने एक बड़े नेटवर्क का भंडाफोड़ करते हुए 546 ग्राम स्मैक (अनुमानित कीमत ?70 लाख) के साथ शातिर तस्करों को गिरफ्तार किया है।

एक नजर

शतरंज ओलंपियाड : आठवें दौर में भारत ने दोनों वर्गों में खेला ड्रॉ, रैंकिंग में आई गिरावट

समरकंद,एजेंसी। 46वें शतरंज ओलंपियाड के आठवें दौर में गुरुवार को भारत को ओपन और महिला, दोनों वर्गों में ड्रॉ से संतोष करना पड़ा। ओपन वर्ग में भारत ने अजरबैजान के साथ 2-2 से ड्रॉ खेला, जबकि महिला वर्ग में कजाकिस्तान के खिलाफ मुकाबला 2-2 से बराबर रहा। इन नतीजों के बाद दोनों वर्गों में भारत की रैंकिंग में गिरावट आई है। ओपन वर्ग में विश्व चैंपियन ग्रैंडमास्टर डी. गुकेश का अजरबैजान के ग्रैंडमास्टर महामद मुरादली के खिलाफ मुकाबला ड्रॉ रहा। भारत और अजरबैजान के बीच चारों बोर्ड पर कड़ा मुकाबला देखने को मिला और अंत में दोनों टीमों को एक-एक अंक बांटना पड़ा। आठ दौर के बाद भारत 13 अंकों के साथ ओपन वर्ग में सातवें स्थान पर है। मेजबान उज्बेकिस्तान 14 अंकों के साथ शीर्ष पर है।

महिला वर्ग में भारत को कजाकिस्तान ने 2-2 से बराबरी पर रोका। भारत की ओर से अलुआ नूरमान ने ग्रैंडमास्टर वैशाली रमेशबाबू को हराया। वहीं, सविता श्री ने वुमन इंटरनेशनल मास्टर एलनाज कलियाखमेत के खिलाफ ड्रॉ योग्य एंडगेम में मुकाबला बराबरी पर समाप्त कर भारत को ड्रॉ दिलाने में योगदान दिया। महिला वर्ग में आठ दौर के बाद भारत 13 अंकों के साथ पांचवें स्थान पर है, जबकि चीन 15 अंकों के साथ शीर्ष पर है। इससे पहले सातवें दौर में भारत ने दोनों वर्गों में शानदार प्रदर्शन किया था। ओपन वर्ग में भारत ने इंग्लैंड को 2.5-1.5 से हराया था, जबकि महिला वर्ग में जर्मनी को 3.5-0.5 से मात दी थी। छठे दौर के बाद भारत ओपन वर्ग में तीसरे और महिला वर्ग में भी तीसरे स्थान पर था। ओपन वर्ग में उज्बेकिस्तान 14 अंकों के साथ शीर्ष पर था, जबकि महिला वर्ग में चीन और उज्बेकिस्तान 13-13 अंकों के साथ भारत से आगे थे। 46वें शतरंज ओलंपियाड में कुल 11 दौर खेले जाने हैं और प्रतियोगिता का समापन 27 सितंबर को होगा।

एशियाई खेल 2026 : नेपाल को 48-24 से हराकर भारतीय महिला कबड्डी टीम फाइनल में

आइची-नगोया। गत चैंपियन भारत ने शुक्रवार को एशियाई खेल 2026 की महिला कबड्डी स्पर्धा के सेमीफाइनल में नेपाल को 48-24 से हराकर फाइनल में प्रवेश कर लिया। भारतीय टीम ने पूरे मुकाबले में दबदबा बनाए रखा और अब स्वर्ण पदक के लिए खेलेगी। भारत ने मुकाबले की तेज शुरुआत की और शुरुआती पांच मिनट के बाद 9-5 की बढ़त बना ली। भारतीय रेडरों ने लगातार अंक जुटाए, जबकि नेपाल ने भारतीय डिफेंस पर दबाव बनाने की कोशिश की। नेपाल ने वापसी का प्रयास करते हुए सोनाली को सुपर टैकल से रोककर अहम अंक हासिल किया। इसके बावजूद भारत ने 15-10 की बढ़त बनाए रखी। इसके बाद नेपाल की गंगा घिमिरे ने शानदार रेड करते हुए चार अंक हासिल किए। एंकल होल्ड के बावजूद उन्होंने लाइन को छू लिया और लंबी जांच के बाद उनकी रेड को चार अंकों के रूप में मान्यता दी गई। इससे भारत की बढ़त 21-15 रह गई। हालांकि, भारतीय टीम ने इसके बाद मुकाबले पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली। संजू देवी और सोनाली के प्रभावी प्रदर्शन की बदौलत भारत ने पहले हाफ की समाप्ति तक 31-17 की बड़ी बढ़त हासिल कर ली। दूसरे हाफ में भी भारत ने अपना दबदबा कायम रखा और नेपाल को वापसी का कोई मौका नहीं दिया। भारतीय डिफेंस और रेडिंग दोनों ने लगातार अंक जुटाए और अंतत: टीम ने 48-24 से मुकाबला अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ गत चैंपियन भारतीय महिला कबड्डी टीम ने फाइनल में जगह पक्की कर ली है। स्वर्ण पदक के मुकाबले में भारत का सामना चीनी ताइपे या ईरान से होगा। फाइनल शनिवार को खेला जाएगा। भारतीय टीम अब एशियाई खेलों में अपने खिताब का बचाव करने और देश के पदकों की संख्या में एक और स्वर्ण जोड़ने के इरादे से उतरेगी।

एशियाई खेल 2026 : अनाहत और अभय सिंह ने स्क्वैश सेमीफाइनल में बनाई जगह

आइची-नगोया। भारतीय स्क्वैश खिलाड़ियों अनाहत सिंह और अभय सिंह ने शुक्रवार को एशियाई खेल 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए महिला और पुरुष एकल के सेमीफाइनल में जगह बना ली। दोनों खिलाड़ियों ने अपने-अपने क्वार्टर फाइनल मुकाबले सीधे गेमों में जीतकर अंतिम चार में प्रवेश किया। 18 वर्षीय अनाहत सिंह ने महिला एकल के क्वार्टर फाइनल में अपनी हमवतन 30 वर्षीय तान्वी खन्ना को 3-0 (11-2, 11-5, 11-3) से हराया। अनाहत ने महज 15 मिनट में मुकाबला अपने नाम कर लिया। अनाहत ने पहले गेम से ही मुकाबले पर नियंत्रण बना लिया। उन्होंने शानदार ड्रॉप शॉट्स की मदद से पहला गेम 11-2 से अपने नाम किया। उनकी तेज और आक्रामक शैली के सामने तान्वी को काफी परेशानी हुई। दूसरे गेम में भी अनाहत ने दबाव बनाए रखा। तान्वी ने वापसी की कोशिश की, लेकिन अनाहत ने 11-5 से गेम जीतकर बढ़त 2-0 कर ली। तीसरे गेम में भी उन्होंने अपनी लय बरकरार रखी और 11-3 से जीत दर्ज करते हुए सेमीफाइनल में जगह पक्की कर ली।

सेमीफाइनल में अनाहत का सामना जापान की सातोमी वातानाबे से होगा। विश्व की छठी रैंकिंग की खिलाड़ी वातानाबे ने 2022 हांगझोउ एशियाई खेलों में कांस्य पदक जीता था। दोनों खिलाड़ियों के बीच इससे पहले एक मुकाबला हुआ था, जिसमें अनाहत ने 2-0 की बढ़त बनाने के बावजूद मुकाबला 2-3 से गंवा दिया था। पुरुष एकल में अभय सिंह ने जापान के रयूनोसुके त्सुकुए को 3-0 (11-4, 11-3, 11-6) से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। करीब 30 मिनट चले मुकाबले में अभय ने शुरुआत से ही दबदबा बनाए रखा और जापानी खिलाड़ी को वापसी का कोई मौका नहीं दिया। अभय का सामना सेमीफाइनल में हमवतन वीर चोत्रानी से हो सकता है, अगर वीर अपने क्वार्टर फाइनल मुकाबले में पाकिस्तान के मुहम्मद इरफान को हरा देते हैं। ऐसी स्थिति में पुरुष एकल में ऑल-इंडिया सेमीफाइनल होगा और भारत का कम से कम रजत पदक सुनिश्चित हो जाएगा। भारत ने स्क्वैश में पहले ही एक पदक पक्का कर लिया है। जोशना चिनप्पा और वेलावन सेंथिलकुमार की जोड़ी मिश्रित युगल के सेमीफाइनल में पहुंच चुकी है। भारतीय जोड़ी ने क्वार्टर फाइनल में फिलीपींस के डेविड पेलिनो और जेमस्या अरिबाडो को हराया था।

एशियाई खेल: पदक तालिका में भारत 23 पदकों के साथ 12वें स्थान पर, चीन शीर्ष पर

आइची-नगोया,एजेंसी। एशियाई खेल 2026 में भारत ने शुक्रवार को शानदार प्रदर्शन करते हुए शूटिंग में दो पदक सहित कुल 5 पदक अपने नाम किए। सुरची सिंह और कमलजीत ने मिश्रित 10 मीटर एयर पिस्टल में स्वर्ण पदक जीता, जबकि ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर, रुद्राक्ष पाटिल और नीरज कुमार की तिकड़ी ने पुरुषों की 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन टीम स्पर्धा में रजत पदक हासिल किया। इन पदकों के अलावा मनप्रीत कौर ने महिलाओं की शॉटपुट में कांस्य, जबकि गुलवीर सिंह ने पुरुषों की 10,000 मीटर दौड़ में रजत पदक जीता। वहीं, बरानिका एलंगोवन ने महिलाओं की पोल वॉल्ट स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर इतिहास रच दिया। भारत के पदकों की संख्या अब 23 हो गई है, जिसमें दो स्वर्ण, नौ रजत और 11 कांस्य शामिल हैं।

सुरची-कमलजीत ने जीता स्वर्ण

मिश्रित 10 मीटर एयर पिस्टल के फाइनल में सुरची सिंह और कमलजीत ने 484.6 अंक के एशियाई रिकॉर्ड स्कोर के साथ स्वर्ण पदक अपने नाम किया। भारतीय जोड़ी ने शुरुआत से ही बढ़त बनाए रखी और अंतिम दौर में दक्षिण कोरिया की चुनौती के बावजूद 6.6 अंक के अंतर से जीत हासिल की। ईरान ने 415.8 अंक के साथ कांस्य पदक जीता। यह भारत का इन खेलों में दूसरा स्वर्ण पदक है। इससे पहले भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने स्वर्ण पदक जीता था।

राइफल टीम ने जीता रजत

पुरुषों की 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन टीम स्पर्धा में ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर, रुद्राक्ष पाटिल और नीरज कुमार की भारतीय टीम ने 1762-94एक्स के स्कोर के साथ रजत पदक जीता। ऐश्वर्य ने 589-34एक्स और नीरज ने 588-34एक्स का स्कोर किया। दोनों ने व्यक्तिगत फाइनल के लिए भी क्वालीफाई किया। ऐश्वर्य तीसरे और नीरज चौथे स्थान पर रहे।

मनप्रीत ने शॉटपुट में दिलाया कांस्य

महिलाओं की शॉटपुट स्पर्धा में मनप्रीत कौर ने 17.17 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ कांस्य पदक जीता। हांगझोउ एशियाई खेलों में पांचवें स्थान पर रहने वाली मनप्रीत ने इस बार पोडियम पर जगह बनाई।

गुलवीर का रजत, बरानिका का ऐतिहासिक कांस्य

पुरुषों की 10,000 मीटर दौड़ में गुलवीर सिंह ने 28:29.38 मिनट के समय के साथ रजत पदक जीता। उन्होंने हांगझोउ में जीते कांस्य पदक के प्रदर्शन को इस बार रजत में बदल दिया। वहीं, बरानिका एलंगोवन ने महिलाओं की पोल वॉल्ट स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर इतिहास रच दिया। वह एशियाई खेलों में पोल वॉल्ट में पदक जीतने वाली पहली भारतीय एथलीट बनीं।

पदक तालिका में भारत 12वें स्थान पर

शुक्रवार को उपलब्ध पदक तालिका में चीन 92 स्वर्ण, 35 रजत और 22 कांस्य सहित 149 पदकों के साथ शीर्ष पर है। जापान 105 पदकों के साथ दूसरे और दक्षिण कोरिया 59 पदकों के साथ तीसरे स्थान पर है। भारत दो स्वर्ण, नौ रजत और 11 कांस्य सहित 23 पदकों के साथ 12वें स्थान पर है।

एशियाई खेल 2026: पीटी उषा ने निशानेबाजों के जज्बे और एकाग्रता को सराहा, पदक जीतने पर दी बधाई

आइची-नगोया। भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष पीटी उषा ने एशियाई खेल 2026 के छठे दिन भारतीय निशानेबाजों के शानदार प्रदर्शन की सराहना की। भारतीय निशानेबाजों ने शुक्रवार को 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन टीम और 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में एक-एक रजत और स्वर्ण पदक जीतकर भारत के पदक अभियान को मजबूती दी। पीटी उषा ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर भारतीय खिलाड़ियों की तारीफ करते हुए उनके जज्बे और एकाग्रता को सराहा। उन्होंने रुद्रांक्ष पाटिल, ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर और नीरज कुमार के साथ-साथ स्वर्ण पदक जीतने वाली सुरूचि सिंह और कमलजीत को बधाई दी और ऐश्वर्य तथा नीरज को व्यक्तिगत फाइनल के लिए शुभकामनाएं दीं।

पीटी उषा ने कहा, 'हमारे खिलाड़ियों ने जिस जज्बे और एकाग्रता का प्रदर्शन किया है, उस पर गर्व है। सुरूचि और कमलजीत की युवा पिस्टल मिश्रित टीम ने शानदार निशानेबाजी का प्रदर्शन किया। ऐश्वर्य, नीरज और रुद्रांक्ष की 50 मीटर थ्री पोजीशन टीम ने भी दमदार प्रदर्शन किया। ऐश्वर्य और नीरज को उनके फाइनल के लिए शुभकामनाएं। पुरुषों की 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन टीम स्पर्धा में रुद्रांक्ष पाटिल, ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर और नीरज कुमार की भारतीय टीम ने 1762-94× का स्कोर बनाया। चीन ने 1766-95× के साथ स्वर्ण पदक जीता, जबकि दक्षिण कोरिया को 1751-87× के साथ कांस्य पदक मिला। भारतीय टीम ने 2022 एशियाई खेलों में इसी स्पर्धा का स्वर्ण जीता था। इस बार उसे चीन से अपना खिताब गंवाना पड़ा। व्यक्तिगत स्पर्धा में ऐश्वर्य 589-34× के साथ तीसरे और नीरज 588-34× के साथ चौथे स्थान पर रहे। दोनों ने 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन के व्यक्तिगत फाइनल में जगह बना ली है। रुद्रांक्ष 585-26× के स्कोर के साथ नौवें स्थान पर रहे और फाइनल में जगह नहीं बना सके। वहीं, 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में सुरूचि सिंह और कमलजीत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 484.6 अंक के साथ स्वर्ण पदक जीता। दक्षिण कोरिया ने 478.0 अंक के साथ रजत और ईरान ने 415.8 अंक के साथ कांस्य पदक हासिल किया। इंडोनेशिया 349.4 अंक के साथ बाहर हो गया। सुरूचि और कमलजीत ने स्वर्ण पदक जीतने के दौरान एशियाई रिकॉर्ड भी तोड़ा। भारतीय जोड़ी का 484.6 अंक का स्कोर इससे पहले उज्बेकिस्तान के नाम रहे 481.3 अंक के रिकॉर्ड से बेहतर रहा।

एशियाई खेल 2026: जापान को 3-1 से हराकर भारतीय महिला हॉकी टीम सेमीफाइनल में

गिफू,एजेंसी। भारतीय महिला हॉकी टीम ने शुक्रवार को एशियाई खेल 2026 के पूल बी के अहम मुकाबले में मेजबान जापान को 3-1 से हराकर सेमीफाइनल में जगह पक्की कर ली। गिफू प्रीफेक्चुरल ग्रीन स्टेडियम में मिली इस जीत के साथ भारत ने लगातार चौथी जीत दर्ज करते हुए पूल में शीर्ष दो में अपना स्थान भी सुनिश्चित कर लिया।

भारत के लिए लालरेमसियामी, इशिका चौधरी और नवनीत कौर ने गोल किए, जबकि जापान की ओर से शिहो कोबायाकावा ने एक गोल किया। भारत ने मुकाबले की शुरुआत आक्रामक अंदाज में की। पहले क्वार्टर में नवनीत कौर के प्रयास को जापान की गोलकीपर यू कुडो ने रोक लिया, लेकिन रिबाउंड पर लालरेमसियामी ने तेजी दिखाते हुए गेंद को गोल में पहुंचाकर भारत को बढ़त दिला दी। जापान ने बराबरी की कोशिश की, लेकिन भारतीय गोलकीपर सविता पूनिया ने माही उएनो के पेनल्टी कॉर्नर प्रयास को शानदार तरीके से रोक दिया। दूसरे क्वार्टर में भारत ने दबाव बढ़ाया और हाफ टाइम से ठीक पहले अपनी बढ़त दोगुनी कर दी। नवनीत के पेनल्टी कॉर्नर प्रयास को जापानी डिफेंस ने रोका, लेकिन इशिका चौधरी ने रिबाउंड पर सतर्कता दिखाते हुए गोल कर भारत को 2-0 से आगे कर दिया।

तीसरे क्वार्टर में नवनीत कौर ने जापानी डिफेंस को छकाते हुए शानदार गोल किया और भारत की बढ़त 3-0 कर दी। अंतिम क्वार्टर में जापान ने वापसी की कोशिश की और शिहो कोबायाकावा ने जोरदार टॉमहॉक के जरिए गोल कर अंतर 3-1 कर दिया। हालांकि भारतीय टीम ने इसके बाद जापान के दबाव को बेअसर करते हुए मुकाबला अपने नाम कर लिया। इस जीत के बाद भारत के चार मैचों में चार जीत से 12 अंक हो गए हैं और उसने पूल बी में शीर्ष दो में अपना स्थान सुनिश्चित कर लिया है। जापान नौ अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है, जबकि थाईलैंड भी अपने बाकी मुकाबले जीतकर 12 अंक तक पहुंच सकता है। हालांकि जापान और थाईलैंड को अपने अंतिम पूल मुकाबले में एक-दूसरे का सामना करना है, इसलिए दोनों टीमों का एक साथ भारत के 12 अंकों तक पहुंचना संभव नहीं है।

एशियाई खेल: रुद्रांक्ष-अश्वर्य-नीरज की तिकड़ी ने 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन टीम स्पर्धा में जीता रजत

आइची-नगोया,एजेंसी। भारत ने एशियाई खेल 2026 में निशानेबाजी में एक और पदक अपने नाम किया। रुद्रांक्ष पाटिल, ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर और नीरज कुमार की भारतीय तिकड़ी ने पुरुषों की 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन टीम स्पर्धा में रजत पदक जीता। भारतीय टीम ने फाइनल में 1762-94× का स्कोर बनाया और चीन के 1766-95× से चार अंक पीछे रही। चीन ने स्वर्ण पदक जीता, जबकि दक्षिण कोरिया ने 1751-87× के साथ कांस्य पदक हासिल किया। भारत ने 2022 एशियाई खेलों में इसी स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीता था, लेकिन इस बार उसे चीन से अपना खिताब गंवाना पड़ा। इस रजत के साथ भारत के एशियाई खेलों में 19 पदक हो गए हैं, जिनमें दो स्वर्ण, आठ रजत और नौ कांस्य शामिल हैं।

ऐश्वर्य और नीरज व्यक्तिगत फाइनल में

टीम स्पर्धा के साथ ही ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर और नीरज कुमार ने व्यक्तिगत स्पर्धा के फाइनल में भी जगह बना ली है। ऐश्वर्य ने 589-34× के स्कोर के साथ तीसरा स्थान हासिल किया, जबकि नीरज 588-34× के साथ चौथे स्थान पर रहे। रुद्रांक्ष पाटिल 585-26× के स्कोर के साथ नौवें स्थान पर रहे और व्यक्तिगत फाइनल में जगह नहीं बना सके।

ऐश्वर्य का शानदार अंतरराष्ट्रीय सफर

मध्य प्रदेश के खरगोन जिले के रतनपुर गांव के रहने वाले ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन में भारत के प्रमुख निशानेबाजों में शामिल हैं। उन्होंने 2015 में भोपाल स्थित मध्य प्रदेश शूटिंग अकादमी में प्रशिक्षण शुरू किया। 2019 में सुहल में आईएसएसएफ जूनियर विश्व कप में उन्होंने स्वर्ण पदक जीतने के साथ जूनियर विश्व रिकॉर्ड बनाया। इसके बाद 2021 में नई दिल्ली आईएसएसएफ विश्व कप में स्वर्ण और लीमा में आईएसएसएफ जूनियर विश्व चैंपियनशिप में जूनियर विश्व रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक जीता। ऐश्वर्य टोक्यो 2020 और पेरिस 2024 ओलंपिक में भी भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। उन्होंने 2025 में काहिरा आईएसएसएफ विश्व चैंपियनशिप में रजत और 2026 में नई दिल्ली एशियाई राइफल/पिस्टल चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता।

नीरज भी व्यक्तिगत पदक की दौड़ में

होशियारपुर के नीरज कुमार ने 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन में लगातार अच्छे प्रदर्शन के दम पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई है। उन्होंने 2022 आईएसएसएफ विश्व चैंपियनशिप में टीम कांस्य पदक जीता था। 2026 एशियाई राइफल/पिस्टल चैंपियनशिप में नीरज ने व्यक्तिगत स्पर्धा में रजत पदक हासिल किया था और टीम स्वर्ण में भी योगदान दिया था। अब एशियाई खेलों में उनके पास व्यक्तिगत स्पर्धा में एक और पदक जीतने का मौका है।

रुद्रांक्ष पाटिल की उपलब्धियां

भारतीय निशानेबाज रुद्रांक्ष बालासाहेब पाटिल ने कम उम्र में ही 10 मीटर एयर राइफल में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी मजबूत पहचान बनाई है। महाराष्ट्र के ठाणे के रहने वाले रुद्रांक्ष भारत के प्रमुख राइफल निशानेबाजों में शामिल हैं और देश के लिए कई बड़े अंतरराष्ट्रीय आयोजनों में पदक जीत चुके हैं। रुद्रांक्ष ने 2022 में काहिरा में आयोजित आईएसएसएफ विश्व चैंपियनशिप में पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रचा था।

हिमाचल की बेटी पुष्पा की कप्तानी में महिला कबड्डी के फाइनल में भारत, अब ईरान से स्वर्ण की जंग

धर्मशाला,एजेंसी। हिमाचल की बेटी पुष्पा राणा की कप्तानी में भारतीय महिला कबड्डी टीम ने एशियन गेम्स में स्वर्ण पदक की ओर एक और कदम बढ़ा दिया है। जापान के अयाची-नगोया में शुक्रवार को खेले गए सेमीफाइनल में भारत ने नेपाल को 48-24 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। अब शनिवार को स्वर्ण पदक के लिए भारत का सामना ईरान से होगा। ईरान ने दूसरे सेमीफाइनल में चीनी ताइपे को 23-19 से हराकर फाइनल का टिकट कटाया।

टोकाई सिटीजन्स जिम्नेजियम में खेले गए सेमीफाइनल में भारतीय टीम ने शुरुआत से ही दबदबा बनाए रखा। भारत ने पहले हाफ में 31-17 की बढ़त हासिल की। दूसरे हाफ में भी भारतीय खिलाड़ियों ने नेपाल को वापसी का मौका नहीं दिया और 48-24 के अंतर से मुकाबला अपने नाम कर लिया। भारत की ओर से मैच में कुल 35 आउट अंक जुटाए गए, जबकि नेपाल 18 आउट अंक ही हासिल कर सका। भारतीय टीम ने मुकाबले में तीन बार नेपाल को ऑलआउट किया। इससे पहले भारतीय टीम ने ग्रुप चरण में भी अजेय रहते हुए तीनों मुकाबले जीते थे। भारत ने अपने पहले मैच में बांग्लादेश को 42-21, दूसरे मुकाबले में ईरान को 37-23 और अंतिम ग्रुप मैच में मेजबान जापान को 50-25 से हराया था। यानी फाइनल से पहले भारतीय टीम ने चार मुकाबलों में लगातार चार जीत दर्ज की हैं। इन चार मैचों में भारत ने कुल 177 अंक बनाए, जबकि विपक्षी टीमें 93 अंक ही जुटा सकीं। अब फाइनल में भारत के सामने ईरान की चुनौती होगी। खास बात यह है कि ग्रुप चरण में भारत पहले ही ईरान को 37-23 से हरा चुका है, लेकिन स्वर्ण पदक का मुकाबला नई परिस्थितियों में होगा। भारत 2022 हांगझोउ एशियन गेम्स का महिला कबड्डी स्वर्ण पदक विजेता है और इस बार खिताब बचाने के लिए उतरा है। भारतीय टीम में हिमाचल की चार बेटियां शामिल हैं। इनमें कप्तान पुष्पा राणा के अलावा रितु नेगी, ज्योति ठाकुर और भावना ठाकुर हैं। पुष्पा, ज्योति और भावना धर्मशाला स्थित साई के राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र में प्रशिक्षण लेती हैं। अब फाइनल में हिमाचल की इन बेटियों के प्रदर्शन पर प्रदेशभर की निगाहें रहेंगी।

ऑस्ट्रेलिया सीरीज डब्ल्यूटीसी चक्र में महत्वपूर्ण, टीम इस चुनौती के लिए हो रही तैयार: प्रसिद्ध कृष्णा

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम लंबे और महत्वपूर्ण घरेलू सत्र की शुरुआत 27 सितंबर से वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज से करेगी। टीम का लक्ष्य 2027 वनडे विश्व कप की तैयारियों के साथ-साथ ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आगामी पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए भी खुद को तैयार करना है। घरेलू सत्र से पहले जियोस्टार से बातचीत में भारतीय तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा ने चोट से वापसी, पांच टेस्ट मैचों की सीरीज की चुनौती, अलग-अलग परिस्थितियों में लगातार अच्छा प्रदर्शन करने की जरूरत और 2027 विश्व कप को लेकर अपनी तैयारियों पर बात की। चोट से वापसी पर प्रसिद्ध ने कहा, 'चोटिल होना और चल रही क्रिकेट का हिस्सा नहीं बन पाना किसी के लिए भी मुश्किल होता है। रिहैब की प्रक्रिया कठिन होती है, क्योंकि आपको बार-बार वही चीजें करनी पड़ती हैं।

ऐसे में टीम और स्पोर्ट्स साइंस स्टाफ की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण हो जाती है। आपके आसपास के लोग भी काफी मायने रखते हैं, इसलिए परिवार और दोस्तों जैसे अच्छे लोगों का साथ होना जरूरी है। 'इसके अलावा यह इस बात पर निर्भर करता है कि आप चीजों को अपनी इच्छा के मुताबिक करने के लिए कितने दृढ़ हैं। यह कहना आसान है कि मैं चोटिल था, कुछ नहीं कर सका और वापसी में समय लगेगा। लेकिन मानसिक मजबूती के साथ उठकर फिर से शुरुआत करना भी जरूरी है। मैं हमेशा खुद से कहता हूं कि अगर चोट लगने के समय मैं एक स्तर पर था, तो वापसी के बाद मुझे उससे दस गुना बेहतर होना चाहिए। यह सोच बहुत महत्वपूर्ण है। न्यूजीलैंड दौरे को लेकर प्रसिद्ध ने कहा, 'न्यूजीलैंड पूरी तरह अलग चुनौती होगी। वहां खेलना शानदार है, लेकिन गेंदबाज के तौर पर यह आपकी हर तरह से परीक्षा लेता है—आपकी स्किल, आपकी सहनशक्ति और लगातार एक सत्र के बाद दूसरे सत्र में वापसी करने की क्षमता की। फिलहाल हमारा ध्यान बुनियादी चीजों को सही करने पर है। 'वहां पहुंचने के बाद हम परिस्थितियों को समझेंगे और उसी के अनुसार खुद को ढालेंगे। हमारा लक्ष्य हर तरह की स्किल से खुद को तैयार करना है, ताकि वहां पहुंचकर हम परिस्थितियों के अनुसार उसका इस्तेमाल कर सकें। तेज गेंदबाजों के तौर पर निश्चित रूप से हमारी परीक्षा होगी। उपमहाद्वीप की तुलना में न्यूजीलैंड में आपसे काफी ज्यादा काम करने की उम्मीद होती है और मैं इसी चुनौती का इंतजार कर रहा हूं। प्रसिद्ध ने 2027 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी को लेकर कहा, 'मैं दो बार पांच टेस्ट मैचों की सीरीज खेल चुका हूं—एक बार ऑस्ट्रेलिया में और एक बार इंग्लैंड में। इन अनुभवों से मैंने काफी कुछ सीखा है। पांच मैचों और 25 दिनों की क्रिकेट में लय बनाए रखना और अपनी गति को बरकरार रखना पूरी तरह अलग चुनौती है।

एक नजर

नेपाल के कोसी बैराज में बढ़ा पानी का बहाव, 31 फाटक खोले गए, रेड अलर्ट जारी

काठमांडू,एजेंसी। कोसी बैराज में पानी का बहाव बढ़ने के बाद 31 गेट खोल दिए गए हैं। बैराज में फिलहाल 2 लाख 40 हजार क्यूसेक पानी का बहाव मापा गया है और स्थिति रेड अलर्ट पर है। प्रमुख जिला अधिकारी (सीडीओ) ईश्वरीप्रसाद अर्याल के मुताबिक पिछले वर्षों में कोसी में 5 लाख क्यूसेक से अधिक पानी का बहाव भी दर्ज किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि फिलहाल घबराने की जरूरत नहीं है, लेकिन प्रशासन पूरी तरह अलर्ट पर है। उन्होंने बताया कि कोसी पुल से होकर चलने वाले वाहनों की आवाजाही अभी नहीं रोकी गई है। फिलहाल वाहनों को रोकने की स्थिति नहीं है। हालांकि, पानी का बहाव और बढ़ने पर आवश्यकता के अनुसार निर्णय लिया जाएगा। इस बीच, मौसम विज्ञान विभाग ने सप्तकोसी में बाढ़ का स्तर लगातार बढ़ने को देखते हुए निचले तटीय इलाकों और बाढ़ की आशंका वाले क्षेत्रों में परसों तक उच्च सतर्कता बरतने का अनुरोध किया है।

पाकिस्तान-अफगानिस्तान सीमा पर गोलीबारी, कई तालिबान लड़ाके मारे गए

इस्लामाबाद,एजेंसी। पाकिस्तान के सुरक्षा बलों ने पाकिस्तान-अफगान सीमा के पास गुलिस्तान सेक्टर में अफगान तालिबान लड़ाकों के हमले की कोशिश को विफल कर दिया। पाकिस्तान ने दावा किया है कि उसकी जवाबी कार्रवाई में कई तालिबान लड़ाके मारे गए। सीमा पर गोलीबारी रुक-रुक कर जारी है। द न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, सूत्रों ने कहा कि सुरक्षा बलों ने सीमावर्ती इलाके में हुई आक्रामकता की कोशिश का तुरंत जवाब दिया और अफगान तालिबान लड़ाकों को भारी नुकसान पहुंचाया। पाकिस्तानी सुरक्षा बलों और अफगान तालिबान लड़ाकों के बीच रुक-रुक कर गोलीबारी जारी है। पाकिस्तान के सुरक्षा बल सीमा पर पूरी तरह सतर्क और चौकस हैं। सूचना मंत्री अताउल्लाह तरार ने कहा कि यह घटनाक्रम तब हुआ जब पाकिस्तान ने इस सप्ताह की शुरुआत में तालिबान शासन द्वारा किए गए ड्रोन हमलों की कोशिश के जवाब में अफगानिस्तान में 10 जगहों पर सटीक हवाई और ड्रोन हमले किए। इससे पहले अफगानिस्तान से देश के हवाई क्षेत्र में घुसने के बाद पाकिस्तान ने आठ ड्रोन मार गिराए।

नेपाल और नामीबिया के बीच राजनयिक संबंध स्थापित

काठमांडू। नेपाल और नामीबिया के बीच औपचारिक रूप से राजनयिक संबंध स्थापित हो गए हैं। इसके साथ ही नेपाल के राजनयिक संबंधों का अब दुनिया के 187 देशों तक विस्तार हो गया है। संयुक्त राष्ट्र की 81वीं महासभा में भाग लेने के लिए न्यूयॉर्क में मौजूद नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर खनाल और नामीबिया की अंतरराष्ट्रीय संबंध एवं व्यापार मंत्री सेल्मा असिपाला मुसावी ने राजनयिक संबंध स्थापित करने संबंधी संयुक्त विज्ञप्ति पर हस्ताक्षर किए। हस्ताक्षर से पहले दोनों देशों के विदेश मंत्रियों के बीच पारस्परिक हित से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विचार-विमर्श हुआ। नेपाल के विदेश मंत्रालय के अनुसार, बैठक में नेपाल में हाल ही में आई विनाशकारी जलवायुजनित आपदा से हुई मानवीय और भौतिक क्षति पर भी चर्चा की गई। दोनों मंत्रियों ने नेपाल और नामीबिया के बीच द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने की नई संभावनाएं तलाशने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि दोनों देशों और उनके नागरिकों की साझी प्रगति और समृद्धि के लिए आपसी सहयोग को आगे बढ़ाया जाना चाहिए।

ट्रंप के स्टेट डिनर में जिनपिंग ने 250 वर्षों के अमेरिका-चीन सहयोग को याद किया

वाशिंगटन,एजेंसी। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने अमेरिका की अपनी राजकीय यात्रा के दौरान गुरुवार को अमेरिकी इतिहास के 250 वर्षों के दौरान अमेरिका-चीन के बीच आदान-प्रदान और सहयोग के पलों को याद किया। शी ने वाशिंगटन और निक्सन का जिक्र करके द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान जापान के खिलाफ चीन और अमेरिका की सेनाओं के बीच सहयोग की बात की और इसे 'खून और आग में बनी दोस्ती' बताया। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार व्हाइट हाउस में स्टेट डिनर के दौरान चीनी नेता शी जिनपिंग ने सबसे पहले जॉर्ज वाशिंगटन की चीनी पोर्सिलेन (चीनी मिट्टी के बर्तन) इकट्ठा करने में रुचि का जिक्र किया। उन्होंने द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान जापान के खिलाफ चीनी और अमेरिकी सेनाओं के बीच सहयोग की बात की और इसे 'खून और आग में बनी दोस्ती' बताया।

इसके बाद शी ने 1972 में अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन की चीन की ऐतिहासिक यात्रा को याद किया। निक्सन और चीन के पहले नेता माओत्से तुंग के बीच हाथ मिलाने की घटना ने अमेरिका-चीन संबंधों के सामान्य होने की शुरुआत की। शी ने भविष्य में सहयोग का आह्वान करते हुए कहा, 'उस नदी की तरह जो कभी बहना नहीं छोड़ती, इतिहास भी कभी नहीं रुकता। उन्होंने कहा 'आइए हम सब मिलकर चीन-अमेरिका दोस्ती के खूबसूरत फूलों को संवारें। आइए हम सब मिलकर अपने मैत्रीपूर्ण संबंधों का एक नया अध्याय लिखें।' शी ने भाषण के आखिर में कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का 'मेक अमेरिका ग्रेट अगेन' एजेंडा, चीन के 'महान राष्ट्रीय पुनरुत्थान' के लक्ष्य के साथ-साथ चल सकता है। उन्होंने कहा, 'चीन और अमेरिका को जिम्मेदार प्रमुख देशों के रूप में काम करना चाहिए। अपने लोगों की उम्मीदों को पूरा करना चाहिए। समय की चाल के साथ कदम मिलाकर चलना चाहिए और प्रमुख देशों के एक-दूसरे के साथ मिल-जुलकर रहने का नया तरीका खोजना चाहिए। शी जिनपिंग ने मई में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ हुई पिछली समिट में इस्तेमाल किए गए कुछ खास शब्दों को फिर से दोहराया। इससे उनके संदेश और बीजिंग की लगातार बनी हुई चिंताओं में निरंतरता का संकेत मिलता है। उन्होंने ट्रंप को यह समझाने की कोशिश की कि चीन और अमेरिका को युद्ध में उलझने की जरूरत नहीं है। शी ने इस बात को दोहराया कि सहयोग से चिंता के महत्वपूर्ण क्षेत्रों में स्थिरता लाई जा सकती है। व्हाइट हाउस में हुए स्टेट डिनर में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीनी नेता शी जिनपिंग ने एक-दूसरे की जमकर तारीफ की। एक दशक से ज्यादा समय में शी का वाशिंगटन का यह पहला दौरा है। शी शुक्रवार को व्हाइट हाउस में चाय और नेशनल आर्काइव्स के दौरे के साथ अपनी यात्रा पूरी करेंगे। ट्रंप ने इस अवसर पर अमेरिका और चीन के बीच 'व्यापार और आपसी सम्मान की नींव' की सराहना की। उन्होंने कहा, 'राष्ट्रपति शी और मैं दोनों समझते हैं कि हम अलग-अलग सिस्टम का प्रतिनिधित्व करते हैं, लेकिन हमारे लोगों के बीच संबंध बने हुए हैं। स्टेट डिनर के दौरान मुख्य टेबल पर ट्रंप और शी के साथ अमेरिका की चार बड़ी टेक कंपनियों के अधिकारी बैठे दिखे। इनमें एनवीडिया के जेन्सेन हुआंग, एएमडी की सीईओ लिसा सु, टेस्ला के एलन मस्क और एप्पल के पूर्व सीईओ टिम कुक शामिल रहे। स्टेट डिनर के दौरान ट्रंप ने शी को बाल्ड ईगल (एक तरह का अमेरिकी बाज) की मूर्ति भेंट की। ट्रंप ने कहा, 'बाल्ड ईगल अमेरिका का राष्ट्रीय प्रतीक है और यह अमेरिका की आजाद और ऊंची उड़ान भरने वाली भावना का प्रतीक है।'

बांग्लादेश में पूर्व पुलिस अधिकारी पर राजद्रोह का आरोप, गिरफ्तार

ढाका (बांग्लादेश)। बांग्लादेश में ढाका कैंटोनमेंट पुलिस स्टेशन के पूर्व ऑफिसर-इन-चार्ज (ओसी) मो. रकीबुल हसन को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस का कहना है कि उन्हें सोशल मीडिया पर देशविरोधी और भड़काऊ बयान फैलाने के आरोपों में दर्ज राजद्रोह के मामले में गुरुवार को गिरफ्तार किया गया।

ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, पुलिस की डिटेक्टिव ब्रांच (डीबी) ने शाम को उन्हें ढाका के चीफ मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट कोर्ट में पेश किया और सात दिन का रिमांड मांगा। ढाका मेट्रोपॉलिटन पुलिस (डीएमपी) के एडिशनल कमिश्नर (डीबी) मो. शफीकुल इस्लाम ने बताया कि पुलिस ने रकीबुल के खिलाफ पहले कैंटोनमेंट पुलिस स्टेशन में राजद्रोह का मामला दर्ज किया और फिर उन्हें गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया। रिपोर्ट में कहा गया है कि एक ऑडियो क्लिप 16 सितंबर को सोशल मीडिया पर सामने आई। तब रकीबुल कैंटोनमेंट ओसी के तौर पर काम कर रहे थे। रिकॉर्डिंग में उन्हें शेख हसीना की बांग्लादेश वापसी की संभावना, पुलिस बल की ताकत और वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के राजनीतिक जुड़ाव पर टिप्पणी करते हुए सुना गया। उन्होंने पुलिस पोस्टिंग में पैसों के लेन-देन और दूसरी गड़बड़ियों का भी आरोप लगाया। ऑडियो के चर्चा में आने के बाद अगले ही दिन रकीबुल को कैंटोनमेंट पुलिस स्टेशन से हटा दिया गया और प्रशासनिक कारणों का हवाला देते हुए डीएमपी मुख्यालय के सेंट्रल रिजर्व ऑफिस और राजारबाग स्थित एडमिनिस्ट्रेशन डिवीजन से अटैच कर दिया गया। इसके बाद जांच के लिए तीन सदस्यों की एक कमेटी भी बनाई थी। पुलिस अधिकारियों ने पहले कहा था कि रकीबुल को 17 सितंबर की रात मिंटो रोड स्थित डीबी ऑफिस ले जाया गया था। हालांकि, अगले दिन डीबी चीफ शफीकुल इस्लाम ने इससे इनकार किया कि उन्हें वहां ले जाया गया था। लगभग एक हफ्ते तक रकीबुल के ठिकाने के बारे में कोई जानकारी नहीं मिल पाई थी। शफीकुल ने बताया कि जांच कमेटी ने बुधवार को डीएमपी कमिश्नर को अपनी रिपोर्ट सौंपी, जिसके बाद गुरुवार को राजद्रोह का मामला दर्ज करने का फैसला लिया गया। ऑडियो क्लिप में रकीबुल को यह कहते हुए सुना गया कि दिसंबर में शेख हसीना के लौटने की उम्मीद है और अगर वह लौटती हैं तो पुलिस कुछ नहीं कर पाएगी। उन्होंने सड़कों पर मौजूद पुलिस को 'बेहद कमजोर' बताया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि पुलिस के सीनियर अधिकारी बीएनपी का समर्थन करते हैं।

नेपाल में भारी बारिश और भूस्खलन, काठमांडू आने-जाने वाले सभी प्रमुख राजमार्ग बंद

काठमांडू। नेपाल की राजधानी काठमांडू आने-जाने वाले सभी प्रमुख राजमार्ग भूस्खलन के कारण अवरुद्ध हो गए हैं। गुरुवार दोपहर से लगातार हो रही बारिश के कारण पृथ्वी राजमार्ग, कान्ति लोकपथ और बीपी राजमार्ग पर यातायात पूरी तरह ठप हो गया है। पुलिस के अनुसार, धादिंग के कृष्णभीर समेत आधा दर्जन से अधिक स्थानों पर भूस्खलन हुआ है। धादिंग जिला पुलिस कार्यालय के एसपी सुमित खड्का ने बताया कि कृष्णभीर समेत सात स्थानों पर रात में पत्थरों के साथ भूस्खलन होने के कारण राजमार्ग पूरी तरह बंद हो गया।

गुरुवार शाम से ही पृथ्वी राजमार्ग पर रातभर वाहनों की आवाजाही रोक दी गई थी। स्थानीय प्रशासन की योजना शुक्रवार सुबह 5 बजे से यातायात दोबारा शुरू करने की थी, लेकिन लगातार बारिश और नए भूस्खलन के कारण अब पृथ्वी राजमार्ग को अनिश्चितकाल के लिए बंद कर दिया गया है। धादिंग जिला प्रशासन कार्यालय ने शुक्रवार सुबह सूचना जारी कर अगले आदेश तक पृथ्वी राजमार्ग से चलने वाले सभी वाहनों की आवाजाही पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया है। मुख्य जिला अधिकारी लक्ष्मी पांडे गौतम के अनुसार, मौसम विज्ञान विभाग ने आने वाले कुछ दिनों तक भारी से अति भारी बारिश की संभावना जताई है। संभावित जोखिम और यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया गया है। 26 अगस्त को त्रिशूली नदी के कटाव के कारण कृष्णभीर क्षेत्र में सड़क का एक हिस्सा धंस गया था। इसके बाद करीब दो सप्ताह में डायवर्जन बनाकर यातायात बहाल किया गया था। ताजा बारिश के दौरान उसी डायवर्जन और आसपास के अन्य हिस्सों में भी भूस्खलन हो गया। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि अत्यंत आवश्यक न होने पर घर से बाहर न निकलें। लगातार बारिश और भूस्खलन के कारण सड़क मार्ग से यात्रा करने वालों के लिए जोखिम बढ़ गया है।

अमेरिकी सैनिकों ने इक्वाडोर में कुख्यात मैक्सिकन कार्टेल से जुड़े 30 अपराधियों को गिरफ्तार करने में मदद की

क्विटो (इक्वाडोर),एजेंसी। इक्वाडोर के गृहमंत्री जॉन रीमबर्ग ने गुरुवार को कहा कि अमेरिकी सैनिकों ने मैक्सिको के कुख्यात 'जालिस्को न्यू जेनरेशन कार्टेल' (सीजेएनजी) की स्थानीय शाखा को खत्म करने और उसके 30 से ज्यादा सदस्यों को गिरफ्तार करने में मदद की। उन्होंने कहा कि वाशिंगटन का सहयोगी देश इक्वाडोर लैटिन अमेरिका में संगठित अपराध के खिलाफ राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की कार्रवाई में ताकत के साथ सहयोग कर रहा है। सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार इक्वाडोर के गृहमंत्री जॉन रीमबर्ग ने 'एक्स' पर जानकारी दी कि गुरुवार तड़के चलाया गया यह ऑपरेशन अमेरिकी सैनिकों और ड्रग एनफोर्समेंट एडमिनिस्ट्रेशन (डीईए) के साथ मिलकर किया गया। उन्होंने कहा कि सीजेएनजी से संबंध रखने वाले 30 से ज्यादा अपराधियों को गिरफ्तार किया गया। उन्होंने बताया कि यह समूह दुनिया के सबसे बड़े कोकीन उत्पादक देश कोलंबिया से दक्षिण-पश्चिमी इक्वाडोर के बंदरगाहों के जरिए अंतरराष्ट्रीय बाजार में कोकीन की तस्करी में शामिल था। उन्होंने कहा कि कई शहरों में चले इस ऑपरेशन में इक्वाडोर के लगभग 320 पुलिस अधिकारी और अमेरिकी सदर्न कमांड के 50 वर्दीधारी जवान शामिल रहे। रीमबर्ग ने ऑपरेशन की तस्वीरें और वीडियो भी जारी किए। इनमें अधिकारियों को छापा मारते और संदिग्धों को गिरफ्तार करते हुए दिखाया गया है।

इक्वाडोर में आपराधिक संगठनों के खिलाफ सैन्य कार्रवाई ने मानवाधिकार संगठनों के बीच चिंता पैदा कर दी है। यह संगठन बल के अत्यधिक प्रयोग, यातना और लोगों के जबरन गायब किए जाने के मामलों की निंदा करते हैं। हालांकि, दक्षिणपंथी राष्ट्रपति डैनियल नोबोआ ने बुधवार को संयुक्त राष्ट्र महासभा को संबोधित करते हुए इन चिंताओं को खारिज कर दिया। नोबोआ ने कहा, 'हमें संगठित अपराध के खिलाफ लड़ाई को लेकर बहुत आलोचना मिलती है, लेकिन संगठित अपराध के कारण होने वाली मौतों या पीड़ितों की संख्या को लेकर बहुत कम चिंता जताई जाती है।' इस साल की शुरुआत में अमेरिकी कमांडो ने इक्वाडोर के सैनिकों के साथ मिलकर एक जॉइंट मिशन में हिस्सा लिया। इस मिशन का मकसद देश के तट पर एक कथित नार्को-टेररिस्ट संगठन के संदिग्ध आपराधिक अड्डे को खत्म करना था। यह बात किसी से छुपी नहीं है कि कुछ ही सालों में इक्वाडोर दक्षिण अमेरिका के सबसे सुरक्षित देशों में से एक होने के बजाय कोकीन तस्करी का अड्डा बन गया है, जहां मैक्सिकन और कोलंबियाई कार्टेल से जुड़े गिरोहों का बोलबाला है। जून, 2025 में देश के सबसे बड़े ड्रग लॉर्ड एडोल्फो मैकियास को दोबारा पकड़े जाने के बाद भी इक्वाडोर में अपराधी गिरोह हिंसा में लिप्त हैं। मैकियास 'लॉस चोनेरोस' गैंग का लीडर है और 2024 में एक मैक्सिमम-सिक्योरिटी जेल से भाग गया था। जुलाई, 2025 में इक्वाडोर सरकार ने मैकियास को अमेरिका भेज दिया। अमेरिका में उस पर ड्रग तस्करी और हथियारों से जुड़े कई आरोप हैं।

बांग्लादेश के मयमनसिंह में नहर के पानी से ड्रम में बंद हिंदू स्वर्णकार का क्षत-विक्षत शव मिलने से दहशत में अल्पसंख्यक

ढाका,एजेंसी। बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय पर अत्याचार की घटनाएं थम नहीं रहीं। इस बार बांग्लादेश के मयमनसिंह सदर इलाके की एक नहर से पुलिस ने एक हिंदू स्वर्णकार का ड्रम में बंद क्षत-विक्षत शव बरामद किया है। मृतक की पहचान निरंजन चंद्र सूत्रधर (50) के रूप में हुई है। वह मयमनसिंह जिले के त्रिशाल उपजिला निवासी रमेंद्र चंद्र सूत्रधर के पुत्र थे। पेशे से स्वर्णकार निरंजन अपने परिवार के साथ मयमनसिंह शहर के स्टेडियम के निकट किराये के मकान में रहते थे। गुरुवार शाम पुलिस ने मृतक की पहचान सार्वजनिक की है।

पुलिस और स्थानीय सूत्रों के अनुसार, बुधवार सुबह मयमनसिंह शहर के बेगुनबाड़ी स्लुइसगेट के पास नहर में लोगों ने एक प्लास्टिक का ड्रम तैरता देखा। ड्रम को देखकर संदेह होने पर उन्होंने तत्काल थाने को इसकी सूचना दी। सूचना के बाद दोपहर में पुलिस मौके पर पहुंची और नहर से नीले रंग का प्लास्टिक का ड्रम बरामद किया। ड्रम का ढक्कन खोलने पर उसके अंदर से निरंजन चंद्र सूत्रधर का रक्तरंजित शव बरामद हुआ। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्रक्रिया पूरी होने के बाद गुरुवार को शव परिजनों को सौंप दिया गया। जांच कर रहे पुलिस अधिकारियों का प्रारंभिक अनुमान है कि हत्या की गई है। मृतक के सिर और सीने पर धारदार हथियार के कई गहरे निशान मिले हैं। पुलिस को आशंका है कि बदमाशों ने निरंजन की हत्या किसी अन्य स्थान पर करने के बाद सबूत मिटाने के उद्देश्य से शव को ड्रम में भरकर रात के अंधेरे में नहर में बहा दिया। उल्लेखनीय है कि, बांग्लादेश के मौलवीबाजार में भी हाल में एक युवा हिंदू चिकित्सक और उनके पिता की असामान्य एवं रहस्यमय मौत का मामला सामने आया था। गत 7 सितंबर को सिलहट शहर स्थित एक मकान से ब्राह्मणबाड़िया मेडिकल कॉलेज के युवा चिकित्सक पद्मजीत चक्रवर्ती प्रांत (31) का फंदे से लटका शव बरामद किया गया था। इसके बाद 17 सितंबर को उनके पिता पूर्णेंदु चक्रवर्ती का शव भी परिवार के कारोबारी प्रतिष्ठान की दूसरी मंजिल से बरामद किया गया। 11 दिनों के अंतराल पर पिता-पुत्र की इस तरह हुई मौतों से सुनियोजित हत्या की आशंका गहरा गई है। बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं के खिलाफ लगातार हो रही हिंसा और उत्पीड़न की घटनाओं पर रोष व्यक्त करते हुए बांग्लादेश राष्ट्रीय हिंदू महासंघ के महासचिव पलाश कांति डे ने पूरे मामले की निष्पक्ष न्यायिक जांच की मांग की है। उन्होंने अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने को लेकर भी चिंता व्यक्त की है।

खनाल बोले- नेपाल को एशिया का आर्थिक, डिजिटल और रणनीतिक 'ब्रिज' बनाना होगा

काठमांडू,एजेंसी। नेपाल के विदेशमंत्री शिशिर खनाल ने कहा है कि एशिया के बढ़ते आर्थिक और रणनीतिक प्रभाव के बीच नेपाल को अपनी भौगोलिक स्थिति को चुनौती नहीं, बल्कि अवसर में बदलना चाहिए। उन्होंने नेपाल को एशिया के आर्थिक, डिजिटल और रणनीतिक 'ब्रिज' के रूप में विकसित करने पर जोर दिया।

न्यूयॉर्क में एशिया सोसाइटी द्वारा आयोजित 'स्टियरिंग नेपाल्स फ्यूचर इन एशियाज राइजिंग सेंचुरी' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए खनाल ने कहा कि नेपाल को अपनी भौगोलिक स्थिति को राष्ट्रीय आकांक्षाओं की सीमा नहीं मानना चाहिए। विदेश मंत्री खनाल ने नेपाल को पारंपरिक रूप से 'छोटा देश' मानने वाली सोच बदलने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा, 'नेपाल छोटा नहीं है। नेपाल रणनीतिक रूप से सही स्थान पर है। हमारे पड़ोसियों का आकार भूगोल की वास्तविकता है, लेकिन यह हमारी महत्वाकांक्षा की सीमा कभी नहीं बनना चाहिए।' उन्होंने नेपाल के भूगोल और आबादी की अन्य देशों से तुलना करते हुए कहा कि नेपाल को केवल उसके आकार के आधार पर नहीं समझा जाना चाहिए।

हाल में आई विनाशकारी बाढ़ का जिक्र करते हुए खनाल ने इसे 'हिमालयन सुनामी' बताया। उन्होंने कहा कि नेपाल लंबे समय से प्राकृतिक आपदाओं, कठिन भूगोल और संरचनात्मक चुनौतियों का सामना करता रहा है। खनाल ने कहा कि हाल की आपदा ने स्पष्ट संदेश दिया है कि जलवायु परिवर्तन को नेपाल की विदेश नीति की रणनीतिक प्राथमिकता बनाया जाना चाहिए। उन्होंने प्रभावी पूर्व चेतावनी प्रणाली, जल संबंधी आंकड़ों के आदान-प्रदान, पूर्वानुमान योग्य अनुदान आधारित जलवायु वित्त तथा पड़ोसी देशों और अंतरराष्ट्रीय समुदाय के साथ व्यावहारिक सहयोग को प्राथमिकता देने की बात कही। एशिया के उदय को नेपाल के लिए महत्वपूर्ण अवसर बताते हुए खनाल ने कहा कि दुनिया की करीब 60 प्रतिशत आबादी एशिया में रहती है और वैश्विक अर्थव्यवस्था में एशिया का योगदान भी बड़ा है। उन्होंने काठमांडू को एशिया के आर्थिक और सामाजिक परिवर्तन के महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में विकसित करने की संभावना बताई। उन्होंने कहा, 'हमारा सवाल अब यह नहीं है कि दो बड़े पड़ोसियों के बीच नेपाल कैसे बचेगा। हमारा सवाल है—नेपाल उनके बीच और उनसे आगे कैसे मूल्य पैदा करेगा?' खनाल ने गौतम बुद्ध की जन्मस्थली लुंबिनी तथा अरनिको और भृकुटी जैसी ऐतिहासिक हस्तियों का उल्लेख करते हुए कहा कि इन विरासतों ने नेपाल को एशियाई सभ्यता और संस्कृति के महत्वपूर्ण संपर्क स्थल के रूप में स्थापित किया है।उन्होंने कहा, 'हमारे पूर्वजों ने एक स्पष्ट सत्य समझा था—संपर्क समृद्धि पैदा करता है, जबकि अलगाव गरीबी बढ़ाता है। विदेश मंत्री ने नेपाल की जलविद्युत क्षमता को क्षेत्रीय आर्थिक परिवर्तन से जोड़ने की बात कही। उन्होंने बताया कि नेपाल से उत्पादित स्वच्छ बिजली भारत के रास्ते बांग्लादेश तक निर्यात की जा रही है। उन्होंने कहा कि सीमावर्ती विशेष आर्थिक क्षेत्रों में उत्पादन का विस्तार कर वैश्विक आपूर्ति शृंखलाओं को नेपाल से जोड़ा जा सकता है।

एक नजर

गूगल पर फर्जी एस्कॉर्ट सर्विस के विज्ञापन देकर लूटपाट और ब्लैकमेलिंग करने वाले गिरफ्तार

जयपुर,एजेंसी। गूगल पर 'एस्कॉर्ट सर्विस' के नाम से फर्जी विज्ञापन चलाकर लोगों को जाल में फंसाने, मारपीट कर लूटने और ब्लैकमेल करने वाले गिरोह का जवाहर सर्किल थाना पुलिस ने पर्दाफाश किया है। पुलिस ने मामले में महिला समेत दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। दोनों को अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें पुलिस रिमांड पर लिया गया है। पुलिस गिरोह के अन्य सदस्यों और पूर्व की वारदातों के संबंध में पूछताछ कर रही है। डीसीपी पूर्व रंजीता शर्मा ने बताया कि शहर में राहगीरों से मारपीट और लूट की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए जवाहर सर्किल थानाधिकारी महेश चंद्र के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई थी। पुलिस ने हेमंत पाठक (23) निवासी महापुरा, भांकरोटा जयपुर मूल निवासी बामनगांव, नैनवां, बूंदी तथा रक्षा मलकानी (31)निवासी मुहाना मंडी जयपुर मूल निवासी पूनम मुंबई को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दोनों आरोपियों को अदालत में पेश कर रिमांड पर लिया है। पुलिस पूछताछ में सामने आया कि आरोपित गूगल पर 'एस्कॉर्ट सर्विस' के नाम से ऑनलाइन विज्ञापन चलाते थे और अपने मोबाइल नंबर को सर्च में ऊपर दिखाने का प्रयास करते थे। कोई व्यक्ति 'नीयर मी एस्कॉर्ट सर्विस' सर्च कर संपर्क करता तो उससे रुपए ऐंठे जाते, लेकिन सेवा उपलब्ध नहीं कराई जाती थी।

इसके बाद ग्राहक को एक तय स्थान पर बुलाया जाता और डराने-धमकाने, मारपीट व ब्लैकमेलिंग के जरिए रुपए और मोबाइल लूट लिए जाते थे। पूछताछ में गिरोह के अन्य साथियों और इसी तरह की अन्य वारदातों का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है। साथ ही पुलिस अब इस पूरे नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका की जांच कर रही है। जवाहर सर्किल थानाधिकारी महेश चंद्र के अनुसार 2 जून को विकास कुमार मीणा ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 1 जून की रात करीब 11 बजे वह जगतपुरा स्टेशन से घर जा रहा था। रास्ते में कार सवार बदमाशों ने रास्ता पूछने के बहाने उसे रोका और मदद का झांसा देकर कार में बैठा लिया। कार में बैठते ही उसके साथ मारपीट की गई और जेब से करीब 15 हजार रुपए नकद और मोबाइल फोन छीन लिया। आरोपियों ने ऑनलाइन ट्रांसफर के जरिए अन्य लोगों से भी रुपए मंगवाने का प्रयास किया, लेकिन इसमें सफल नहीं होने पर लाठी-डंडों से मारपीट की। इसके बाद परिवादी को एक अनजान स्थान पर छोड़कर फरार हो गए। पुलिस ने बीएनएस की विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू की। आरोपियों को चिन्हित करते हुए पकड़ा है।

भाजपा संगठन काशी क्षेत्र के 31,168 बूथों पर मनी पं. दीनदयाल उपाध्याय की जयंती

वाराणसी,एजेंसी। एकात्म मानववाद एवं अंत्योदय के प्रणेता, प्रखर विचारक एवं पथ प्रदर्शक पं. दीनदयाल उपाध्याय की 110वीं जयंती पर शुक्रवार को भाजपा काशी क्षेत्र के सभी 16 संगठनात्मक जिलों के 337 मंडलों में 31,168 बूथों पर कार्यक्रम आयोजित किए गए। पार्टी के नेताओं ने बूथों पर पं. दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर चर्चा की। पार्टी की योजनानुसार बूथों पर स्वच्छता अभियान भी चलाया गया। इस अवसर पर पार्टी के काशी क्षेत्र अध्यक्ष अशोक चौरसिया ने रोहनिया स्थित क्षेत्रीय मुख्यालय में स्थापित पं. दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा पर पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के साथ पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। काशी क्षेत्र अध्यक्ष ने कहा कि पं. दीनदयाल उपाध्याय का चिंतन और विचार सभी के लिए प्रेरणास्रोत है।

उन्होंने समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति के जीवन में खुशहाली लाने, सभी की प्रगति और विकास के लिए एकात्म मानववाद का दर्शन दिया। इस दर्शन का मूल भाव समाज के अंतिम व्यक्ति के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाना है। अशोक चौरसिया ने कहा कि पं. दीनदयाल उपाध्याय ने अपना पूरा जीवन राष्ट्रसेवा के लिए समर्पित कर दिया। आज केंद्र की मोदी सरकार और प्रदेश की योगी सरकार उनकी विचारधारा को आगे बढ़ाते हुए समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति के जीवन में खुशहाली लाने के लिए कार्य कर रही हैं। जयंती कार्यक्रम से पहले रोहनिया स्थित क्षेत्रीय मुख्यालय परिसर में पार्टी के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने स्वच्छता अभियान चलाया। कार्यकर्ताओं ने पूरे परिसर में झाड़ू लगाकर साफ-सफाई की। इसके बाद परिसर में पौधरोपण किया गया।

केशव प्रसाद मौर्य ने अमित शाह से की भेंट, मिशन यूपी-2027 और संगठन पर हुआ मंथन

सद्भावना टुडे, संवाददाता

नई दिल्ली/लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने शुक्रवार को केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह से नई दिल्ली स्थित उनके आवास पर शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान आगामी उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव-2027 की तैयारियों, संगठनात्मक गतिविधियों तथा केंद्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति सहित विभिन्न समसामयिक विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई।

2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर रणनीति पर चर्चा

मुलाकात के बाद उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि वर्ष 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में भाजपा की लगातार तीसरी बार सरकार बनाने के संकल्प को लेकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के साथ विस्तृत रणनीति पर विचार-विमर्श हुआ। मौर्य के अनुसार, पार्टी कार्यकर्ता प्रदेशभर में विशेष जनसंपर्क अभियान चलाकर केंद्र और प्रदेश की 'डबल इंजन' सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं एवं उपलब्धियों को घर-घर तक पहुंचाएंगे। सरकार की योजनाओं से आम नागरिकों और गरीब परिवारों को मिले लाभ की जानकारी भी जनता तक पहुंचाने पर जोर दिया जाएगा।

मोदी सरकार के 12 वर्षों की उपलब्धियां गिनाई

उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि बीते 12 वर्षों में देश में व्यापक स्तर पर विकास कार्य हुए हैं। उन्होंने पक्के आवास, स्वास्थ्य सुरक्षा, उज्ज्वला योजना, हर घर नल से जल, डीबीटी तथा बुनियादी ढांचे के विकास जैसी योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि इन योजनाओं से समाज के विभिन्न वर्गों को लाभ मिला है। मौर्य ने कहा कि भारत को विकसित और आत्मनिर्भर बनाने के लक्ष्य की दिशा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नेतृत्व महत्वपूर्ण है।

अमित शाह के मार्गदर्शन के लिए जताया आभार

मुलाकात के समापन पर उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि अमित शाह का संगठनात्मक अनुभव, मार्गदर्शन और सुझाव पार्टी के संगठन तथा सरकार को आगे की दिशा तय करने में सहयोग प्रदान करते हैं। मौर्य ने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों के साथ-साथ केंद्र और प्रदेश सरकार की योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाना पार्टी कार्यकर्ताओं की प्राथमिकताओं में शामिल रहेगा।

केन्द्रीय मंत्री गडकरी ने की मध्य प्रदेश में राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं की समीक्षा

भोपाल,एजेंसी। केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने शुक्रवार को मध्य प्रदेश के दौरान के दौरान भोपाल में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के साथ मुख्यमंत्री निवास में राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं की समीक्षा की। बैठक में प्रदेश के लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह, मुख्य सचिव अशोक बर्णवाल उपस्थित थे। बैठक में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन और केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी की पहल से प्रदेश में सड़क परियोजनाओं का क्रियान्वयन तेजी से हो रहा हैं। इससे औद्योगिक गतिविधियों के साथ ही धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने में मदद मिली है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने केन्द्रीय मंत्री गडकरी को प्रदेश की प्रमुख परियोजनाओं और भविष्य के सड़क विस्तार योजनाओं की जानकारी भी दीं।

केन्द्रीय मंत्री गडकरी ने कहा कि सड़क परियोजनाओं के निर्माण में गुणवत्ता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। हर प्रोजेक्ट का डिजाइन सड़क सुरक्षा की दृष्टि से भी तकनीकी मानकों के अनुरूप हों। ऐसे स्थानों पर जहाँ क्षेत्रीय निवासियों को हो रही कठिनाइयों के कारण, सड़क परियोजनाएं लम्बित हो रही है, वहां परस्पर संवाद और समन्वय से समाधान निकाला जाए। भूमि अधिग्रहण और वन स्वीकृति के प्रकरणों में राज्य सरकार के अधिकारी केन्द्रीय मंत्रालयों से परस्पर सम्पर्क में रहें। किसी भी स्थिति में परियोजनाओं को पूर्ण करने में विलंब न हों। केन्द्रीय मंत्री गडकरी ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी का बटेश्वर (उ.प्र.) से विशेष संबंध रहा है। अटल एक्सप्रेस-वे का निर्माण बटेश्वर तक किया जाएगा। उन्होंने सिंहस्थ : 2028 के दृष्टिगत उज्जैन को जोड़ने वाले सभी मार्गों को तेजी से पूरा करने के निर्देश दिए। गडकरी ने जबलपुर के शहपुरा आर.ओ.बी. के क्षतिग्रस्त होने से प्रभावित आवागमन के दृष्टिगत नागरिकों की परेशानी को देखते हुए शहपुरा टोल प्लाजा पर टोल वसूली स्थगित करने के निर्देश दिए। बैठक में कान्हा राष्ट्रीय उद्यान की सड़क कनेक्टिविटी नागपुर, जबलपुर और रायपुर से बढ़ाने के लिए आवश्यक कार्य योजना बनाने के निर्देश भी दिए गए। गडकरी ने कहा कि बालाघाट जिले में बेहतर रोड नेटवर्क के लिए कार्य योजना बनाई जाए। बैठक में देवास जिले में सन्दलपुर से नसरूल्लागंज बायपास, उज्जैन झालाबड़ फोरलेन, सतना चित्रकूट फोरलेन, जबलपुर-लखनादौन-रायपुर ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस-वे से संबंधित विषयों पर चर्चा हुई तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इसके साथ ही लौनी-बुरहानपुर लिंक के संबंध में भी चर्चा हुई।

रांची में एआइओएस की मिड-टर्म कॉन्फ्रेंस शुरू, जुटे 1500 नेत्र रोग विशेषज्ञ

रांची,एजेंसी। राजधानी रांची में शुक्रवार को ऑल इंडिया ऑप्थैल्मोलॉजिकल सोसाइटी (एआइओएस) की 5वीं मिड-टर्म कॉन्फ्रेंस 2026 का भव्य शुभारंभ शुक्रवार रात हुआ। होटल बीएनआर में आयोजित इस राष्ट्रीय सम्मेलन में देश के विभिन्न हिस्सों से करीब 1500 नेत्र चिकित्सक एवं विशेषज्ञ शामिल हुए। झारखंड में पहली बार आयोजित यह सम्मेलन नेत्र चिकित्सा के क्षेत्र में नवीनतम तकनीक, अत्याधुनिक उपचार पद्धतियों और शोध के आदान-प्रदान का महत्वपूर्ण मंच बना।

सम्मेलन का उद्घाटन झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी, स्वास्थ्य सचिव अजय कुमार सिंह, आयोजन समिति के चेयरमैन डॉ. बीपी कश्यप एवं आयोजन सचिव डॉ. भारती कश्यप ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर एआइओएस के अध्यक्ष डॉ. जीवन तितियाल, निर्वाचित अध्यक्ष डॉ. मोहन राजन, राष्ट्रीय महासचिव संतोष होनावर सहित देशभर से आए कई वरिष्ठ नेत्र विशेषज्ञ एवं चिकित्सक उपस्थित रहे। उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने कहा कि रांची में देशभर के प्रमुख नेत्र विशेषज्ञों का एक मंच पर जुटना झारखंड के लिए गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि इस तरह के राष्ट्रीय स्तर के सम्मेलनों से राज्य के चिकित्सकों और युवा मेडिकल प्रोफेशनल्स को नवीनतम शोध, तकनीक और उपचार पद्धतियों से सीधे जुड़ने का अवसर मिलता है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार स्वास्थ्य सेवाओं को आधुनिक और तकनीक आधारित बनाने की दिशा में लगातार काम कर रही है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रोबोटिक सर्जरी और आधुनिक हेल्थ टेक्नोलॉजी जैसी उभरती तकनीकों को स्वास्थ्य सेवाओं से जोड़ने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। उन्होंने उम्मीद जताई कि सम्मेलन से निकलने वाले वैज्ञानिक विचार और अनुभव राज्य की नेत्र चिकित्सा सेवाओं को और मजबूत करने में उपयोगी साबित होंगे। आयोजन सचिव डॉ. भारती कश्यप ने कहा कि सम्मेलन का एक प्रमुख उद्देश्य झारखंड की युवा चिकित्सकीय प्रतिभाओं को राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा, शोध और अनुभव साझा करने का अवसर उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि रांची में देशभर के विशेषज्ञों का आगमन राज्य के चिकित्सा क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उन्होंने बताया कि सम्मेलन के दौरान रिफ्रैक्टिव सर्जरी, मोतियाबिंद, कॉर्निया, डायबिटिक रेटिनोपैथी और ग्लूकोमा सहित नेत्र चिकित्सा के विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विशेषज्ञों द्वारा विस्तृत चर्चा की गई। अत्याधुनिक उपचार तकनीकों और नवीनतम वैज्ञानिक शोध पर केंद्रित विभिन्न तकनीकी सत्र आयोजित किए गए। सम्मेलन में लाइव सर्जरी, वैज्ञानिक प्रस्तुतियां, साइंटिफिक प्रतियोगिताएं और युवा चिकित्सकों के लिए विशेष सत्र आयोजित किए गए। इन कार्यक्रमों के माध्यम से चिकित्सकों को जटिल मामलों के आधुनिक उपचार, नवीन सर्जिकल तकनीकों और बदलती चिकित्सा पद्धतियों को करीब से समझने का अवसर मिला।

मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा से आसान होगा प्रदेशवासियों का सफर : डॉ. मोहन यादव

भोपाल,एजेंसी। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी की उपस्थिति में प्रदेशवासियों को मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा की सौगात दी। उन्होंने भोपाल के भेल दशहरा मैदान में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में सात शहरों की 351 इंटरसिटी और इंट्रासिटी बसों को झंडी दिखाकर रवाना किया। मुख्यमंत्री कार्यक्रम के बाद स्वयं भेल दशहरा मैदान से टिकिट लेकर बस से ही मुख्यमंत्री निवास पहुंचे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेशवासियों को सुगम, सुरक्षित, आधुनिक और पर्यावरण अनुकूल परिवहन सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से परिवहन विभाग द्वारा मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा शुरू की जा रही है। इस सेवा से शहरी ग्रामीण क्षेत्रों में बस कनेक्टिविटी को मजबूत किया जाएगा। प्रदेश की 75% ग्राम पंचायतों तक परिवहन सेवा का विस्तार होगा। इस इण्टरसिटी और इण्टर स्टेट बस सेवा के अंतर्गत अगले 5 वर्षों में 3500 से अधिक मार्गों पर 15 हजार से अधिक बसों का चरणबद्ध विस्तार होगा।

उन्होंने कहा कि पूरे प्रदेश में नगरों, छोटे कस्बों और ग्रामीण क्षेत्रों तक आम आदमी के लिए सफर आसान होगा। यह ऐसा एकीकृत परिवहन तंत्र है जो यात्रा के समय को कम करेगा और सफर को अधिक सुगम बनाएगा। पूरे प्रदेश में आधुनिक-सुविधाजनक बस स्टॉप, बस टर्मिनल और निजी बस ऑपरेटरों के लिए बस डिपो विकसित किए जाएंगे। मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा में ऑनलाइन टिकटिंग, ईवी और सीएनजी बसों को प्राथमिकता देते हुए पर्यावरण अनुकूल आधुनिक बसें, शामिल होंगी। यात्री फीडबैक के आधार पर शिकायतों और समस्याओं के त्वरित समाधान के

लिए 24म7 कस्टमर केयर सुविधा रहेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा के भेल दशहरा मैदान पर आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया। कार्यक्रम राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम के गान के साथ आरंभ हुआ। मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा और पीएम ई-बस सेवा पर लघु फिल्म का प्रदर्शन किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव और केन्द्रीय मंत्री गडकरी ने मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा और पीएम ई-बस सेवा योजना के तहत बसों का सिंगल क्लिक से लोकार्पण किया तथा कार्यक्रम स्थल से बसों का झंडी दिखाकर रवाना किया। मुख्यमंत्री ने भेल दशहरा मैदान पर उपस्थित जनसमुदाय को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मोत्सव 17 सितंबर से 17 अक्टूबर के अवसर पर सेवा संकल्प माह और एकात्म मानववाद के प्रणेता पं. दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर 21 साल बाद मध्य प्रदेश में सार्वजनिक परिवहन बस सेवा पुन: शुरू हो रही है। जनता की सेवा के संकल्प की पूर्ति का नया अध्याय लिखा गया है। हमारी सड़क परिवहन सेवाओं का लाभ प्रदेश के दूर-दराज स्थित जनजातीय क्षेत्रों को भी मिलेगा। गरीब और जरुरतमंदों के लिए प्रदेश सरकार ने सेवा का संकल्प लिया है। केंद्रीय मंत्री श्री गडकरी के माध्यम से प्रदेश में सड़कों और हाईवे का जाल बिछ रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा और पीएम ई-बस सेवा के माध्यम से सार्वजनिक परिवहन के एक आधुनिक और यूनिक मॉडल की शुरुआत हो रही है। बसों में यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा के लिए सीसीटीवी, पैनिक बटन, इमरजेंसी डोर, जीपीएस मॉनिटरिंग, ऑनलाइन टिकटिंग, शिकायतों के

बैंक ऑफ बड़ौदा की पहल से विद्यार्थियों को मिला रचनात्मकता का मंच

सद्भावना टुडे, संवाददाता

नई दिल्ली। हिंदी भाषा, साहित्य एवं विद्यार्थियों की रचनात्मक प्रतिभा को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से बैंक ऑफ बड़ौदा, मालवीय नगर शाखा की ओर से दिल्ली नगर निगम प्राथमिक सह-शिक्षा विद्यालय, साधना एन्क्लेव में कक्षा चतुर्थ एवं पंचम के विद्यार्थियों के लिए 'बॉब हिंदी प्रतियोगिता एवं बैंकिंग जागरूकता कार्यक्रम' के अंतर्गत कला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में बैंक ऑफ बड़ौदा, मालवीय नगर शाखा की वरीय शाखा प्रबंधक नेहा पटनी तथा बैंक के मुख्यालय सीपी से प्रबंधक शमा सैनी के सानिध्य में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता में बच्चों ने अपनी कल्पनाशीलता, कलात्मक अभिव्यक्ति और सृजनात्मक प्रतिभा का सुंदर प्रदर्शन किया। विद्यालय प्रभारी भोला झा ने बताया कि विद्यार्थियों को विद्यालयी पाठ्यक्रम से इतर रचनात्मक गतिविधियों का अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से उन्होंने बैंक के अधिकारियों से व्यक्तिगत स्तर पर पत्राचार एवं प्रत्यक्ष संवाद स्थापित किया। उनके प्रयासों से विद्यालय के विद्यार्थियों को बैंक द्वारा आयोजित इस विशेष रचनात्मक गतिविधि में भाग लेने का अवसर प्राप्त हुआ।

विद्यार्थियों को मिला पुरस्कार

प्रतियोगिता में रोली ने प्रथम, आरिफ ने द्वितीय तथा आदित्य और अनिता देवी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं लक्ष्मी, आयुषी कुमारी, एंजेल, सोनाक्षी और सुधांशु को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया गया। विजेता विद्यार्थियों

को बैंक अधिकारियों द्वारा पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय प्रभारी भोला झा एवं अध्यापिका श्रीमती नेहा टोकस को बैंक अधिकारियों की ओर से हिंदी साहित्यकार सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' की रचना महाभारत पुस्तक भेंट स्वरूप प्रदान की गई।

विद्यार्थियों को दी बैंकिंग एवं वित्तीय जागरूकता की जानकारी

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को बैंकिंग सेवाओं एवं वित्तीय जागरूकता से संबंधित आवश्यक जानकारी भी दी गई। बैंक अधिकारियों ने बच्चों को बचत, बैंकिंग व्यवस्था तथा वित्तीय अनुशासन के प्रति जागरूक किया। विद्यालय प्रभारी भोला झा ने बैंक ऑफ बड़ौदा के अधिकारियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएँ विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, सृजनात्मक सोच, अभिव्यक्ति की क्षमता और हिंदी भाषा के प्रति रुचि विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

उन्होंने कहा कि बैंक ऑफ बड़ौदा द्वारा विद्यालय के विद्यार्थियों को उपलब्ध कराया गया यह मंच उनके लिए एक प्रेरणादायी अनुभव रहा। ऐसी गतिविधियाँ भविष्य में भी बच्चों की प्रतिभा को पहचानने और उसे निखारने में सहायक सिद्ध हो सकती हैं।

पं. दीनदयाल उपाध्याय ने भारत को भारत बनाने की जीवन दृष्टि दी : दत्तात्रेय होसबाले

जयपुर,एजेंसी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने भारत को भारत बनाने की जीवन दृष्टि दी और इसे केवल भारत के लिए नहीं बल्कि विश्व के लिए मार्गदर्शन एवं मॉडल के रूप में प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि दीनदयाल उपाध्याय का एकात्म मानवदर्शन केवल भारतीय जनसंघ या भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं अथवा भारत के लोगों के लिए नहीं, बल्कि समस्त मानवता के लिए है। होसबाले शुक्रवार को पंडित दीनदयाल उपाध्याय की 110वीं जयंती के अवसर पर पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्मृति समारोह समिति की ओर से जयपुर के धानक्या में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि मुझे धानक्या की पवित्र भूमि पर आने का अवसर मिला और यहां स्थित दीनदयाल उपाध्याय जी के प्रेरणादायी स्मारक के दर्शन कर उनके जीवन से प्रेरणा लेने का अवसर प्राप्त हुआ। उन्होंने कहा कि यह स्मारक आने वाले लोगों को राष्ट्र और समाज के लिए कार्य करने की प्रेरणा देने वाला है। उन्होंने कहा कि दीनदयाल उपाध्याय एक विलक्षण व्यक्तित्व और प्रेरणादायी

पुरुष थे। उनके स्मरण में समारोह समिति कई वर्षों से सामाजिक, सांस्कृतिक और राष्ट्र की दृष्टि से महत्वपूर्ण कार्यक्रमों का आयोजन करती आ रही है। उन्होंने समिति के कार्यों के लिए पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के प्रति साधुवाद व्यक्त किया। एकात्म मानवदर्शन की चर्चा करते हुए होसबाले ने कहा कि दीनदयाल उपाध्याय ने भारतीय संस्कृति और भारत के जीवन दर्शन के विभिन्न विषयों को सार रूप में लेकर आधुनिक युग में जीवन जीने के लिए आधारभूमि तैयार की और इसे एकात्म मानवदर्शन के रूप में प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि जैसे भगवान श्रीकृष्ण ने उपनिषदों के सार को गीता के रूप में मानवता के सामने रखा, उसी प्रकार दीनदयाल उपाध्याय ने भारतीय संस्कृति के सार को एकात्म मानवदर्शन के रूप में इस युग के लिए प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि विश्व को केवल पूंजीवाद और साम्यवाद के दो विकल्पों में नहीं बांटा जा सकता। उनके अनुसार एक ओर स्वतंत्रता पर अत्यधिक आग्रह से असमानता और शोषण की प्रवृत्ति बढ़ी, वहीं दूसरी ओर समानता के आग्रह में स्वतंत्रता समाप्त हो गई। उन्होंने कहा कि दोनों व्यवस्थाओं में बंधुता और मनुष्य के परस्पर संबंधों के विषय की उपेक्षा हुई।

मुद्रक, प्रकाशक, स्वामी, सैफुल्लाह सिद्दिकी द्वारा आरडी प्रिंटिंग एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-08, नोएडा (यूपी), से छपवा कर एन-81, बटला हाउस, जामिया नगर पुलिस स्टेशन, जामिया नगर, नई दिल्ली-110025 से प्रकाशित किया। सर्वाधिकार सुरक्षित, किसी भी विवाद की स्थिति में न्यायिक क्षेत्र दिल्ली होगा। (संपादक- सैफुल्लाह सिद्दिकी)